CMYK

अधिकतम :30°C
न्यूनतम: 20°C

ख़बरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

हल्द्वानी, बुधवार 11 मार्च 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 194 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082 21 रमज़ान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

मिडिल ईस्ट में युद्ध की धमक वेस्ट यूपी तक पहुंची पेज 2

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन में अर्शदीप पर लगा जुर्माना खेल टाइम्स

परिसीमन 2026 : लोकतंत्र का संतुलन या राजनीति की नई जंग सम्पादकीय

ईरान जंग का असर: 9 एशियाई देशों में तेल संकट गहराया पेज 12

जल्द समाप्त होगा ईरान से युद्ध : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प

वाशिंगटन/फ्लोरिडा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष पर कई महत्वपूर्ण लेकिन अलग तरह के बयान देते हुए कहा है कि युद्ध लगभग पूरा हो चुका है और अमेरिका अपने निर्धारित समय से काफी आगे चल रहा है।

ट्रम्प ने फ्लोरिडा के डोराल में मीडिया को संबोधित करते हुए दावा किया है कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक अमेरिका और इजरायल ने ईरान के पांच हजार ठिकानों पर हमले किए हैं। युद्ध को लगभग पूरा हो जाने की बात बताने के कुछ घंटों बाद फ्लोरिडा में फिर से ईरान के विषय पर बोलते हुए राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि हमने एक छोटी यात्रा की क्योंकि हमें लगा कि कुछ बुराई को खत्म करने के लिए ऐसा करना जरूरी था। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आप देखेंगे कि यह एक बहुत ही कम समय की यात्रा होने जा रही है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि हमने पहले ही कई मायनों में जीत हासिल कर ली है, लेकिन हमने अभी पर्याप्त जीत हासिल नहीं की है। उन्होंने संकल्प जताते हुए कहा कि हम इस लंबे समय से चले आ रहे खतरे को हमेशा के लिए समाप्त करने और अंतिम जीत हासिल करने के लिए पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अपनी औपचारिक प्रेस वार्ता के दौरान ट्रम्प ने दोहराया कि

कहा: युद्ध लगभग पूरा हो चुका, अमेरिका अपने निर्धारित समय से काफी आगे चल रहा

ईरान में सैन्य अभियान एक जबरदस्त सफलता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान आने वाले लंबे समय तक परमाणु हथियार विकसित न कर सके। अमेरिका के पास अभी भी ईरान में कुछ लक्ष्य हैं, जिन्हें महज एक दिन में नष्ट किया जा सकता है। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया कि युद्ध बहुत जल्द समाप्त हो जाएगा।

ट्रम्प के ऐलान से गिरे कच्चे तेल के दाम

तेहरान/तेल अवीव / वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 100 डॉलर को पार कर चुकी कच्चे तेल की कीमतें गिरकर 90 डॉलर के नीचे आ गई हैं, जिसमें दावा किया गया है कि ईरान के खिलाफ अभियान 'लगभग पूरा' हो चुका है और युद्ध जल्द समाप्त होगा। ट्रम्प ने ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष पर कई महत्वपूर्ण लेकिन अलग तरह के बयान देते हुए कहा है कि युद्ध लगभग पूरा हो चुका है और अमेरिका अपने निर्धारित समय से काफी आगे चल रहा है। उन्होंने दावा किया है कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक अमेरिका और इजरायल ने ईरान के पांच हजार ठिकानों पर हमले किए हैं। श्री ट्रम्प के ईरान के साथ युद्ध जल्द समाप्त होने के बयान के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट रही और यह 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया। कच्चे तेल का मानक लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 4.1 प्रतिशत टूटकर 94.20 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

BCCI भारतीय टीम को 131 करोड़ का इनाम देगा

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी-20 विश्व कप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रुपये के नकद इनाम की घोषणा की है। बीसीसीआई ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि बीसीसीआई खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए एक बार फिर बधाई देता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। रविवार को हुए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया था। भारत ने रिकॉर्ड तीसरी बार टी-20 विश्व कप जीता।

21वां रोज़ा

दोजख से निजात का अशरा

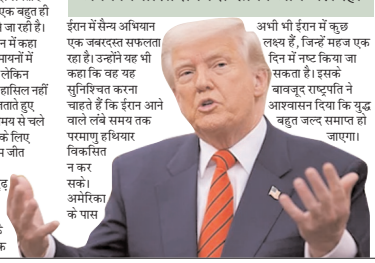

इक्कीसवें रोजे़ से तीसवें रोजे तक के दस दिन/दस रातें रमजान माह का आखिरी अशरा कहलाती हैं। चूंकि आखिरी अशरे में ही लैलतुल कद्र/शबे-कद्र जिसमें रात जागकर अल्लाह का जिक्र किया जाता है तथा जिस रात को बहुत अज्र की रात माना जाता है। क्योंकि शबे-कद्र से कुरआन का नुजूल शुरू हुआ था, इसलिए इसे दोजख से निजात का अशरा भी कहा जाता है। शरई तरीके से रखा गया रोज़ा दोजख से निजात दिलाता है। कुरआने-पाक में इरशाद फरमाया- आप (सल्ल.)कह दीजिए कि अल्लाह ही तुमको उनसे निजात देता है। मतलब यह हुआ कि लोगों को अल्लाह ही हर रंजो-गम और दोजख से निजात देता है। सवाल यह उठता है कि अल्लाह तक पहुंचने और निजात को पाने का रास्ता और तरीका क्या है? इसका जवाब है कि सब्र और सदाकत के साथ रखा गया रोज़ा ही अल्लाह तक पहुंचने और दोज़ख से निजात पाने का रास्ता और तरीका है।

देश में UCC लागू करने का समय आ गया: SC

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का समय आ गया है। इस पर फैसला करना कोर्ट के बजाय संसद का काम है। सुप्रीम कोर्ट शरीयत कानून 1937 की कुछ धाराओं को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इन धाराओं से मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव का आरोप था।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि शरीयत कानून की धाराएं रद्द कर दी गईं तो मुस्लिम समुदाय में संपत्ति के बंटवारे को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं बचेगा। इससे कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई बार सरकार से समान नागरिक संहिता लागू करने को कह चुका है। अलग-अलग समुदायों के लिए अलग नियम हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सीधे किसी कानून को असंवैधानिक घोषित कर दें। याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि कोर्ट यह घोषित कर सकती है कि मुस्लिम महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर संपत्ति में अधिकार मिलना चाहिए, अगर शरीयत कानून की कुछ धाराएं रद्द होती हैं, तो ऐसे मामलों में भारतीय उत्तराधिकार कानून लागू किया जा सकता है। इस पर बेंच ने कहा कि इस मुद्दे का स्थायी समाधान समान नागरिक संहिता ही है, लेकिन इसे लागू करने का फैसला संसद को लेना होगा। यह नीतिगत मामला है, और कानून बनाना संसद का अधिकार है। शरीयत कानून 1937, जिसे मुस्लिम पर्सनल ला (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट कहा जाता है, ब्रिटिश शासन के समय बनाया गया एक कानून है। इसका उद्देश्य यह तय करना था कि भारत में मुसलमानों के निजी और पारिवारिक मामलों में इस्लामी कानून यानी शरीयत लागू होगा।

कहा: संसद फैसला करे, शरीयत कानून में सुधार की जल्दबाजी न करें, इससे नुकसान की संभावना

एसआईआर पर न्यायिक अधिकारियों के काम में बाधा न हो

नई दिल्ली। प. बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने राज्य सरकार व चुनाव आयोग से कहा है कि न्यायिक अधिकारियों को अपना काम सुचारू रूप से करने के लिए उचित और निर्बाध परिस्थितियां उपलब्ध कराई जाएं। तीन जजों की पीठ ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में तैनात न्यायिक अधिकारियों ने अब तक मतदाता सूची से हटाए जाने के खतरे का सामना कर रहे लोगों की 10.16 लाख आपत्तियों और दावों पर सुनवाई की है।

उप्र में कर्मचारियों की संपत्ति की वार्षिक घोषणा अनिवार्य हुई

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में 30 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इनमें सरकारी कर्मचारियों की संपत्ति और निवेश पर सख्ती, प्रॉपर्टी रजिस्ट्री में पारदर्शिता, ग्रामीण परिवहन सेवा का विस्तार तथा आवास योजनाओं से जुड़े कई अहम निर्णय शामिल हैं। कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्रियों ने फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की चल-अचल संपत्ति की वार्षिक घोषणा अनिवार्य कर दी है। अब सभी कर्मचारियों को हर वर्ष अपनी संपत्ति का विवरण देना होगा। इसके साथ ही यदि कोई कर्मचारी अपने छह महीने के मूल वेतन से अधिक राशि शेयर या स्टॉक मार्केट में निवेश करता है, तो उसे इसकी जानकारी देनी होगी। ऐसे मामलों में जांच अनिवार्य होगी और दोषी पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। सरकार का कहना है कि इस कदम से पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने बताया कि अब प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री से पहले विक्रेता की पहचान और मिल्कियत की पूरी जांच खतौनी के आधार पर की जाएगी। बिना खतौनी सत्यापन के रजिस्ट्री नहीं होगी। विक्रेता के लिए अपनी मिल्कियत खतौनी में दर्ज कराना अनिवार्य होगा।

संक्षिप्त समाचार

विवादित अध्याय पर एनसीईआरटी ने मांगी बिना शर्त माफी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक और सदस्यों ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक समाज की खोज: भारत और उससे आगे के एक विवादित अध्याय को लेकर मंगलवार को बिना शर्त और बिना किसी योग्यता के सार्वजनिक माफी मांगी है। विवाद पुस्तक के अध्याय-4 हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका को लेकर हुआ, जिसमें न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े संदर्भों का उल्लेख किया गया था। एनसीईआरटी ने कहा है कि यह पूरी पुस्तक अब वापस ले ली गई है और फिलहाल उपलब्ध नहीं है। एनसीईआरटी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि असुविधा के लिए हमें गहरा खेद है और हम सभी हितधारकों की समझदारी की सराहना करते हैं। एनसीईआरटी शैक्षणिक सामग्री में सटीकता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्र सरकार ने प्राकृतिक गैस पर लगाया एस्मा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं को देखते हुए देश में रसोई गैस (एलपीजी) का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) लगा दिया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 के अनुसार, घरेलू पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की आपूर्ति, परिवहन के लिए सीएनजी की आपूर्ति, एलपीजी उत्पादन, और पाइपलाइन कॉम्प्रेशर फ्यूल तथा अन्य अनिवार्य पाइपलाइन परिचालन जरूरतों को प्राथमिकता सेक्टर-1 में रखा गया है। इन उपभोक्ताओं को पिछले छह महीने की औसत के बराबर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। वहीं अन्य क्षेत्रों के लिए आपूर्ति में कटौती की जाएगी। इस संबंध में जारी गजट अधिसूचना में कहा गया है कि 'पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष' के मद्देनजर वितरण में समानता और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है। उर्वरक संयंत्रों को प्राथमिकता सेक्टर-2 में रखा गया है।

देश में रसोई गैस का उत्पादन बढ़ाने की कवायद, उद्योगों को आपूर्ति में होगी कटौती

उत्तराखंड में पहचान छिपाकर शादी करने वालों को अब होगी जेल

गैरसैंण (ब्यूरो)। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को और अधिक प्रभावी और सख्त बनाने की दिशा में धामी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। बजट सत्र में पेश होने के बाद अब प्रदेश में समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड (संशोधन) अध्यादेश, 2026 लागू हो गया है। उत्तराखंड में अब पहचान छिपाकर शादी करने वालों को जेल होगी। वहीं, लिव-इन के नियम भी कड़े हो गए हैं। प्रदेश में समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड (संशोधन) अध्यादेश, 2026 लागू हो गया है। यूसीसी को और अधिक प्रभावी और सख्त बनाने की दिशा में धामी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने समान नागरिक संहिता संशोधन अध्यादेश को मंजूरी के साथ ही राज्य में विवाह, पंजीकरण और लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईरान-इजरायल युद्ध की आंच में तपा संगमरमर उद्योग

आगरा। मध्य पूर्व में जारी ईरान-इजरायल युद्ध का असर अब आगरा के संगमरमर हथकरघा उद्योग पर भी पड़ने लगा है। मध्य-पूर्वी देशों के ग्राहकों ने करोड़ों रुपये के ऑर्डर फिलहाल रोक दिए हैं, जिससे आगरा का मार्बल हैंडीक्राफ्ट कारोबार लगभग ठप पड़ गया है। कारोबारियों के अनुसार फैक्टरियों में काम बंद होने की स्थिति बन गई है और हजारों कारीगरों व मजदूरों को काम मिलना बंद हो गया है। आगरा से हर साल करोड़ों रुपये का मार्बल हैंडीक्राफ्ट माल निर्यात किया जाता है, जिसका बड़ा बाजार मध्य-पूर्वी देशों में रहा है। व्यापारियों का कहना है कि इन देशों के बड़े कारोबारी आगरा से बड़ी मात्रा में मार्बल हैंडीक्राफ्ट मंगाते रहे हैं, लेकिन युद्ध की स्थिति के कारण नए ऑर्डर मिलने बंद हो गए हैं। साथ ही पहले से मिले कई ऑर्डर भी फिलहाल रोक दिए गए हैं, जिससे अधूरे तैयार माल में कारोबारियों के करोड़ों रुपये फंसे हुए हैं।

मदुरै एयरपोर्ट को मिलेगा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु के मदुरै एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद बताया कि चेन्नई, कोयम्बटूर और मदुरै तमिलनाडु के तीन बड़े शहर हैं। लंबे समय से स्थानीय लोग मदुरै एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा देने की मांग कर रहे थे। यह पुराना सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षणिक केंद्र है। इस फैसले के बाद वहां विकास को और गति मिलेगी।

लाल बत्तियों के बंदरबांट की अटकलों फिलहाल अभी लगा विराम

उप्र में अभी और लंबा खिचेगा मंत्रिमंडल विस्तार

लखनऊ, वार्ता

पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के बाद ही लिया जाएगा निर्णय

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच फिलहाल इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियां तत्काल विस्तार के पक्ष में नजर नहीं आ रही हैं। ऐसा माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु सहित पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के बाद ही योगी सरकार मंत्रिमंडल विस्तार पर निर्णय ले सकती है।

सूत्रों के मुताबिक इससे पहले बिहार में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया भी पूरी होनी है। इसके बाद ही उत्तर प्रदेश में टीम योगी में बदलाव या विस्तार की संभावना जताई जा रही है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और संगठन इन राजनीतिक गतिविधियों में व्यस्त है, इसलिए मंत्रिमंडल विस्तार कुछ समय के लिए टल सकता है। गौरतलब है कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से करीब छह महीने पहले 26 सितम्बर 2021 को भी योगी सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार किया गया था। उस समय कुल सात मंत्रियों ने शपथ ली थी। इनमें जितिन प्रसाद को कैबिनेट मंत्री बनाया गया था, जबकि पल्टू राम, संजय कुमार गौंड, संगीता बलवंत बिंद, धर्मवीर प्रजापति, दिनेश खटीक और छत्रपाल सिंह गंगवार को राज्य मंत्री बनाया गया था। वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में कुल 53 मंत्री शपथ ले चुके हैं। इनमें से कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद अब केंद्र सरकार में मंत्री बन चुके हैं, जबकि राज्य मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि लोकसभा सदस्य बन गए हैं। इस कारण मंत्रिमंडल में दो पद खाली हो गए हैं। विधायकों की संख्या के आधार पर उत्तर प्रदेश में अधिकतम 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में अभी भी मंत्रिमंडल में नौ पद रिक्त हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी चुनावी समीकरणों को ध्यान में रखते हुए भाजपा नेतृत्व इन पदों को भरने पर फैसला करेगा। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि मंत्रिमंडल का विस्तार बंगाल चुनाव के बाद ही होने की संभावना है। केंद्रीय नेतृत्व की व्यस्तता के चलते फिलहाल ऐसी स्थितियां बनती नहीं दिख रही हैं। हालांकि पार्टी के कार्यकर्ताओं की नजर मंत्रिमंडल विस्तार पर लंबे समय से टिकी हुई है। कार्यकर्ता और पदाधिकारी बड़ी उत्सुकता से लंबे समय से इसका वहीं की राजनीति में ब्राह्मण समाज एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गया है।

ब्राह्मण व सवर्ण समाज की नाराजगी अंडरकंट के रूप में उभर सकती है, भाजपा भयभीत

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले ब्राह्मण वोट बैंक और यूजीसी मुद्दे को लेकर सवर्ण समाज की नाराजगी राज्य की राजनीति में एक अहम अंडरकरंट के रूप में उभर सकता है और इसका खामियाजा सत्तारूढ़ पार्टी को भुगतना पड़ सकता है। प्रदेश की कुल आबादी में लगभग 10 से 12 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला ब्राह्मण समाज कई विधानसभा क्षेत्रों में निर्णायक प्रभाव रखता है। ऐसे में सभी प्रमुख राजनीतिक दल इस वर्ग को साधने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। हाल के कुछ घटनाक्रमों ने यह बहस तेज कर दी है कि समुदाय के कुछ वर्गों में सतासूद भारतीय जनता पार्टी के प्रति असंतोष की भावना है, हालांकि भाजपा नेताओं ने ऐसे दावों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है।

मिडिल ईस्ट में युद्ध की धमक वेस्ट यूपी तक पहुंची

शाह टाइम्स ब्यूरो

मेरठ/ मुजफ्फरनगर। अमेरिका- इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, बिजनौर, सहारनपुर और शामली में तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित हो रही है। पेट्रोलियम उत्पाद, गैस और कच्चे माल के दाम दोगुना हो गए हैं। ऐसे में घर की रसोई से लेकर इन जिलों के लाखों उद्योग प्रभावित हो रहे हैं।

होटल, रेस्टोरेंट, विवाह आयोजनों में भी गैस की किल्लत बनी हुई है। मेरठ में गृहिणी सुनीता ने बताया कि बुकिंग कराने के बाद भी गैस मिलने में दिक्कत हो रही है। इसके अलावा मेरठ की गढ़ रोड समेत कई एजेंसियों पर गैस के लिए लोग परेशान दिखे। ब्रेवुरा होटल के संचालक शेखर भल्ला ने बताया कि जिन होटलों में पीएनजी है, वहां भी लाइव स्टाल लगाने के लिए सिलेंडर नहीं हैं। होटल, रेस्टोरेंट के अलावा सर्वाधिक दिक्कत कैटरिंग वालों के सामने आ रही है। मेरठ होटलियर्स एंड रेस्टूरेंट एसोसिएशन के महामंत्री विपुल सिंघल ने बताया कि सिलेंडर की कमी के चलते पकौड़ी की दुकान से लेकर बड़े होटलों तक में दिक्कत हो रही है। सरकार ने घरेलू गैस सिलिंडर के दाम तो बढ़ा दिए हैं, इसके साथ ही कमर्शियल सिलिंडर के दाम भी बढ़े हैं। सहारनपुर में होटल एवं रेस्टोरेंट में पाइप के जरिए सप्लाई होने वाली गैस आपूर्ति को बंद कर दिया गया है। बता दें, कि जिले में 8.33 लाख गैस उपभोक्ता हैं। हर दिन औसतन 17 हजार गैस सिलिंडर की बुकिंग की जाती है। जनपद में गैस एजेंसी की 61 शाखाएं हैं। सरकार ने 21 दिन की अवधि को बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है। अब गैस उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग के लिए 25 दोनों का इंतजार करना होगा। इसके बाद ही सिलेंडरों की आपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा कई उपभोक्ताओं ने बताया कि गैस बुकिंग करने के चार से पांच दिन बाद भी सिलिंडर की डिलीवरी घर पर नहीं हो पा रही है। शामली में

मेरठ, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, शामली, बागपत और सहारनपुर में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही प्रभावित

व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की आपूर्ति तीन दिन से प्रभावित है। इससे होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई की दुकान करने वालों के सामने संकट खड़ा हो गया है। कुछ के पास पुराना स्टाक बचा है, जबकि कुछ का खत्म हो चुका है। उत्तर प्रदेश व्यापार प्रतिनिधि मंडल के मंडल अध्यक्ष धनश्याम दास गर्ग ने मामले को लेकर जिलाधिकारी से मिलने की बात कही है।

मुजफ्फरनगर जिले में करीब छह लाख घरेलू गैस उपभोक्ता हैं। फिलहाल गैस आपूर्ति की कोई दिक्कत नहीं है। आईजीएल की ओर से पीएनजी सप्लाई की जाती है, लेकिन यह सप्लाई भीच ल रही है। बागपत में कामर्शियल गैस सिलिंडर की आपूर्ति रोक दी गई है। घरेलू गैस सिलिंडर की आपूर्ति सामान्य रखने के लिए ऐसा किया गया है। जिले में हर महीने कामर्शियल दो हजार सिलिंडर की आपूर्ति है। इसके अलावा सिलिंडर बुक करने का समय निर्धारित करने के कारण अब एजेंसी पर सिलिंडर की गाड़ी रोज़ाना की जगह एक दिन बाद आ रही है। बिजनौर में घरेलू गैस सिलिंडर की डिमांड बढ़ गई है और लोग आने वाले दिनों में समस्या को देखते हुए अतिरिक्त सिलिंडर की व्यवस्था करने में लगे हैं।

ट्रम्प के सामने नतमस्तक हैं पीएम मोदी: केजरीवाल

नई दिल्ली, वार्ता

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह अपनी किसी मजबूरी के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने नतमस्तक हैं और देश उसी की सजा भुगत रहा है।

केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को कहा कि देश भर में, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर बाकी सभी व्यावसायिक संस्थानों को एलपीजी गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है। केवल घरेलू उपयोग के लिए गैस दी जाएगी। आने वाले दिनों में गैस और तेल की स्थिति और खराब होने के आसार हैं। आप संयोजक ने कहा कि मोदी अपनी किन्हीं मजबूरियों के कारण ट्रम्प के सामने नतमस्तक हैं। क्या आज देश उसी की सजा भुगत रहा है? दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि चार दिन पहले तक 'सरकारी सूत्र' कह रहे थे- देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं। आज सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम लगाकर गैस कंट्रोल कर रही है। रिफाइनरियों को गैस डायवर्ट करने के आदेश दे रही है और घरेलू सिलेंडर की बुकिंग भी 25 दिन कर दी गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि सूत्र झूठ बोल रहे थे या सरकार? पश्चिम एशिया का युद्ध अब भारत की रसोई और रोजगार तक पहुंच चुका है। आज ढाबे, होटल, छोटे रेस्टोरेंट और लाखों छोटे कारोबार कमर्शियल गैस की कमी से जूझ रहे हैं।

भाजपा सरकार में किसानों को कृषि लागत भी नहीं मिल रही: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

भाजपा के नेता चुनाव प्रचार के लिए तो उपलब्ध रहते हैं, लेकिन किसानों की परेशानी और दिक्कतों के लिए उनके पास समय नहीं है

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाजार में आलू के गिरते दाम को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आलू के दाम गिरने से किसान बर्बादी के कगार पर पहुंच गए हैं, लेकिन किसान और खेती विरोधी भाजपा सरकार पूरी तरह लाप. रवाह होकर बैठी है और किसानों की मांगों की अनदेखी कर रही है।

यादव ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, भाजपा को सिर्फ अपनी राजनीतिक सत्ता से मतलब है। भाजपा के नेता चुनाव प्रचार के लिए तो उपलब्ध रहते हैं, लेकिन किसानों की परेशानी और दिक्कतों के लिए उनके पास समय नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का पूरा खेल ही यही है कि पैदावार के दाम इतने कम करवा दो कि किसानों की लागत तक न निकले। वो थक-हार कर खेतीबाड़ी का काम ही छोड़ दें और अपनी जमीनें भाजपा के समर्थक अमीरों को कौड़ियों के दाम बेचने पर मजबूर हो जाएं।

फिर ए भाजपाई पैसेवाले, किसान को उसके अपने खेत में ही मालिक से मजदूर बना दें। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपाइयों की साजिश ही ये है कि वो किसानों की जमीन हड़प कर बड़े स्तर पर खेती करके खाद्यान्न और फसलों की पैदावार को अपने हाथों में ले लें और फिर मनमानी कीमत जनता से वसूलें। इसीलिए भाजपा की भ्रू-अधिग्रहण बिल लाती है, कभी तीन कृषि काले कानून या फिर भारत की खेती-किसानों के लिए प्राणघातक अमेरिकी डील करती है। अखिलेश यादव ने कहा कि यही हाल रहा तो वो दिन दूर नहीं जब कि आज के खेत का मालिक किसान, कल को अपने ही खेत की पैदावार को खरीदने पर मजबूर हो जाएगा। भाजपा दल नहीं दलाल है।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध
86 8484 5757 info@cipzer.com

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 78205.98
निफ्टी 24261.60

सोना 159409
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 263210
प्रति किलो

गिरावट से उबरे शेयर बाजार सेंसेक्स 640 अंक मजबूत

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौट आई और बीएसई का सेंसेक्स 639.82 अंक (0.82 फीसदी) चढ़कर 78,205.98 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 233.55 अंक यानी 0.97 प्रतिशत ऊपर 24,261.60 अंक पर पहुंच गया। गत 26 फरवरी के बाद छह कारोबारी दिवस में दोनों प्रमुख सूचकांक 5.7 प्रतिशत टूट गए थे। इस दौरान सिर्फ एक दिन बाजार में तेजी रही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरान युद्ध जल्द समाप्त होने संबंधी बयान के बाद वैश्विक स्तर पर सभी शेयर बाजारों में तेजी देखी गई।

घरेलू शेयर बाजारों पर भी इसका असर दिखा। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा लिवाली रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.60 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.12 प्रतिशत की बढ़त में रहा। आईटी और तेल एवं गैस को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही। ऑटो, वित्त, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, बैंकिंग, रियलिटी, फार्मा, धातु, मीडिया और रसायन समूहों में लिवाली ज्यादा रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा और इंडिगो के शेयर साढ़े तीन प्रतिशत के आसपास मजबूत हुए। मारुति सुजुकी, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और एक्सिस बैंक के शेयर दो से तीन प्रतिशत के बीच चढ़े। कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, बजाज फिनसर्व, बीईएल, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और पावर ग्रिड के शेयर एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त में रहे। आईटीसी, एलएंडटी, ट्रेंट और सन फार्मा को शेयर भी हरे निशान में रहे। इटरनल और इंफोसिस के शेयर करीब डेढ़ फीसदी टूट गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक गिर गए। भारती एयरटेल और टीसीएस में भी गिरावट रही।

कच्चा तेल टूटा 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे पहुंचा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरान के साथ युद्ध जल्द समाप्त होने के बयान के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में करीब पांच प्रतिशत की गिरावट रही और यह 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया। कच्चे तेल का मानक लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 4.1 प्रतिशत टूटकर 94.20 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। अमेरिकी वेस्ट टेक्सस क्रूड 4.89 प्रतिशत उतरकर 90.3 डॉलर प्रति बैरल बोला गया।

इससे पहले सोमवार को कच्चे तेल में जबरदस्त तेजी देखी गई थी और एक समय यह 119 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था। अमे. रिका और इजरायल द्वारा 28 फरवरी को एक संयुक्त सैन्य अभियान में ईरान पर किए गए हमले के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। ईरान पर हमले और उसकी जवाबी प्रतिक्रिया के कारण पश्चिमी एशिया में इन दोनों गंभीर धू राजनीतिक संकट पैदा हो गया है। इससे कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति और उत्पादन दोनों बाधित हुए हैं।

चावल नरम, गेहूं मजबूत, दालों और खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव टूट गए। वहीं गेहूं में तेजी रही। चीनी के भाव कमोबेश स्थिर रहे, जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत नौ रुपये घटकर 3,847 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,813 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

आटे के भाव में टिकाव रहा। दाल-दलहनों में तुअर दाल औसतन 32 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मसूर दाल की कीमत 22 रुपये और चना दाल की 20 रुपये घट गई। मूंग दाल में नौ रुपये की गिरावट रही। वहीं उड़द दाल दो रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 139 रिंगिट फिसलकर 4,428 रिंगिट प्रति टन रह गया। मई का अमे. रिकी सोया तेल वायदा 0.12 प्रतिशत की बढ़त में 66.18 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल 73 रुपये और पाम ऑयल 63 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

मूंगफली तेल की कीमत 39 रुपये घटी। सरसों तेल और सोया तेल आठ-आठ रुपये मजबूत हुए। वनस्पति 16 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव सात रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। चीनी की कीमत कमोब. श अपरिवर्तित रही।

आईजीआरएस रिपोर्ट में रामपुर अव्वल शाहजहांपुर-बाराबंकी दूसरे स्थान पर

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिकायतों के त्वरित निस्तारण और विकास कार्यों की निगरानी के लिए लागू एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) की फरवरी माह की रिपोर्ट में रामपुर जिले ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। शाहजहांपुर और बारा. बंकी ने बराबर अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया है, जबकि जालौन तीसरे स्थान पर है। आईजीआरएस के माध्यम से प्रदेश के जिलों में जन शिकायतों, राजस्व मामलों और विकास कार्यों की नियमित निगरानी की जाती है।

हर माह 49 विभागों के 109 कार्यक्रमों की विभिन्न मानकों के आधार पर समीक्षा कर जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। फरवरी की रिपोर्ट में रामपुर ने निर्धारित 140 में से पूरे 140 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। रामपुर के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि आईजीआरएस रिपोर्ट प्रशासनिक दक्षता, विकास कार्यों की गुणवत्ता और राजस्व प्रबंधन के आधार पर जिलों के प्रदर्शन का आकलन करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जिले में विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप रामपुर को आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड दोनों में पहला स्थान मिला है। शाहजहांपुर के जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जिले में विकास परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाती है और जन शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता के संतुष्टिपूर्ण फीडबैक के आधार पर ही आईजीआरएस रिपोर्ट तैयार होती है, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहती है। रिपोर्ट के अनुसार शाहजहांपुर और बारा. बंकी ने 137-137 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि जालौन ने 136 अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। बरेली, श्रावस्ती और हाथरस ने 135-135 अंक हासिल कर चौथा स्थान प्राप्त किया। वहीं बलिया, आजमगढ़ और भदोही ने 134 अंक प्राप्त कर पांचवें स्थान पर जगह बनाई। टॉप-10 जिलों में अंबेडकरनगर, प्रयागराज, कन्नौज, पीलीभीत और हमीरपुर भी शामिल हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार आईजीआरएस की नियमित निगरानी से विकास कार्यों में तेजी आई है और जन शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और पारदर्शी हुई है।

राजनीतिक रोटी सेंकने को लाया गया अविश्वास प्रस्ताव: रिजिजू

नई दिल्ली, वार्ता

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को राजनीतिक रोटी सेंकने का प्रयास बताते हुए कहा कि सदन के अंदर के क्रियाकलापों के लिए हर सदस्य श्री बिरला को धन्यवाद देता रहेगा, क्योंकि उन्होंने सभी को समान मौका दिया है।

रिजिजू ने विपक्ष की ओर से सदन में पेश अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के विरोध में अपनी बात रखते हुए कहा कि संसदीय कार्य मंत्री सिर्फ सत्तारूढ़ दल का नहीं होता है। कांग्रेस के साठ साल के इतिहास को देखना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री पर टिप्पणी करने से पहले अपना इतिहास देखना चाहिए। सदन के संचालन का पूरा अधिकार अध्यक्ष का है। अध्यक्ष के निर्णय को कहीं भी चुनौती नहीं दी जा सकती है। अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होता है। अध्यक्ष के निर्णय को किसी ने आज तक चुनौती नहीं दी है लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा था कि सदन में बोलने के लिए उन्हें किसी से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें पता होना चाहिए कि सदन में अध्यक्ष की अनुमति के बिना नहीं बोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे वह प्रधानमंत्री हों, विपक्ष के नेता हों या कोई अन्य सांसद, लेकिन अध्यक्ष की अनुमति के बिना सदन में कोई नहीं बोल सकता है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष किसी को कभी भी बोलने की अनुमति दे सकता है यह उनका अधिकार है। अध्यक्ष के पास कुछ शक्तियां ऐसी हैं, जो कार्यसूची में शामिल नहीं हैं। संसदीय परंपरा में कई चीजें पहली बार होती है तब भी अध्यक्ष को निर्णय लेना होता है। अध्यक्ष की भूमिका भी विपक्ष तय करना चाहते हैं, यह कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि जो नियम में शामिल नहीं है, तो उस पर निर्णय करने की शक्ति भी अध्यक्ष के पास होता है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि भाजपा के नेताओं ने कभी कागज फाड़कर आसन की तरफ नहीं फेंका है। 1951 के बाद भाजपा के किसी सदस्य ने आसन की तरफ कागज फाड़कर नहीं फेंका है, लेकिन विपक्ष आज सारी सीमाओं का लांघने का काम कर रहा है।

बंगाल में एसआईआर के मुद्दे पर रास में हंगामा

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने राज्यसभा में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अनियमित. ताओं का मुद्दा एक बार फिर उठाते हुए मंगलवार को जोरदार हंगामा किया और इस पर चर्चा करने की मांग नहीं मानने जाने पर सदन से बहिर्गमन किया।

तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए कहा कि नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को विपक्ष का नाम लेकर सदन में एसआईआर का मुद्दा उठाया था। तृणमूल सदस्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अभी जो एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है वह सही नहीं है और इसमें हो रही अनियमितताओं पर सदन में चर्चा कराई जानी चाहिए। नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी श्री ओ ब्रायन का समर्थन करते

चर्चा नहीं किए जाने पर विपक्ष का बहिर्गमन

हुए कहा कि सदस्य ने महत्वपूर्ण विषय उठाया है और राज्यों में एसआईआर की जो प्रक्रिया चल रही है वह सही नहीं है। उन्होंने भी इस मुद्दे पर सदन में चर्चा करने की मांग की।

सभापति ने कहा कि वह विपक्ष के सदस्यों को कई बार इस विषय पर बात करने का अवसर दे चुके हैं लेकिन विपक्ष के सदस्यों ने इसका फायदा नहीं उठाया है। सदस्यों के नियम 267 के तहत उठाए गए मुद्दों पर उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में कई बार आसन की ओर से व्यवस्था पहले ही दी जा चुकी है। इस बीच कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्ष के अनेक सदस्य आसन के निकट आकर एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा के लिए नारेबाजी करते रहे।

सदन में गूंजा मानव-वन्य जीव संघर्ष का मुद्दा

■ बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान जमकर हुई चर्चा

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। उत्तराखंड की गोष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान वन विभाग से जुड़े मुद्दों पर जमकर चर्चा हुई। मानव-वन्य जीव संघर्ष, मुआवजा, रोपवे परियोजना और वन कानूनों को लेकर सत्ता और विपक्ष दोनों के विधायकों ने वन मंत्री सुबोध से तीखे सवाल किए।

प्रश्नकाल की शुरुआत होते ही वन विभाग से जुड़े मुद्दों पर सदन में गरमागरम बहस देखने को मिली। अधिकांश सवाल वन मंत्री सुबोध उनियाल से पूछे गए, जिनमें मानव-वन्य जीव संघर्ष, फॉरेस्ट क्लीयरेंस, जंगली जानवरों से फसल नुकसान और रोपवे परियोजनाओं जैसे विषय शामिल रहे।

सबसे पहले डोईवाला के भाजपा विधायक बृजभूषण गैरोला ने प्रदेश में बढ़ते मानव-वन्य जीव संघर्ष का मुद्दा उठाया और वन मंत्री सुबोध उनियाल से सवाल किया. उन्होंने पूछा कि वन्य जीवों के हमलों से अब तक कितने लोग प्रभावित हुए हैं और सरकार सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रही है?

साथ ही प्रभावित लोगों को मिलने वाले मुआवजे और उसमें होने वाली देरी पर भी सवाल किया गया। जवाब में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने सदन को बताया कि वर्ष 2000 से 31 जनवरी 2026 तक प्रदेश में मानव-वन्य जीव संघर्ष की घटनाओं में 1296 लोगों की मौत हुई है, जबकि 6624 लोग घायल हुए हैं। मंत्री ने बताया कि सरकार ने ऐसे मामलों में मुआवजे की राशि बढ़ाई है और मृतकों के परिजनों को अब 10 लाख रुपये तक की सहायता दी जा रही है. हालांकि मुआवजा वितरण में देरी को लेकर कांग्रेस के विधायकों ने सरकार को घेरा। इसी दौरान यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल ने यमुनोत्री-खरसाली रोपवे परियोजना को लेकर सवाल उठाया. इस पर संसदीय कार्य मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि परियोजना के लिए नई कंपनी को टेंडर दिया गया है और जल्द ही काम को आगे बढ़ाया जाएगा। वहीं भाजपा विधायक खजान दास ने वन कानूनों को लेकर सरकार से सवाल किया. उन्होंने कहा कि क्या देश के अलग-अलग राज्यों में वन कानून अलग-अलग तरह से लागू होते हैं और उदाहरण के तौर पर हिमाचल प्रदेश का जिक्र किया. इस पर सदन में कांग्रेस विधायकों ने भी चुटकी ली।

खजान दास ने यह भी पूछा कि उत्तराखंड में सड़कों से जुड़े कई प्रोजेक्ट वर्षों तक फॉरेस्ट क्लीयरेंस के कारण क्यों अटके रहते हैं? इसके जवाब में वन मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ समय में फॉरेस्ट क्लीयरेंस की प्रक्रिया में तेजी आई है. सरकार की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले साल

वन्य जीवों से नुकसान पर मुआवजे का दायरा बढ़ा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। वन्य जीवों से होने वाले कई तरह के नुकसान पर अभी तक मुआवजे की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन धामी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लेकर लोगों को राहत प्रदान की है। राहत देने के लिए सरकार के प्रयास अभी थमे नहीं हैं। अब धामी सरकार भालुओं से किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान को भी मुआवजे के दायरे में लाने की कोशिश में जुटी है। भालुओं से मकान-भवनों को होने वाले नुकसान पर धामी सरकार पहले ही मुआवजे की व्यवस्था कर चुकी है।

■ भालुओं से फसल चौपट होने के मामलों में भी मुआवजे पर सरकार गंभीर
■ मकान को क्षति पहुंचने पर मुआवजे का पहले ही हो चुका है निर्णय
■ तेंदुआ और मधुमक्खी के काटने पर भी अब मिल रहा है मुआवजा

धामी सरकार ने अपने चार साल के कार्यकाल में वन्य जीवों से लोगों के नुकसान पर मुआवजे को लेकर गंभीरता दिखाई है। वन्य जीवों के हमले से मौत पर मिलने वाले मुआवजे को छह लाख करना बेहद अहम फैसला रहा है। पहले ऐसे मामलों में चार लाख मुआवजा दिया जा रहा था। इसी तरह, तेंदुआ, मधुमक्खी के हमले में भी मुआवजे की सरकार ने व्यवस्था की है। बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि भालुओं के व्यवहार में आए परिवर्तन और इससे हो रहे नुकसान पर भी सरकार की निगाह है। इसी लिए, भारतीय वन्य जीव संस्थान को इस विषय पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है। इस रिपोर्ट के आधार पर सरकार जरूरी कदम उठाएगी। उनियाल ने जानकारी दी कि भालुओं से फसल के नुकसान पर मुआवजा देने के संबंध में भी सरकार गंभीरता से विचार कर रही है।

चैक, पेयजल और विद्युत सहित छह विधाओं से जुड़े 713 प्रकरणों में स्वीकृति दी गई है।

सदन में पहाड़ी क्षेत्रों में जंगली जानवरों से कृषि को हो रहे नुकसान का मुद्दा भी जोर-शोर से उठा. विधायक खजान दास, महेश जीना और विनोद कंडारी ने इस विषय पर सरकार से ठोस कार्रवाई की मांग की और कहा कि जंगली जानवरों से फसलें बर्बाद हो रही हैं, जिससे ग्रामीणों की आजीविका प्रभावित हो रही है। वहीं वन (संरक्षण) अधिनियम और वनों से जुड़े स्थानीय लोगों के हक-हकूक को लेकर भी सदन में बहस हुई. इस दौरान भाजपा विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने सरकार से पॉइंटेड सवाल पूछे. मंत्री की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विधानसभा अध्यक्ष को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। स्पीकर ऋतु खंडूड़ी ने वन मंत्री से कहा कि यह प्रदेश के ज्वलंत मुद्दे हैं. इसलिए इन पर गंभीरता के साथ स्पष्ट जवाब दिया जाए. खास बात यह रही कि आज केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के वरिष्ठ विधायक खजान दास, विनोद चमोली और मुन्ना सिंह चौहान भी कई मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगते नजर आए. सवालों की बौछार के बीच वन मंत्री सुबोध उनियाल को कई बार स्पष्टीकरण देना पड़ा, जिससे प्रश्नकाल के दौरान सदन का माहौल काफी गर्म रहा।

राज्य सरकार ने एक वर्ष में पांच करोड़ से ज्यादा का पिरूल खरीदा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश में वनाग्नि को रोकने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिन गंभीर प्रयासों को शुरू किया गया है, उनसे सार्थक परिणामों की उम्मीदें बढ़ रही हैं। सरकार ने वन विभाग के माध्यम से एक वर्ष के भीतर ग्रामीणों से पांच करोड़ 42 लाख रूपये का पिरूल खरीदा है। चीड़ के जंगलों में आग लगने के मूल कारण को खत्म करने के लिए ग्रामीणों से वर्ष 2025 में 5532 टन पिरूल खरीदा गया है। इस लक्ष्य को अब बढ़ाकर 8555 टन कर दिया गया है। सरकार की ये ही मंशा है कि पिरूल एकत्रित कर आग की आशंका को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया जाए।

■ वनाग्नि रोकने के गंभीर प्रयासों से बढ़ी उम्मीदें
■ पहली बार मिला फायर वाचर्स को सुरक्षा कवच, दस लाख का सामूहिक बीमा
■ प्रधानों की अध्यक्षता में कमेटी ग्राम पंचायत को 30 हजार की प्रोत्साहन राशि

फायर वाचर्स की धामी सरकार ने की चिंता

वनाग्नि के दौरान फायर वाचर्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए धामी सरकार ने पहली बार बीमे का सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया है। फायर वाचर्स का दस लाख का सामूहिक बीमा किया गया है। 5600 फायर वाचर्स ने पिछले वर्ष वनाग्नि रोकने में अपना योगदान दिया था।

वनाग्नि को रोकने के लिए धामी सरकार के प्रयासों में जनजागरूकता पर भी फोकस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 1239 जागरूकता कैंप लगाए गए हैं। सबसे अहम काम सरकार ने यह किया है कि ग्राम प्रधानों की अध्यक्षता में फॉरेस्ट फायर मैनेजमेंट कमेटी गठित की है, जो विभाग के साथ मिलकर जंगल बचाने में जुट रही हैं। इसके लिए संबंधित ग्राम पंचायत को 30 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। मंगलवार को बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने यह जानकारी साझा की।

नन्दादेवी राजजात के लिए 109 करोड़ स्वीकृत: महाराज

■ संस्कृति मंत्री ने सदन को बताया कि यात्रा को सुगम व सुव्यवस्थित बनाने के लिए चल रही हैं तैयारियां

देहरादून/ गैरसैंण। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा के प्रथम सत्र 2026 के दूसरे दिन सदन में विधान सभा सदस्य बृजभूषण गैरोला की और से पूछे गए तारांकित प्रश्न के जवाब में कहा कि हिमायली कुंभ के नाम से प्रसिद्ध श्री नंदादेवी राजयात्रा जिसका प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजन होता है। उससे सम्बन्धित सभी तैयारियां विभिन्न स्तरों से की जा रही हैं। धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने सदन को बताया कि नदादेवी राजजात यात्रा को सुगम व सुव्यवस्थित बनाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी चमोली को यात्रा अधिकारी नामित किया गया है। जिलाधिकारी चमोली द्वारा नन्दादेवी राजजात यात्रा की तैयारियों हेतु प्रभागीय वनाधिकारी बद्रीनाथ वन प्रभाग गोपेश्वर तथा उप जिलाधिकारी चमोली, कर्णप्रयाग एवं थराली को जोनल मजिस्ट्रेट नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक पड़ाव के लिए भी पड़ाव अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। महाराज ने पूछे गये प्रश्न के उत्तर में सदन को यह भी बताया कि नन्दादेवी राजजात यात्रा के लिए वर्तमान तक सम्बन्धित विभिन्न विभागों द्वारा 48 कार्यों हेतु कुल रू0 109.65 करोड़ (रू० एक सौ नौ करोड़ पैंसठ लाख मात्र) की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

उत्तराखंड में हर परिवार की होगी अलग आईडी

गैरसैंण। कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और लाभार्थियों तक पारदर्शी तरीके से सहायता पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने मंगलवार को "देवभूमि परिवार विधेयक-2026" को सदन पटल पर रख दिया है। इस विधेयक के कानून बन जाने पर प्रदेश में एकीकृत और सत्यापित परिवार-आधारित डेटाबेस "देवभूमि परिवार" की स्थापना हो सकेगी। विधेयक का उद्देश्य विभिन्न विभागों में बिखरे लाभार्थी डेटा को एक मंच पर लाकर योजनाओं के संचालन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समन्वित बनाना है। देवभूमि परिवार आईडी में मुखिया के तौर पर परिवार की 18 वर्ष से अधिक आयु की वरिष्ठतम महिला सदस्य का नाम दर्ज होगा। वर्तमान में राज्य के अलग-अलग विभाग अपनी-अपनी योजनाओं के लिए अलग लाभार्थी डेटाबेस का उपयोग करते हैं। इसके कारण कई बार लाभार्थी आंकड़ों का दोहराव, पुनः सत्यापन की जटिल प्रक्रियाएँ और विभागों के बीच समन्वय की कमी जैसी समस्याएँ सामने आती हैं। इससे न केवल प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त भार पड़ता है, बल्कि योजनाओं के आकलन और प्रभावी क्रियान्वयन में भी बाधाएँ उत्पन्न होती हैं।

■ देवभूमि परिवार आईडी में होगा मुखिया के तौर पर परिवार की वरिष्ठतम महिला सदस्य का नाम

देवभूमि परिवार विधेयक-2026 सुशासन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इससे प्रशास. निक दक्षता बढ़ेगी, संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और उत्तराखंड के नागरिकों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से पहुँच सकेगा।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

ये विधेयक भी किए गए प्रस्तुत

- उत्तराखंड माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2026
- उत्तराखंड दुकान और स्थापन (रोजगार विनियमन और सेवा शर्त) (संशोधन) विधेयक, 2026
- उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1993) (संशोधन) विधेयक, 2026
- उत्तराखंड जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026
- उत्तराखंड जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक, 2026
- उत्तराखंड सार्वजनिक द्यूत रोकथाम, विधेयक, 2026
- उत्तराखंड भाषा संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2026
- उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग (संशोधन) विधेयक, 2026
- उत्तराखंड कारागार व सुधारात्मक सेवाएं (संशोधन) विधेयक, 2026

Holy Child School
27th year in Pursuit of Excellence
[Affiliated to C.B.S.E. (10+2) Delhi
ADMISSION OPEN 2026-27
PRE-NURSERY TO CLASS 9th & 11th (Humanities, Science & Commerce)
SEPARATE A.C. HOSTEL FACILITIES FOR BOYS & GIRLS
TRANSPORT FACILITIES AVAILABLE FOR ALL ROUTES
Excellent Board Result
H.C.S. SPORTS ACADEMY
Powered by:
SPORTSTER, MUMBAI
CRICKET BADMINTON VOLLEYBALL
EXTRA CURRICULAR ACTIVITIES
ROBOTICS ART & CRAFT SWIMMING MUSIC | DANCE
OUR KINDERGARTEN WING (AIR CONDITIONED)
ACTUAL IMAGE OF CLASS ROOMS
PRE-NURSERY NURSERY LKG UKG
INTRODUCED TOY TRAIN FIRST TIME IN THE AREA
NH-87, Bharatpur, Bilaspur, Distt.-Rampur, (U.P.) www.holychildschool.org hcsrudrapur holy_childschool
Mob.: +91 7900855544, +91 9219413613

जिला न्यायालय को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। जिला न्यायालय को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से मंगलवार को न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धमकी भरा ई-मेल मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया और सुरक्षा एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। जानकारी के अनुसार, सोमवार को जिला न्यायाधीश के आधिकारिक ई-मेल पर न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इस सूचना के बाद मंगलवार सुबह पुलिस, खुफिया विभाग, एसडीआरएफ और बम निरोधक दस्ते की संयुक्त टीम न्यायालय परिसर पहुंची और सुरक्षा जांच शुरू की। टीम ने न्यायालय भवन के सभी कोर्ट कक्षों, रिकॉर्ड कक्ष, पार्किंग स्थल और आसपास के सार्वजनिक स्थानों की बारीकी से जांच की। न्यायालय में आने-जाने वाले लोगों की सघन तलाशी ली गई और परिसर में खड़े वाहनों की भी जांच की गई। इसके साथ ही परिसर में अनावश्यक भीड़ एकत्रित न होने देने की अपील की गई तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी गई। सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के बाद यह धमकी भी निराधार पाई गई, हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस के आला अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी वाले मेल के बाद संयुक्त टीम ने न्यायालय परिसर की गहन छानबीन की है। सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही अनावश्यक भीड़ नहीं लगाने और सीसीटीवी की मॉनिटरिंग रखने के निर्देश दिए हैं।

पांच लोगों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्यवाही

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। संगठित गिरोह बनाकर लोगों को भयभीत कर धन उपार्जित करने पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है। वैशाली कालौनी निवासी आशीष चौहान उर्फ पटवारी पुत्र गिरवर सिंह, अमरजीत सिंह पुत्र दरबारा सिंह, ग्राम जलालपुर खालसा थाना डिलारी जिला मुरादाबाद हाल वैशाली कालोनी निवासी विमल कुमार पुत्र महिपाल सिंह, पटेलनगर निवासी गुरुप्रेम सिह पुत्र हरजिन्द्र सिंह व मौहल्ला कानूनगोयान निवासी कुलविन्दर सिह उर्फ जस्सी पुत्र हरभजन सिंह द्वारा अपने एवं अपने गैंग के लिये अनुचित एवं दुनियावी लाभ के लिये संगठित होकर थाना क्षेत्र एवं काशीपुर शहर व आस पास के इलाके में सीधे-सादे लोगों से मारपीट व जान से मारने की धमकी देकर तथा धोखाधड़ी कर अवैध रूप से अपने व अपने परिवार के लिये धनोपार्जन करने के लिये जमीनों की फर्जी सौदेबाजी कर जमीन की कीमत प्राप्त कर उनके पैसे हड़प कर अनुचित तरीके से आर्थिक लाभ प्राप्त किया जाता है। साथ ही ये लोग समाज विरोधी क्रियाकलापों में लिप्त रहते हैं। इसके अतिरिक्त पुलिस की नजर से छुपकर अपराध करते रहते हैं जो समाज के लिए खतरनाक है। इनके इस अपराधिक कृत्य से लोक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। शिकायत करने पर इनके द्वारा लोगों को धमकी दी जाती है। आईटीआई कोतवाली पुलिस द्वारा मजिस्ट्रेट उधम सिंह नगर एवं उच्चाधिकारियों से अनुमोदन प्राप्त कर पांचों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की गई है।

10 दवाओं के नमूने लिए गए

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। औषधि निरीक्षक पूजा रानी ने बागेश्वर के केंद्रीय औषधि भंडार डिपो और मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संदेह के आधार पर 10 दवाओं के नमूने लेकर औषधि विश्लेषणशाला को भेजे गए, ताकि उनकी गुणवत्ता की जांच की जा सके। निरीक्षक ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि दवाओं की गुणवत्ता पर संदेह होने पर तुरंत औषधि प्रशासन को सूचित किया जाए। उन्होंने औषधियों के क्रय बिलों और दस्तावेजों का भी सत्यापन किया, साथ ही उचित रखरखाव, तापमान नियंत्रण और साफ-सफाई पर जोर दिया। पूजा रानी ने कहा कि केंद्रीय औषधि भंडार से मिलने वाली दवाएं गरीबों को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती हैं। वे नियमित रूप से औचक निरीक्षण करके दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित कर रही हैं, ताकि जन स्वास्थ्य की सुरक्षा बनी रहे।

एक नजर

भविष्य की योजनाओं का मजबूत बजट: बाली

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। महापौर दीपक बाली ने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए गए बजट को बेहद ही जनहितकारी बताते हुए कहा है कि यह बजट विकास आत्मनिर्भरता और भविष्य की योजनाओं का मजबूत दस्तावेज है। इसमें आंकड़े नहीं जमीनी हकीकत झलकती है। यह बजट प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला और उत्तराखंड को देश में अग्रणीय बनाने का रोड मैप है जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। इस बजट में देवभूमि की मातृ शक्ति को सशक्त बनाने के पूरे प्रयास किए गए हैं। प्रदेश के युवाओं किसानो और व्यापारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा रखा गया बजट प्रदेश को उन्नति, खुशहाली एवं विकास के नए चरमोत्कर्ष पर पहुंचाने में लाभकारी सिद्ध होगा।

महिला ने जहर खाकर की आत्महत्या

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। अज्ञात कारणों के चलते एक महिला ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उत्तर प्रदेश के जिला रामपुर के ग्राम खजुरिया निवासी कंचन ने 4 मार्च को अपने पति से कहा सुनी होने पर जहर खा लिया था, जिसे काशीपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कंचन ने बीती शाम इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कंचन की शादी करीब 4 वर्ष पूर्व हुई थी, जिसकी एक डेढ़ वर्ष की बच्ची भी है।

कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

काशीपुर। कुंडेश्वरी चौकी पुलिस ने एक युवक को अवैध कच्ची शराब समेत गिरफ्तार किया है। ग्राम जगतपुर निवासी राजेंद्र पुत्र सतनाम को पुलिस ने नूरपुर लक्ष्मीपुर रोड से उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह एक प्लास्टिक के कट्टे में 55 पाउच अवैध कच्ची शराब को लेकर बेचने जा रहा था तभी कुंडेश्वरी पुलिस ने उसे धर दबोचा।

तीन युवकों ने लूटा मोबाइल व पांच हजार रूपये

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। रामनगर से काशीपुर लौट रहे एक युवक से तीन युवकों ने पांच हजार रुपये और मोबाइल फोन लूट लिया। पीड़ित ने साहस दिखाते हुए लोगों की मदद से एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक रविवार सायं मानपुर रोड स्थित बिजलीघर के समीपस्थ निवासी जतिन पुत्र मनोज कुमार रामनगर से ट्रेन से काशीपुर आया था। ट्रेन से उतरने के बाद वह मालगोदाम की ओर अपने घर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में तीन युवकों ने उसे पकड़ लिया और उसकी जेब में रखे पांच हजार रुपये और मोबाइल फोन लूट लिया। घटना के दौरान जतिन ने शोर मचाया और लोगों की मदद से एक आरोपी को पकड़ लिया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

विद्यार्थियों ने किया पारले का औद्योगिक भ्रमण

काशीपुर। सत्येंद्र चंद्र गुड़िया इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड लॉ कॉलेज के विद्यार्थियों ने गत दिवस पंतनगर स्थित विश्वविख्यात पारले बिस्कुट प्राइवेट लिमिटेड का शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण किया। संस्थान की प्राचार्य डॉ. निमिषा अग्रवाल ने बताया कि संस्थान के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर आनंद सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर रितेश कंडारी, सिमरन सेठी कुकरेजा एवं श्रीमती शिप्रा गोयल के नेतृत्व में इस औद्योगिक भ्रमण में संस्थान के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कंपनी की एच.आर. मैनेजर गरिमा करगेती ने छात्रों को प्लांट का भ्रमण कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोडक्शन, मार्केटिंग, सेल्स और पैकेजिंग से जुड़ी प्रक्रियाओं के बारे में समझाया। यह औद्योगिक भ्रमण छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक और व्यावहारिक अनुभव साबित हुआ। यहां बताते चलें कि संस्थान की प्रबंध समिति लगातार विद्यार्थियों को इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण के आयोजन को लगातार तत्पर रहती है। भ्रमण कर लौटे विद्यार्थी काफी उत्साहित है।

पिकअप चालक पर रॉड से हमला

बागेश्वर। गाड़ी हटाने को लेकर हुई कहा सुनी में डंपर चालक ने पिकअप चालक पर लोहे के डंडे से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार हड़बाड़ा क्षेत्र में डंपर चालक व पिकअप चालक के बीच गाड़ी हटाने को लेकर विवाद शुरू हो गया। जिसमें ग्वाड़ निवासी पिकअप चालक 35 वर्षीय महेंद्र सिंह पर डंपर चालक ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में महेंद्र के पांव में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने बीच बचाव करते हुए दोनों को अलग किया। जिसके बाद घायल को जिला अस्पताल लाए। यहां घायल का उपचार चल रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध रूप से वन पंचायत की भूमि से पत्थर निकाले जा रहे है। जिसको अंजाम देने में कई डंपर भूमिका निभा रहे है। उन्होंने अवैध खनन पर रोक लगाए जाने की मांग की है।

नदी में डूबने से 20 वर्षीय युवक की मौत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। कोसी नदी में नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बीएसएनएल की फाइबर लाइन में काम करने वाले तीन युवक मंगलवार को रनमन क्षेत्र के पास कोसी नदी में नहाने के लिए उतरे थे। इसी दौरान धौलछीना क्षेत्र के ऊटिया गांव निवासी 20 वर्षीय गोकुल नेगी अचानक गहरे पानी की तरफ चला गया और डूबने लगा। साथ में मौजूद उसके साथी नीरज बिष्ट और जितेंद्र सिंह भोज ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह पानी में डूब गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद युवक को नदी से बाहर निकाला। जिसके बाद उसे उपचार के लिए राजकीय उप जिला चिकित्सालय सोमेश्वर ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा की कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की असमय मौत से परिवार में शोक की लहर है। सोमेश्वर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मदन मोहन जोशी ने बताया कि मामले की जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

महापौर ने किया 10 सड़कों का शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। महापौर दीपक बाली ने एक ही दिन में दो वार्डों में 2 करोड़ 21 लाख रुपए की लागत से बनने वाली 10 सड़कों का शिलान्यास किया। महापौर दीपक बाली ने वार्ड नंबर 9 खड़कपुर देवीपुरा में ग्रेवाल फॉर्म के पास तीन सड़कों का, विंध्यवासिनी कॉलोनी में चार सड़कों तथा वार्ड नंबर 10 में मेन बाजार से शिव मंदिर तक, न्यू वैशाली कॉलोनी में तीन सड़कों का, वैशाली कॉलोनी में दो स्थानों नाली व सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उपस्थित मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह, पार्षद अंजना आर्य, कुलवंत सिंह, राम सिंह, पार्षद अभिषेक कुमार, अजय कुमार, महापौर प्रतिनिधि चौधरी समरपाल सिंह, बनवारी लाल, शकुंतला, लाजवंती, महेंद्र कुमार, दुर्गेश गुप्ता, राम सिंह, मनोज राय, मयंक पाल, राजीव पाल, अमित कुमार, ज्ञान सिंह, सुरेंद्र सिंह, बलबीर सिंह सहित दर्जनों वार्डवासी उपस्थित थे।

अल्मोड़ा प्रेस क्लब का शपथ ग्रहण समारोह

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में मंगलवार का उत्तराखंड प्रेस क्लब अल्मोड़ा की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान डीएम अंशुल सिंह ने सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रेस क्लब कार्यालय में आयोजित समारोह में डीएम ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि प्रेस समाज और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है तथा जनहित के मुद्दों को सकारात्मक ढंग से सामने लाकर व्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम योगदान देता है। कहा कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य समाज को सही, निष्पक्ष और तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराना है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रेस क्लब अल्मोड़ा की नई कार्यकारिणी पत्रका. रिता के मूल्यों को बनाए रखते हुए समाजहित में कार्य करेगी और जनपद के विकास से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से सामने लाएगी। वहीं, नव निर्वाचित अध्यक्ष जगदीश चंद्र जोशी ने कहा कि प्रेस क्लब अपने दायित्व में खरा उतरने की पूरी कोशिश करेगा। उन्होंने मुख्य अतिथि डीएम अंशुल सिंह का आभार जताते हुए कहा कि युवा एवं ऊर्जावान डीएम के सहयोग से प्रेस क्लब की प्रगति में अपेक्षित गति आएगी। संचालन कार्यालय उपसचिव कपिल मल्होत्रा एवं सचिव अशोक पांडे ने किया।

इन पदाधिकारियों ने ली शपथ

उत्तराखंड प्रेस क्लब अल्मोड़ा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जगदीश चंद्र जोशी, उपाध्यक्ष कमलेश कनवाल, सचिव अशोक पांडे, उप सचिव संस्था, मोहित अधिकारी, उप सचिव कार्यालय कपिल मल्होत्रा, संप्रेक्षक हरीश भंडारी, कोषाध्यक्ष संतोष बिष्ट, विधिक सलाहकार रोहित कार्की, संजय अग्रवाल, सदस्य कार्यकारिणी किशन चंद्र जोशी, हिमांशु लटवाल, शिवराज सिंह कपकोटी ने पद और गोपनीयता की शपथ ली।

डेविड हॉकिंस पंचतत्व में विलीन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। गांधीवादी विचारक डेविड हॉकिंस पंचतत्व में विलीन हो गए। उनकी पुत्री धरा दीपिका ने हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार उन्हें मुखाग्नि दी। सोमवार सुबह लगभग चार बजे 78 वर्षीय डेविड हॉकिंस का निधन हो गया था। मंगलवार को दोपहर लगभग 12 बजे लक्ष्मी आश्रम, कौसानी से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। अंतिम यात्रा में आश्रम की बहनों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी शामिल हुए और उन्हें कंधा दिया। अंतिम यात्रा सरयू-गोमती संगम घाट पहुंची। जहां हिंदू रीति-रिवाज से उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी पुत्री दीपिका ने पिता को मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में धरा दीपिका, नीमा, रमेश, थ्रीस कपूर, नीमा बहन, शोभा बिष्ट, अर्चना बहुगुणा, आशा मेहरा, भुवनलाल साह, संजना बाली आदि शामिल हुए। सभी डेविड की मौत पर गहरा दुख जताया।

संघर्ष समिति ने गांधी पार्क में किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। जिला विकास प्राधिकरण को समाप्त करने की मांग को लेकर मंगलवार को सर्वदलीय संघर्ष समिति ने अल्मोड़ा में साप्ताहिक प्रदर्शन किया। चौघानपाटा स्थित गांधी पार्क में एकत्र हुए सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डीडीए को पहाड़ी क्षेत्रों के लिए अनुपयुक्त बताया। समिति

के सदस्यों ने कहा कि पहाड़ की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखे बिना डीडीए लागू कर दिया गया, जिससे आम लोगों को मकान निर्माण और अन्य कार्यों में अनावश्यक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना था कि प्राधिकरण की प्रक्रिया जटिल होने से लोगों के लिए अपने ही क्षेत्र में निर्माण कार्य करना कठिन हो गया है। सदस्यों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से डीडीए को समाप्त करने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। यहां ललित मोहन पंत, रोबिन मनोज भंडारी, गोविंद, राजेश कुमार, हेम चंद्र तिवारी, प्रताप सिंह सत्याल, हेम चंद्र जोशी, चंद्रमणी भट्ट, भगीरथ पांडे आदि रहे।

सड़क सुरक्षा, राजस्व वसूली पर जोर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए जिलाधिकारी ने ओवर स्पीडिंग और ओवरलोडिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता जताई और सभी उपजिलाधिकारियों, पुलिस विभाग, तथा एआरटीओ को संयुक्त निरीक्षण अभियान चलाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को राजस्व लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए, उन्होंने स्पीड लिमिट बोर्ड और जरूरी साइनेज लगाने की बात की। राजस्व वसूली बढ़ाने के लिए नगर निकायों और जिला पंचायत को प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी को सरकारी योजनाओं के अंतर्गत वितरित खाद्यान्नों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जांच और सैंपलिंग बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा, पुलिस विभाग को अपराधों पर काबू पाने के लिए सख्त कदम उठाने को कहा गया और जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न विभागों को सक्रिय कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी एन एस नबियाल सहित सभी एसडीएम और विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों में लंबित और निस्तारित शिकायतों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतें शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में हैं, इसलिए इनके निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता की समस्याओं का शीघ्र निराकरण हो सके। साथ ही उन्होंने कहा कि कई मामलों में समय पर कार्रवाई न होने

के कारण शिकायतें अनावश्यक रूप से लंबित रहती हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे मामलों में संबंधित विभागों को जिम्मेदारी तय करते हुए त्वरित कार्रवाई करनी होगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय सीमा के भीतर उसका निस्तारण किया जाए। बैठक में एसडीएम सदर संजय कुमार, एसडीएम सौम्या गर्ब्याल सहित अन्य मौजूद रहे।

सरकार की नीतियों के खिलाफ आक्रोश

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। देशव्यापी अभियान के तहत मंगलवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का दल अल्मोड़ा पहुंचा। चौघानपाटा स्थित गांधी पार्क में सदस्यों ने सभा कर केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ आक्रोश

जताया। मंगलवार को हुई सभा में सदस्यों ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था बिगड़ रही है, योजनाओं में भ्रष्टाचार व्याप्त है। बेरोजगारी के कारण पलायन बढ़ रहा है। शिक्षा व स्वास्थ्य की स्थिति बदहाल बनी हुई है। इसके अलावा चार श्रम संहिताओं को तुरंत वापस लेने, मुक्त व्यापार समझौतों को रद्द करने, मनरेगा को बहाल करने, रोजगार के अवसर सृजित करने, आशा, भोजन माता व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्थाई करने, ग्राम प्रहरी व वॉल्व फिल्टरों को न्यूनतम वेतन देने, राज्य में वन भूमि में रह रहे परिवारों को मालिकाना हक देने, देहरादून में कृषि भूमि के अधिग्रहण पर रोक लगाने आदि की मांग की। यहां राजेंद्र सिंह नेगी, पुष्पेंद्र त्यागी, राजेंद्र पुरोहित, सुरेंद्र सिंह साजवान, नितिन मलेरा, पुरुषोत्तम बडोनी, सतीश धौलाखंडी, शैलेन्द्र परमार, अयाज खान, मनमोहन रौतेला, धीरज नेगी, यूसुफ तिवारी, सुनीता पांडे, राधा नेगी, विजय लक्ष्मी, प्रकाश जोशी रहे।

रमज़ान मुबारक

ज़ाहिद कुरैशी
समाजसेवी कालाढूंगी, नैनीताल 9756682163

रमज़ान माह की दिली मुबारकबाद

महमूद हसन बंजारा
प्रदेश महामंत्री
भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा
शाकिर हुसैन (पत्रकार)
नसीम जहां
सभासद, वार्ड 4
नगर पालिका परिषद, कालाढूंगी

रमज़ान मुबारक

सरवर अली
सभासद वार्ड नंबर-03
नगर पालिका कालाढूंगी
जिला नैनीताल
+91 63988 36682

रमज़ान मुबारक

मोहम्मद हसनैन ख़तीबी
(पूर्व उपाध्यक्ष)
उत्तराखण्ड मदरसा बोर्ड
उत्तराखंड सरकार
हल्द्वानी (नैनीताल)
मो. 9719824399

माह-ए-रमज़ान मुबारक

बासित खान
(सदर)
जामा मस्जिद कमेटी
काठगोदाम
जिला - नैनीताल
मो० 9412085347

मून सर्विस प्वाइंट
फ्रिज, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर
रिपेयर एंड स्पेयर पार्ट्स
(एयर कंडीशनर किराये पर उपलब्ध हैं)
Zubair Khan Najeeb Khan
Near-Axis Bank ATM, Church Compound
Nainital Raod Haldwani Mo: 9837036176, 9837314505

रमज़ान माह की दिली मुबारकबाद

इसरार हुसैन
प्रदेश उपाध्यक्ष
भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, उत्तराखण्ड।

रमज़ान मुबारक
जनसेवा एकता कमेटी
अध्यक्ष अलीम खान
उपाध्यक्ष अनवर उर्फ मुन्नू
कार्यालय: बरेली रोड, उजाला नगर, हल्द्वानी
मो. 9837519829

रमज़ान माह की दिली मुबारकबाद

मोकिन सैफी
(विधानसभा अध्यक्ष)
यूथ कांग्रेस, हल्द्वानी-नैनीताल
पार्षद पुत्र वार्ड 33, नगर निगम हल्द्वानी

रमज़ान माह की दिली मुबारकबाद

हाजी नदीम अहमद
पूर्व प्रदेश महासचिव
यूथ कांग्रेस उत्तराखण्ड, कालाढूंगी

सुना, समझा जाएगा महिलाओं का दर्दः सायरा बानो

महिला आयोग आपके द्वार: नैनीताल में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। राज्य सरकार और महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों की रक्षा तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। महिला आयोग उन महिलाओं को जो अपनी शिकायतों को लेकर आयोग तक नहीं पंहुच पाती हैं उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु महिला आयोग उनके द्वार कार्यक्रम के तहत प्रत्येक जनपद में आगामी 13 मार्च तक जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर समस्याओं का निस्तारण कराया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को नैनीताल स्थित राज्य अतिथि गृह सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जनसुनवाई में आयोग के समक्ष कुल 8 प्रकरण प्राप्त हुए। इन शिकायतों में मुख्य रूप से घरेलू हिंसा, महिला

उत्पीड़न, संपत्ति विवाद, सोशल मीडिया के माध्यम से प्रताड़ित किया जाना, घरेलू उत्पीड़न से संबंधित थी सभी शिकायतों को सुनते हुए महिला आयोग की उपाध्यक्ष सायरा बानो ने कहा कि महिला आयोग हमेशा ही महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए खड़ा है।

पीड़ित महिला को अवश्य लाभ व न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज की सुनवाई में जो भी यह आठ प्रकरण प्राप्त हुए हैं वह संबंधित सभी प्रकारण पुलिस विभाग से संबंधित हैं, इस संबंध में उन्होंने पुलिस विभाग को त्वरित जांच करते हुए कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया। उन्होंने कहा कि महिला आयोग का जनता स्तर पर जनसुनवाई कार्यक्रम का उद्देश्य ही महिलाओं का दर्द सुनना है उनकी समस्याओं का समाधान करना है उन्होंने कहा कि महिला आयोग के समक्ष जो भी शिकायत आज प्राप्त हुई हैं उन पर पुलिस विभाग त्वरित जांच करते हुए कार्रवाई करें। कहा कि जिन मामलों में दो पक्ष हैं, दोनों पक्षों को बुलाकर व सुनकर जांच करते हुए त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने महिलाओं से अपील की, कि किसी भी प्रकार की घटना या समस्या की जानकारी निशुल्क दूरभाष नंबर 112 पर दें।

साथ ही गौरा शक्ति ऐप डाउनलोड करने तथा आयोग के दूरभाष नंबर पर भी संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग द्वारा पारिवारिक विवादों के समाधान और महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी 13 जनपदों में 13 मार्च, 2026 तक महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राज्य अतिथि गृह नैनीताल में आयोजित महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में कुल 8 मामलों की सुनवाई हुई, सभी प्रकरणों में पुलिस विभाग की ओर से कार्यवाही होनी थी इस संबंध में पुलिस विभाग को तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया। इस अवसर पर महिला आयोग की सदस्य उर्मिला जोशी, कंचन कश्यप, पुलिस अधीक्षक जगदीश चंद्रा, अपर जिला अधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, उप जिला अधिकारी नवाजिश खालिक, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुलेखा बिष्ट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, महिला आयोग के प्रति. निधि व शिकायतकर्ता उपस्थित रहे।

आपदा से निपटने के लिए अभी से तैयारी करें अधिकारीः डीएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि उत्तराखण्ड शासन के निर्देशानुसार जनपद में प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं सें सम्बन्धी घटनाएं जैसे भूकम्प, बादल फटना, वनाग्नि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बाढ़ की स्थिति, बांध का टूटना, सुरंग का धंसना, बड़े वाहनों की दुर्घटनाएं एवं हेलीकाप्टर क्रैश आदि सम्बन्धित घटनाएं घटित होती हैं। जिससे आम-जनमानस व संशाधनों का भारी नुकसान होता है। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में आपदा से पूर्व की समयपूर्वक तैयारियों तथा आपदा से निपटने हेतु सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान एवं सम्बन्धित विभागों से सामंजस्य एवं समन्वय बनाये जाने के निर्देश दिये हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी ने बताया कि आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित किये जाने हेतु दिनांक 16 एवं 17 मार्च 2026 को जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के

तत्वाधन में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के मॉक अभ्यासों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 16 मार्च को टेबल टॉप एक्साइज एवं मॉक एक्साइज में जनपद मुख्यालय में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तर आईआरएस प्रणाली अन्तर्गत नामित समस्त अधिकारियों एवं समस्त महत्वपूर्ण विभागों/हितधारकों स्ट्रेक होल्डर्स द्वारा जिला कार्यालय स्थित एनआईसी वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में तथा तहसील स्तर पर सम्बन्धित परगना मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में तहसील स्तरीय आईआरएस टीम नामित अधिकारियों के साथ अपने तहसील मुख्यालय स्थित विडियों कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में उक्त कार्यक्रमों में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि 17 मार्च को आपदा पूर्वाभ्यास अभियानों हेतु जनपद के तहसील श्री कैंचीधाम, खनस्यूं, कालाढुंगी, हल्द्वानी तथा नैनीताल में कार्यक्रम आयोजित किये जाएगे। उन्होंने बताया कि पूर्वाभ्यास अभियान अन्तर्गत चिन्हित स्थानों पर स्टेजिंग एरिया-इंसिडेन्ट कामाण्ड केन्द्र, राहत शिविर, चिकित्सा शिविर आदि को चिन्हित करते हुए स्थानीय आईआरटी दलों का गठन, साइट चीफों व टास्क फोर्सो कार्मिक/उपकरण, संसाधनों का गठन सुनिश्चित किया जाए। अपर जिलाधिकारी ने समस्त नोडल अधिकारी को निर्देश दिये है कि जनपद एवं तहसील स्तर सम्बन्धित परगना मजिस्ट्रेट एवं समस्त विभागीय अधिकारी उक्त दिये गये भूकम्प पूर्वाभ्यास कार्यक्रम आपदा टेबल टॉप एक्साइज एवं आपदा मॉक एक्साइज हेतु नियत तिथियों में ससमय प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

नाला डायवर्जन के लिए बजट मिलेगा जल्द

गैरवैशाली क्षेत्र के जलभराव प्रभावित लोगों को मिला आश्वासन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। दमुआढूंगा स्थित बनचौकी से बरसाती नाले के डायवर्जन के शेष कार्य को जल्द शुरू करने के लिए जिला खनिज न्यास निधि से बजट उपलब्ध कराए जाने के सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। शीघ्र ही स्वीकृति आदेश जारी कर दिए जाएंगे।

यह जानकारी प्रभारी जिला खान अधिकारी नवीन सिंह ने गैरवैशाली क्षेत्र के जलभराव से प्रभावितों को दी। बरसात के दौरान उक्त बरसाती नाले के कारण गैरवैशाली क्षेत्र की 16 कालोनियों में गंभीर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे वहां के निवासियों को भयावह स्थिति

का सामना करना पड़ता है। जिला. धिकारी के निर्देश पर नाले के डायवर्जन के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई, और इसके पहले चरण में जिला खनिज न्यास निधि फाउंडेशन मद के तहत 96.24 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई। मंगलवार को देवकीबिहार विकास समिति के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी रमेश चन्द्र पाण्डे ने जिला खनिज न्यास के सदस्य सचिव एवं प्रभारी खान अधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बरसात से पहले नाले के डायवर्जन के शेष कार्य को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय विधायक बंशीधर भगत और जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल द्वारा दिए गए आश्वासन के मद्देनजर शीघ्र बजट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। समिति अध्यक्ष रमेश चन्द्र पाण्डे ने बताया कि 339 मीटर लंबाई के इस कार्य के लिए पहले चरण में स्वीकृत धनराशि से 143 मीटर लंबाई में 2.0, 1.50 मीटर आकार के आरसीसी बॉक्स कल्वर्ट का निर्माण किया जा चुका है। सिंचाई विभाग द्वारा तैयार प्राक्कलन के अनुसार शेष 196 मीटर लंबाई में नाला और डिसिल्टिंग टैंक के निर्माण के लिए 188.30 लाख रुपये के बजट की आवश्यकता है।

नैनीताल में सजेंगी कहानियों की कश्तियां

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल लिटरेचर फेस्टिवल अपने दूसरे संस्करण के साथ एक बार फिर नैनीताल में साहित्य, कला और विच. ारों का उत्सव लेकर लौट रहा है। बता दें पिछले वर्ष आयोजित पहले संस्करण की उल्लेखनीय सफलता और व्यापक

सराहना के बाद सेलिंग विद् स्टोरीज टैगलाइन के साथ यह उत्सव 13 से 15 मार्च 2026 तक कांस्या रिसॉर्ट बाय माउंटेन मैजिक चरखेत में आयोजित किया जाएगा। फेस्टिवल लेखनी फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसके संस्थापक और नि देशक अमिताभ सिंह बघेल हैं जो जिंदल लिटरेचर फेस्टिवल के नि देशक और कोशाला लिटरेचर फेस्टिवल के संस्थापक और पूर्व निदेशक भी हैं। इस उत्सव के मार्गदर्शक प्रसिद्द लेखक, विचारक और फूड क्रिटिक प्रो. पुष्पेश पंत हैं जिनके दिशा-निर्देशन से यह आयोजन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के लेखकों, कलाकारों और चिंतकों को एक मंच पर लाता है। इस उत्सव को साकार करने में फेस्टिवल सलाहकार अपर्णा काण्डा और अंशुखन्ना के निरंतर सहयोग के साथ साथ फेस्टिवल समन्वयक स्वाति दिग्विजय बोरा और लेखनी फाउंडेशन की ट्रस्टी यस्विनी सिंह के सतत प्रयासों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। आयोजन को लेकर नैनीताल में सोमवार को आयोजकों ने पत्रकार वार्ता में विस्तार से जानकारी साझा की। आयोजकों के मुताबिक यह उत्सव निशुल्क और समावेशी है जिसके केंद्र में किताबें हैं और जहां जाने माने लेखक समेत विविध भाषाएँ तथा सिनेमा, संगीत, खाद्य और कार्यशालाओं जैसी विभिन्न विधाएं एक साथ उपस्थित होंगी।

जीवन चंद्र जोशी की प्रेरणादायक कहानी: प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में की सराहना

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हल्द्वानी निवासी 65 वर्षीय जीवन चंद्र जोशी की अद्वितीय कला को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में साझा किया। प्रधानमंत्री ने जोशी की कला की सराहना करते हुए कहा कि उनका जीवन साहस, आत्मनिर्भरता और कला की सच्ची मिसाल है। जीवन चंद्र जोशी हल्द्वानी के कटघरिया क्षेत्र के निवासी हैं, और पोलियो से ग्रसित होने के बावजूद उन्होंने कभी अपनी शारीरिक असमर्थता को अपनी राह का रोड़ा नहीं बनने दिया। जोशी ने पहाड़ी क्षेत्रों में पाए जाने वाले चीड़ के पेड़ की सूखी छाल पर अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन किया है। इस अनूठी कला के लिए जोशी भारत के पहले कलाकार बने हैं, जिन्हें चीड़ की छाल पर कार्य करने के लिए प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने जोशी की कला को न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी सराहा। उनकी कला को बैगेट कला कहा जाता है, जिसमें वे सूखी छाल से सुंदर और जटिल कलाकृतियां बनाते हैं। इस कला के लिए जोशी को राष्ट्रीय और अंत. रराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। जीवन चंद्र जोशी ने बताया कि वे इस कला को सीखने के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान खोलने का सपना देखते हैं, जिसमें वे युवाओं और महिलाओं को इस कौशल से प्रशिक्षित कर सकें। वर्तमान में, उनके पास 15 दिव्यांग और 20 महिलाओं का एक ग्रुप है, जिन्हें वे इस कला में प्रशिक्षण दे रहे हैं। जीवन जोशी का जीवन यह सिखाता है कि कठिनाइयों के बावजूद अगर मेहनत और लगन हो, तो सफलता हासिल की जा सकती है।

वन विभाग का चैक बाउंस, महिला की मौत का मज़ाकः तिवारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ग्राम सभा पनयाली रेंज फतेहपुर में बाघ के हमले में कमला देवी की मौत के बाद पीड़ित परिवार को दी गई सहायता राशि को लेकर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रदेश प्रवक्ता नीरज तिवारी ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि घटना के बाद वन विभाग की ओर से मृतका के परिवार को

कुल 10 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इसमें से 4 लाख रुपये का भुगतान बैंक के माध्यम से कर दिया गया, जबकि शेष 6 लाख रुपये का चेक पीड़ित परिवार को दिया गया था। उन्होंने कहा कि 6 लाख रुपये का चेक बाउंस हो जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और यह विभागीय लापरवाही का स्पष्ट प्रमाण है। जब एक परिवार अपने सदस्य को खोने के गहरे दुख से गुजर रहा हो, ऐसे समय में सहायता के नाम पर दिया गया चेक ही बाउंस हो जाना विभाग की संवे. दनहीनता और गैर-जिम्मेदारी को दर्शाता है। उन्होंने वन विभाग से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग करते हुए कहा कि इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और मृतका के परिवार को बिना देरी के शेष सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए।

डग्गामारी के खिलाफ आरटीओ में जबरदस्त हंगामा

रोडवेज कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर जताया आक्रोश

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अवैध डग्गामारी के खिलाफ रोडवेज कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले कर्मचारियों ने आरटीओ कार्यालय में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने संभागीय परिवहन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अवैध बसों और टैक्सियों के संचालन पर तत्काल रोक लगाने की मांग उठाई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 26 मार्च तक मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो कुमाऊं क्षेत्र के कर्मचारी आरटीओ कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन करेंगे। मंगलवार को संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में संयुक्त परिषद, रोडवेज कर्मचारी यूनियन, ए पलाइज

यूनियन, भारतीय मजदूर संघ और एससी-एसटी श्रमिक संगठन से जुड़े पदाधिकारी व कर्मचारी बड़ी सं या में आरटीओ कार्यालय पहुंचे। कर्मचारियों ने संभागीय परिवहन अधिकारी गुरुदेव सिंह को ज्ञापन सौंपा।

इसके बाद एसपी सिटी मनोज कत्याल के माध्यम से भी प्रशासन को ज्ञापन भेजा गया। कर्मचारियों ने कहा कि हल्द्वानी बस अड्डे के आसपास अवैध रूप से अंतरराज्यीय आनलाइन बसें संचालित हो रही है जो सड़क किनारे से मनमाने ढंग से सवारियां बैठाकर रोडवेज को आर्थिक नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने टैक्सियों का संचालन केवल भोटियापड़ाव टैक्सी स्टैंड से ही करने तथा बस अड्डे के आसपास उनके अवैध जमावड़े पर रोक लगाने की मांग की गई। साथ ही बस अड्डे के सामने सड़क पर खड़े रहने वाले प्राइवेट वाहनों के संचालन को भी बंद कराने की मांग की ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। संभागीय परिवहन अधिकारी और एसपी सिटी ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि अवैध डग्गामारी पर जल्द स त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कमल पपनै, आन सिंह जीना, मुकेश वर्मा, शंकर सिंह, जगदीश कांडपाल, आनंद बिष्ट, नवनीत कपिल, पूरन राम, जगमोहन, ललित पांडे, मनिंदर सिंह, जीवन चंद, तारा जोशी, प्रमोद बर्गली, मो. हसिन, मनोज मनराल, कार्तिक, नवीन बिष्ट, योगेश जोशी, बलराम, सागर रौतेला, प्रकाश संभल, मोहन बोरा, सुमित कुमार, हेमंत गड़िया, संजय संतोष, नवीन इटनी, रचना बिष्ट, हेम गुणवंत, मोहित कुमार, कैलाश कांडपाल, संदीप बिष्ट, अख्तर, आनंद बल्लभ, राहुल रावत, दीपाल सिंह, नवीन लोहनी सहित कई कर्मचारी मौ जूद रहे।

वार्ड 37 में यूसीसी पंजीकरण शिविर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नगर निगम के वार्ड नंबर 37 में युवा भाजपा नेता हृदयेश कुमार और उनकी माता पार्षद विद्या देवी के नेतृत्व में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में यूसीसी विवाह पंजीकरण की सुविधा

प्रदान की गई, जिससे स्थानीय नागरिकों को विवाह पंजीकरण में सहूलियत मिली। इसके अलावा, आईडीबीआई बैंक द्वारा क्षेत्रवासियों के लिए निशुल्क जीरो बैलेंस खाता खोलने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस शिविर में आयुष्मान कार्ड का वितरण भी किया गया, जिससे क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ। शिविर में स्थानीय निवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इन सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाया। यह पहल शासन की योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

स्मैक की तस्करी में एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बनभूलपुरा क्षेत्र में अवैध स्मैक की तस्करी करते हुए पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार प्रभारी निरीक्षक बनभूलपुरा दिनेश सिंह फर्त्याल के नेतृत्व में नशे के सौदागरों को गिरफ्तार करने व नशे की प्रवृति पर रोकथाम लगाने के लिए पुलिस टीम बनभूलपुरा क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इस दौरान रिजवान अंसारी उर्फ मंत्री पुत्र वसरूद्दीन अंसारी निवासी मोहम्मदी मस्जिद के बराबर गली इंदिरानगर कोतवाली बनभूलपुरा को 32.13 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गोसिया मस्जिद के पीछे गली इंदिरानगर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

लेजेंड्स लीग क्रिकेट का रोमांच आज से

गौलापार स्टेडियम में तीन मैचों में पिच पर नज़र आएंगे कई दिग्गज खिलाड़ी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम गौलापार में कल (आज) से लेजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) टी-20 का रोमांच शुरू होगा। पहला मुकाबला शाम सात बजे से खेला जाएगा।

इस टूर्नामेंट में दुनिया भर के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर मैदान में उतरकर चौके-छक्कों की बरसात करते नजर आएंगे। लीग में चार टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें मुंबई स्पार्टन्स, इंडिया कैप्टन्स, रॉयल राइडर्स पंजाब और इंडिया टाइगर्स शामिल हैं। आयोजन को लेकर स्टेडियम में तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। पिच और मैदान को अंतिम रूप दिया जा रहा

है, वहीं लाइव प्रसारण के लिए कैमरे लगाए गए हैं और खिलाड़ियों के पोस्टर भी स्टेडियम में लगाए गए हैं। लेजेंड्स लीग क्रिकेट के सह-संस्थापक रमन रहेज ने कहा लेजेंड्स लीग क्रिकेट को हल्द्वानी में लाना हमारे लिए एक खास पल है। गौलापार स्टेडियम में आज, कल और 14 मार्च को तीन हाई-प्रोफाइल मुकाबले खेले जाएंगे। इन मैचों में सुरेश रैना, एस. श्रीसंत, इरफान पठान, कार्लोस ब्रैथवेट, थिसारा परेरा, हाशिम अमला, लाहिरू थिरिमाने, इकबाल अब्दुल्ला, समित पटेल, तिलकरत्ने दिलशान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायडू, शादाब जकाती, कुलदीप हुडा और असगर अफगान, चेतेश्वर पुजारा जैसे दिग्गज खिलाड़ी मैदान में नजर आएंगे। आयोजकों के मुताबिक इस लीग में 11 देशों के क्रिकेट लेजेंड्स भाग ले रहे हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण के बाद देश के चार अन्य शहरों में भी मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। लीग का प्रसारण दुनिया के 100 से अधिक देशों में किया जाएगा, जबकि भारत में 13 चौनलों पर 11 भाषाओं में इसका सीधा प्रसारण होगा।

एमबीपीजी में होगी एसटीईएम लैब की स्थापना

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज में छात्र-छात्राओं को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमैटिक्स (एसटीईएम) लैब स्थापित की जा रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. एनएस बनकोटी ने बताया कि यह लैब विशेष रूप से कालेज के विद्यार्थियों के लिए विक. सित की जा रही है, जिससे उन्हें आधुनिक तकनीकी ज्ञान और प्रयोगात्मक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत बीएससी (बायो) व बीएससी (मैथ्स) द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थियों को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। महाविद्यालय के करियर काउंसलिंग सेल के संयोजक डा. नवल किशोर लोहनी ने बताया कि इच्छुक छात्र-छात्राओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

क्रिकेटः जीएनजी ने एचसीसी को 86 रनों से हराकर जीता खिताब

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित सीनियर पुरुष वर्ग की जिला क्रिकेट लीग के फाइनल मुक. ाबले में जीएनजी ने एचसीसी को 86 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। मंगलवार को जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में टॉस जीतकर एचसीसी ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जीएनजी की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 376 रन बनाए। टीम की ओर से लक्ष्य राय चंदानी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 136 गेंदों में 8 छक्कों और 22 चौकों की मदद से 193 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एचसीसी की टीम 44वें ओवर में 290 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सौरभ रावत ने 146 रन, परितोष राणा ने 47 और दीक्षांशु

नेगी ने 36 रन बनाए। शानदार प्रदर्शन के लिए लक्ष्य राय चंदानी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी मिला। वहीं गौरव अधिकारी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज घोषित किया गया। मुख्य अतिथि मेयर गजराज बिष्ट, विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता प्रदीप बिष्ट ने विजेता व उपविजेता टीम को पुरस्कार वितरित किए। इस दौरान कमल पपनै, आनंद बिष्ट, नरेंद्र अधिकारी, जगमोहन बगड़वाल, संजय चौधरी, लीला कांडपाल, किशन अनेरिया, विजय कुकसाल, त्रिलोक जीना, मो. रेहान, करन बिष्ट, गजेंद्र सिंह रावत, अमित कांडपाल, मनोज भट्ट, नवीन टम्टा, अमरपाल सिंह, योगेश चौहान, पंकज गुरुरानी, दान सिंह भंडारी, अभिषेक सिंह, नीरज डसीला, विक्रम बोरा, सुरेंद्र कपकोटी, जितेंद्र सिंह, बीएल साह, नंदन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

प्रमाण पत्र न मिलने पर आंदोलनकारी खफा

बागेश्वर। कांडा में चिह्नित राज्य आंदोलनकारियों ने प्रमाण पत्र नहीं मिलने पर कड़ी आपत्ति जताई है। मंगलवार को नाराज आंदोलनकारियों ने कालिका मंदिर में धरना प्रदर्शन किया। यहां हुई सभा में सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। वक्ताओं ने कहा कि तहसील के 83 आंदोलकारी चिह्नित हैं, लेकिन उन्हें आज तक प्रमाण पत्र नहीं दिया गया है, जबकि उन्होंने आंदोलनकारी होने के सभी साक्ष प्रशासन को सौंपे हैं। उन्हें हर बार आश्वासन तो दिया जाता है, लेकिन सम्मान आज तक नहीं मिला है। इस कारण अब वह खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। चेतावनी दी कि यदि जल्द मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में अध्यक्ष बंशीधर कांडपाल, जितेंद्र वर्मा, हरीश कांडपाल, गंगा लाल वर्मा, किशोरी वर्मा, अशोक जोशी, देवेंद्र पांडे, सुरेंद्र माजिला, देवीदत्त पांडेय, कैप्टन रघुवीर माजिला रहे।

गैस की कालाबाज़ारी रोकने के लिए प्रशासन ने कसी कमर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। घरेलू गैस (एलपीजी) सिलेंडरों की कालाबाजारी की शिकायतों के संबंध में जिलाधिक. ारी के निर्देशों के तहत मंगलवार को तहसील परिसर के एनआईसी कक्ष में अपर जिलाधिकारी प्रशासन विवेक राय की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में जिले में गैस की कोई किल्लत नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गैस की पर्याप्त आपूर्ति की जा रही है और मांग के अनुरूप गैस कंपनियों द्वारा सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है। कालाबाजारी को रोकने के लिए उन्होंने सभी गैस वितरकों (आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल), एरिया प्रबंधकों, नगर मजिस्ट्रेट, उपजिलाधिकारी हल्द्वानी और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को नियमित चेकिंग अभियान चलाने और कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि गैस का वितरण केवल डीएससी कोड नंबर और ओटीपी के आधार पर किया जाए। इसके अलावा उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि गैस सिलेंडर की आपूर्ति 25 दिनों के अंतराल पर सुनिश्चित की जाए और उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर का स्टॉक नहीं करना चाहिए। उन्होंने घट तोली और रिफिलिंग पर विशेष ध्यान देने की बात कही और सभी गोदामों का निरीक्षण कर स्टॉक का मिलान कराने को कहा। इस संबंध में उप जिलाधिकारी और पूर्ति विभाग के अधिकारियों को लगातार चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया। नगर मजिस्ट्रेट हल्द्वानी को भी नगर क्षेत्र में गोदामों का निरीक्षण कर स्टॉक का मिलान करने के लिए कहा गया। अपर जिलाधिकारी ने आम जनता से अपील की कि रसोई गैस की कोई कमी नहीं है और गैस कंपनियां पर्याप्त संख्या में घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध करा रही हैं, इसलिए लोग परेशान न हों। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट हल्द्वानी एपी बाजपेई, महाप्रबंधक केएमवीएन विजय नाथ शुक्ल, जिला पूर्ति अधिकारी मनोज बर्मन, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक और गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में 14 मार्च, 2026 द्वितीय शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेन्द्र कुमार सागर ने बताया कि उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊधम सिंह नगर द्वारा जनपद में 14 मार्च 2026 (द्वितीय शनिवार) को प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक रुद्रपुर स्थित जिला न्यायालय सहित वाह्य स्थित दीवानी न्यायालयों काशीपुर, खटीमा, बाजपुर, जसपुर, सितारगंज एवं किच्छा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

नाबालिग से छेड़छाड़ मामले में नहीं हुई कार्रवाई, फूटा गुस्सा

■ पूर्व विधायक ठुकराल के नेतृत्व में रम्पुरा के लोगों का एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। रम्पुरा क्षेत्र में होली के दिन पार्षद के पुत्र द्वारा नाबालिग छात्र के साथ कथित छेड़छाड़ और विरोध करने पर घर में घुसकर की गयी मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से आक्रोशित पीड़ित परिवार ने मंगलवार को पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के नेतृत्व में एसएसपी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शनकारियों ने वार्ड 23 मोहल्ला रम्पुरा निवासी राजीव कोली की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए गये प्रार्थना पत्र में बताया कि 4 मार्च को जब वह घर पर नहीं थे, तब पड़ोस में रहने वाले अंकित, रिंकू, लालता और उनके 4-5 साथियों ने 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथ गली में छेड़खानी की। लड़की ने भागकर घर में अपनी जान बचाई, तो दबंगों ने घर के अंदर घुसकर बेटी के साथ बदतमीजी की और उसके कपड़े फाड़ दिए। बीच-बचाव करने आई उसकी मां, दादी और 11 वर्षीय छोटी बहन को भी बेल्टों, लात-घूसों और डंडों से बुरी

तरह पीटा। इस हमले में परिवार के कई सदस्यों को गंभीर चोटें आई है। इस दौरान पूर्व विधायक ठुकराल ने आरोप लगाया कि हमलावर पक्ष भाजपा पार्षद का परिवार है, जिसके चलते पुलिस सत्ता के दबाव में कार्रवाई करने से बच रही है। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि रम्पुरा जैसी घनी बस्ती में दिन-दहाड़े एक परिवार की बेटियों और महिलाओं के साथ ऐसी दरिंदगी होना और फिर रसूख के चलते पुलिस का मौन रहना बेहद शर्मनाक है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई और पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी अजय गणपति ने पीड़ित पक्ष और पूर्व विधायक को निष्पक्ष जांच और जल्द ही दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने मामले में तुरंत कोतवाल को कार्यवाही के आदेश भी दिये। प्रदर्शन करने वालों में अजय नारायण सिंह, चन्द्रपाल कोली, दिनेश कोली, राम सेवक कोली, आशीष श्रीवास्तव, ललित सिंह बिष्ट, राजीव कोली, सोनम कोली, देश राज कोली, गब्बर कोली, दानवीर कोली, रेखा, आशा कोली, रजनी कोली, संतोष कोली, चन्द्रवती कोली, गुड्डो देवी, रेखा कोली, माया देवी, कमला देवी, शोभा कोली, राजवती कोली, हरदेई कोली, ओमप्रकाश कोली, प्रेम शंकर कोली, सुभाष कोली, राजा राम कोली, लक्ष्मण कोली, विजय रानी, श्रवण कोली, रामकुमार, अनुज कोली, बब्बू कोली, निहाल सिंह, आकाश कोली आदि मौजूद रहे।

एक नजर

भानु प्रताप पब्लिक स्कूल के स्टूडेंट्स ने सिल्वरजोन मैथ्स ओलंपियाड में चमक बिखेरी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। भानु प्रताप पब्लिक स्कूल के स्टूडेंट्स ने सिल्वरजोन फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा ऑर्गनाइज किए गए मैथ्स ओलंपियाड 2025-26 में बहुत अच्छा परफॉर्म करके स्कूल का नाम रोशन किया। यह ओलंपियाड क्लास 1st, 2nd और 3तक के स्टूडेंट्स के लिए ऑर्गनाइज किया गया था ताकि छोटे स्टूडेंट्स में लॉजिकल थिंकिंग और मैथमेटिकल स्किल्स को बढ़ावा दिया जा सके।

स्कूल के लिए गर्व का एक खास पल तब आया जब क्लास 1st की कनिष्का राठौर ने कॉम्पिटिशन में गोल्ड मेडल ऑफ एक्सीलेंस (टॉपर) हासिल करके शानदार सफलता हासिल की। इस शानदार अचीवमेंट के साथ, क्लास 2nd और 3 तक के कई स्टूडेंट्स ने भी बहुत अच्छा परफॉर्म किया और उनके नाम मैथ्स ओलंपियाड 2025-26 की कंसोलिडेटेड रिजल्ट रिपोर्ट में शामिल किए गए। सफल स्टूडेंट्स में पर्णिका गंगवार, अयान सिंह बिष्ट, तमन्ना, प्रियांशु, ध्रुव, ऋषभ, दिव्या, आरव, प्रियांशी, आरुष, वेदांत और अग्रिता शामिल हैं। स्कूल के प्रिंसिपल और टीचर्स ने सभी पार्टिसिपेंट्स को उनकी लगन और बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए बधाई दी।

सोशल मीडिया पर तमंचा लहराकर फोटो डालने वाला युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंह नगर द्वारा जनपद में अवैध शस्त्रें और मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत कोतवाली रुद्रपुर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो वायरल करने वाले एक युवक को अवैध तमंचे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधीक्षक नगर रुद्रपुर और क्षेत्रधिकारी रुद्रपुर के दिशा-निर्देशों पर कोतवाली पुलिस और भगवाड़ा चौकी की टीम अवैध हथियारों की धरपकड़ हेतु निरंतर चेकिंग अभियान चला रही है। इसी क्रम में 09 मार्च 2026 को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए बृजेश यादव पुत्र जीतेन्द्र यादव, निवासी भगवाड़ा भाटा, थाना रुद्रपुर को गिरफ्तार किया। 22 वर्षीय आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अदद तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि आरोपी बृजेश यादव ने होली के दौरान तमंचा लहराते हुए अपनी फोटो सोशल मीडिया पर प्रसारित की थी, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन रहा था। पुलिस ने फोटो का संज्ञान लेते हुए आरोपी को चिह्नित किया और शस्त्र की बरामदगी के आधार पर उसे दबोच लिया। थाना रूद्रपुर में आरोपी के विरुद्ध धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस अब आरोपी के पुराने आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। कार्यवाही को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक सुरेंद्र रिंगवाल, उपनिरीक्षक मोहन जोशी, कांस्टेबल ललित कुमार और कांस्टेबल दिलीप कुमार शामिल रहे।

8000 किलो लहन नष्ट, 80 लीटर कच्ची शराब बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। विशेष सघन प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी आयुक्त के आदेश तथा संयुक्त आबकारी आयुक्त कुमाऊं मंडल एवं जिला आबकारी अधिकारी उधम सिंह नगर के निर्देश पर मंगलवार को अवैध मादक द्रव्यों के निर्माण, बिक्री और भंडारण के अड्डों के समूल विनिष्टीकरण हेतु संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई की गई।

अभियान के अंतर्गत अपराध निरोध क्षेत्र-4 बाजपुर की टीम ने ग्राम बन्नाखेड़ा, इटव्वा एवं गजरौला में संयुक्त दबिश दी। दबिश के दौरान नाले के किनारे संचालित अवैध शराब निर्माण स्थलों पर बनी तीन भट्टियों को ध्वस्त किया गया तथा लगभग

8000 किलोग्राम लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इसके अतिरिक्त 80 लीटर कच्ची शराब भी बरामद की गई। इस मामले में आबकारी अधिनियम की धारा 60 के अंतर्गत 2 अभियोग पंजीकृत किए गए हैं।

कार्रवाई में आबकारी निरीक्षक महेंद्र सिंह बिष्ट (क्षेत्र-04 बाजपुर), दिवाकर चौधरी (क्षेत्र-03 काशीपुर), प्रवर्तन दल उधम सिंह नगर के साथ प्रधान आबकारी सिपाही पवन कुमार कम्बोज, कैलाश भट्ट तथा आबकारी सिपाही कृष्णा आर्य, बलजीत सिंह, वंदना घिल्डियाल, अर्चना यादव और रेनुका बोरा शामिल रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। बीएसवी कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनएसएस) के सात दिवसीय शिविर (दिन-रात) का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर सर्वप्रथम एनएसएस की छात्राओं ने मां सरस्वती की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की। छात्राओं ने एनएसएस का लक्ष्य गीत गाया, तथा सभी ने मिलकर समूहगान गाया। एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डा. गीता जोशी ने एनएसएस से होने वाले लाभों के बारे में बताया तथा इसके उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाला। प्राचार्या अर्चना अग्रवाल ने बताया कि इस सात दिवसीय एनएसएस

(दिन-रात) के शिविर से हमें एक साथ मिलकर रहने, सामूहिक रूप से साथ-साथ रहना, खाना, समाज में फैली कुरीतियों को भी दूर करना इसका उद्देश्य है। तदोपरान्त चयनित ग्राम सूरजपुर में एक जागरूकता रैली निकाली। इस अवसर में डा. गीता जोशी, प्राचार्या अर्चना अग्रवाल, शिवानी पुष्पक, डा. नीरज, लवप्रीत, श्वेता, सुषमा त्यागी, डा. कुर्रातुल, पुष्पेन्द्र, राकेश शर्मा, गौरव, सलोनी, अपूर्वा, मुस्कान, नाजिश आदि उपस्थित रहे।

खाली कराई गई जमीन पर नहीं होगी नमाजः महापौर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। खेड़ा में अतिक्रमण मुक्त कराई गई ईदगाह की जमीन पर नमाज पढ़ने की अनुमति देने के लिए मुस्लिम समाज द्वारा उठाई जा रही मांग पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए महापौर विकास शर्मा ने मीडिया को जारी बयान में कहा कि ईदगाह की आड़ में कब्जाई गई भूमि को माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर खाली कराया गया था। यहां पर दोबारा नमाज के लिए भूमि देना संभव नहीं है।

विकास शर्मा ने कहा कि जो भी वहां नमाज पढ़ना चाहते हैं उन्हें अलग से वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। महापौर ने कहा कि जो लोग जहां-जहां रहते हैं वो वहां अपनी मस्जिदों में ही नमाज अदा करें तो बेहतर होगा। जहां तक ईदगाह की बात है तो वहां पर अलग-अलग शिफ्ट में भी नमाज अदा की जा सकती है। महापौर ने कहा कि अगर नमाज के लिए जगह देंगे तो कल को कोई अन्य धार्मिक आयोजनों के लिए भी जगह की मांग करेगा। लिहाजा सभी को नगर निगम द्वारा जगह दिया जाना संभव नहीं है।

पुलिस ने गुरुद्वारा सिंह सभा में हुई चोरी का किया खुलासा

■ चोरी के सामान के साथ दो आरोपी दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। गुरुद्वारा सिंह सभा बाजपुर में हुई चोरी की घटना का कोतवाली बाजपुर पुलिस ने महज 4 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

नौ मार्च को गुरुद्वारा सिंह सभा बाजपुर के सचिव अवतार सिंह पुत्र रतन सिंह निवासी टांडा रतीभान, थाना केलाखेड़ा ने कोतवाली बाजपुर में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीती रात अज्ञात चोरों द्वारा गुरुद्वारे से एक स्टेबलाइजर और दो पत्थर काटने की मशीन चोरी कर ली गई है। इस संबंध में कोतवाली बाजपुर में मुकदमा अपराध संख्या 85/2026 धारा 305 (।) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक प्रहलाद सिंह को सौंपी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधम सिंह नगर के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने पुलिस अधीक्षक काशीपुर, पुलिस उपाधीक्षक बाजपुर और प्रभारी निरीक्षक के निर्देशन में करीब 25 से 30 सीसीटीवी कैमरों की जांच तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी कुलविंदर सिंह उर्फ विक्की पुत्र सुरेंद्र सिंह और रंजीत सिंह पुत्र राम सिंह निवासी केशव नगर थाना बाजपुर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किया गया स्टेबलाइजर और दो पत्थर काटने वाली मशीन बरामद कर ली गई। मामले में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी भी की गई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रहलाद सिंह, कांस्टेबल मोहम्मद इरफान और हरीश जोशी शामिल रहे।

सिक्स सिग्मा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष कार्यक्रम का विषय 'देने से प्राप्ति' रहा, जिसका उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और जागरूकता का संदेश देना था।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में रुद्रपुर से डा. पल्लवी शर्मा (त्वचा रोग विशेषज्ञ) एवं डा. अनीता महाजन (महिला एवं बाल रोग विशेषज्ञ) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की निदेशिका डॉ. सीमा अरोरा, मुख्य अतिथियों, संस्थान की महिला समिति अध्यक्ष डॉ. सुप्रीत कौर, डॉ. अक्षिता बांगा, दीपिका देउपा तथा अन्य शिक्षिकाओं द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 छात्र उपस्थित रहे। इस अवसर पर डा. पल्लवी शर्मा ने छात्राओं को त्वचा से संबंधित विभिन्न रोगों के कारण, उनके उपचार तथा बालों की देखभाल से जुड़े महत्वपूर्ण उपाय बताए। वहीं डॉ. अनीता महाजन ने छात्राओं को महिलाओं में होने वाली विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक किया। संस्थान की निदेशिका डॉ. सीमा अरोरा ने छात्राओं को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी संतुलित रखने के लिए ध्यान और सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर हेयर स्टाइल प्रतियोगिता और स्लोगन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। हेयर स्टाइल प्रतियोगिता में खुशी, महक सैफी और निकिता विश्वास ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि स्लोगन प्रतियोगिता में महक सैफी, मीनाक्षी पंत और दिशा भंडारी ने सफलता प्राप्त की। कार्यक्रम में संस्थान की गीता आर्या, शिल्पा विश्वकर्मा, हिमानी सामंत, नेहा मण्डल, नीता कोरंगा, कल्पना विष्ट, हिमांशी लोहनी, अंकिता पंवार, दीपिका नेगी, नेहा सागर, स्वेता रावत, स्वाति रखोलिया, बविता यादव, पूजा रानी, समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

अवैध खनन करते चार डंपर व एक बाइक को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। तराई पश्चिमी वन प्रभाग रामनगर डीएफओ प्रकाश चंद्र आर्य के निर्देशन, एसडीओ किरण शाह व रेंजर सुरक्षा बल के नेतृत्व में वन सुरक्षा बल और रामनगर रेंज की टीम ने कोसी नदी क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया गया।

एसडीओ किरण शाह ने बताया कि इस दौरान अभियान में लंबी घाट से एक डंपर को अवैध खनन करते पकड़ा, राजकीय वाहन की रेकी करते एक फील्डर की बाइक और बंजारी बंद क्षेत्र से दो डंपरों को अवैध खनन करते पकड़ा, 01 डंपर व 01 बाइक को गुलजारपुर चौकी परिसर में व 02 डंपरों को कटिया पुल चौकी परिसर में सुरक्षित खडा किया गया। उन्होंने बताया कि कालु सिद्ध क्षेत्र से एक डंपर को अवैध खनन करते पकड़ा जिसे पापड़ी चौकी में खड़ा किया गया। साथ ही अवैध खनन कर रहे चार ट्रॉलियों को छोड़कर आरोपी भाग गए उनके टायरों को बष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कुल 04 डंपर व 01 फील्डर की बाइक को पकड़ा है। बताया कि अवैध खनन के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। इस दौरान टीम में वीरेंद्र परिहार, अजमत खान, मनमोहन सिंह, अजय कुमार, तेजपाल, गंगा सिंह, आमिर खान, मनोज तिवारी, सुंदर आदि मौजूद रहे।

कच्ची शराब के खिलाफ बड़ी कार्यवाही

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार व संयुक्त आबकारी आयुक्त कुमायूँ मंडल, हल्द्वानी व जिला आबकारी अधिकारी ऊधम सिंहनगर महेन्द्र सिंह बिष्ट के निर्देश पर अवैध मादक द्रव्यों के निर्माण, बिक्री, भंडारण के अड्डों के समूल विनिष्टिकरण के क्रम में प्रवर्तन अभियान के तहत अपराध निरोधक क्षेत्र-2 खटीमा टीम द्वारा सितारगंज क्षेत्रान्तर्गत बसगर गांव के पास नाले पर दबिश देकर चलती हुयी 02 भट्टियों को नष्ट किया गया तथा आसपास की तलाशी लेने पर लगभग 90 लीटर कच्ची शराब बरामद की गयी एवं मौके पर 3800 किलोग्राम लहन को समूल नष्ट किया गया। टीम में आबकारी निरीक्षक बृजेश नारायण जोशी, उप आबकारी निरीक्षक जगदीश कुमार, प्रधान आबकारी सिपाही नितेश भारद्वाज, सिपाही दीपक चंद्र, पंकज जोशी आदि लोग मौजूद रहे।

मण्डलायुक्त ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

■ लंबित प्रकरणों और विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। आयुक्त कुमाऊं मण्डल/अध्यक्ष जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण दीपक रावत ने जिला विकास प्राधिकरण कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, लंबित प्रकरणों और विकास कार्यों की समीक्षा की।

मण्डलायुक्त श्री रावत ने प्राधिकरण में दर्ज विभिन्न वादों की स्थिति जांची व जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत निनियमित क्षेत्र से सम्बन्धित पत्रावलियों का आवलोकन किया व अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवेदनो व पुराने वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानी न हो। भवन मानचित्रों की स्वीकृति प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए उन्होंने ई-मानचित्र प्रणाली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर ही मानचित्रों पर निर्णय लिया जाए। प्राधिकरण की वित्तीय स्थिति और राजस्व वसूली का संज्ञान लेते हुए उन्होंने वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों को

समय से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत मण्डलायुक्त श्री रावत ने कलेक्ट्रेट परिसर में 17.71 करोड़ की धनराशि से निर्माणाधीन जिला विकास प्राधिकरण कार्यालय भवन का निरीक्षण। उन्होंने चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने व कार्यालय भवन का कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश कार्यदायी संस्था को दिए।

इसके उन्होंने एनएच- 87 डीडी चौक से त्रिशूल चौक तक सड़क चौड़ीकरण कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था को कार्य में गति लाने व यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण जय किशन, सचिव पंकज उपाध्याय, पुलिस अधीक्षक क्राइम जितेन्द्र चौधरी, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, उप जिलाधिकारी ऋचा सिंह, अभय प्रताप सिंह, गौरव पाण्डेय, रविन्द्र जुआठा, अधीक्षण अभियंता लोनिवि अनिल पांगती, अधिशासी अभियंता गजेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियंता प्राधिकरण नरेन्द्र नवानी, जल संस्थान तरूण शर्मा आदि मौजूद थे।

संबन्ध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र अमन प्रजापति एवं पुत्रवधु सपना प्रजापति को घर में कलेश करने और मेरा कहना न मानने व मेरे साथ दुर्व्यवहार करने के कारण मैं अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर संबन्ध विच्छेद रही हूं। मेरे पुत्र अमन प्रजापति एवं पुत्रवधु सपना प्रजापति के किसी भी कृत्य या लेन-देन का मेरा या मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा।

बसंती प्रजापति पत्नी स्व. श्री नत्थन प्रजापति निवासी- वार्ड नं.-5 मुखर्जीनगर, जगतपुरा, रुद्रपुर, उधमसिंह नगर

कार्यालय नगर पालिका परिषद, गदरपुर, ऊधम सिंह नगर

पत्रांकः-869/नामा०सूचना/2025-26 दिनांकः-09/03/2016

नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गृहकर अभिलेखानुसार वार्ड नं.-06 क्रमांक 473 पर श्रीमती रेनु माटा पत्नी श्री योगेश कुमार माटा का नाम अंकित है, जिसका गृहकर 940 रु० वार्षिक है। रजिस्टर्ड बिक्रीनामें के आधार पर गृहकर अभिलेखों में श्रीमती शमा रानी पत्नी श्री विजय कालड़ा निवासी वार्ड नं. 07, गदरपुर जिला ऊधम सिंह नगर ने अपने नाम से पत्रावली प्रस्तुत कर गृहकर नामान्तरण कराने के लिये अनुरोध किया गया है, जो कि प्रस्तावित है। उपरोक्तानुसार नामान्तरण करने पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 30 दिन के भीतर अपनी लिखित आपत्ति पालिका कार्यालय में मय साक्ष्यों सहित प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। विवाद की दशा में नामान्तरण स्वतः निरस्त समझा जायेगा, तथा सक्षम न्यायालय का आदेश मान्य होगा।

अधिशासी अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका परिषद, गदरपुर, ऊधम सिंह नगर

पत्रांकः-870/नामा० सूचना/2025-20 दिनांक-9/3/2026

नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गृहकर अभिलेखानुसार वार्ड नं.-09 क्रमांक 173 पर श्री शाकिर अली पुत्र श्री फद्दन का नाम अंकित है, जिसका गृहकर 80 रू० वार्षिक है। इकरारनामा बिक्रीनामें के आधार पर गृहकर अभिलेखों में श्रीमती गुलफशा पत्नी श्री नदीम निवासी वार्ड नं. 09, इस्लामनगर गदरपुर, ऊधम सिंह नगर के जरिये अपने नाम से पत्रावली प्रस्तुत कर गृहकर नामान्तरण कराने के लिये अनुरोध किया गया है, जो कि प्रस्तावित है। उपरोक्तानुसार नामान्तरण करने पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 30 दिन के भीतर अपनी लिखित आपत्ति पालिका कार्यालय में मय साक्ष्यों सहित प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। विवाद की दशा में नामान्तरण स्वतः निरस्त समझा जायेगा, तथा सक्षम न्यायालय का आदेश मान्य होगा।

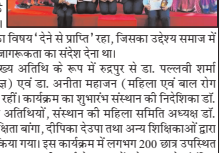

अधिशासी अधिकारी

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारी फर्म मैसर्स NATURAL HERBALS AND SEEDS, REGISTERED OFFICE AT-PREMISES OF CONTINENTAL SEEDS AND CHEMICALS LIMITED, RAM-RAJ, BAZPUR, UDHAM SINGH NAGAR जो कि उपनिबन्धक कार्यालय, फर्म्स, सोसाईटीज एवं चिट्स, रुद्रपुर जिला उधम सिंह नगर के कार्यालय मे पत्रावली संख्या-UKFIRM5001120008617 के द्वारा पंजीकृत है, उक्त फर्म की दिनांक-02.10.2020 को निष्पादित साझीदारी अनुबन्ध पत्र मे दो साझीदार क्रमशः 1. प्रवीन रस्तोगी, 2. नेहा रस्तोगी थे, तथा अब साझीदारों द्वारा दिनांक 09.03.2026 को रिकन्सटीट्यूशन डीड (RECONSTITUTION DEED) निष्पादित कर फर्म की पूर्व साझीदार नेहा रस्तोगी पुत्री श्री राजेन्द्र कुमार निवासी-साहनी वाला फाटक के पास, कोट पूर्वी, संभल, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक-09.03.2026 को साझीदारी समाप्त कर ली है, तथा उनके स्थान पर श्रीमती अंजु देवी पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार निवासी संतोषी मंदिर के पास, नारायण टोला, बहजोई देहात, बहजोई, संभल को दिनांक-09.03.2026 से नया साझीदार बनाया है, तथा अब हमारी फर्म मे केवल दो साझीदार 1. प्रवीन रस्तोगी पुत्र श्री राधे श्याम रस्तोगी तथा 2. श्रीमती अंजु देवी पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार हो गये हैं।

(प्रवीन रस्तोगी पुत्र श्री राधे श्याम रस्तोगी)
निवासी-मकान नं.-760, कोट पूर्वी, सम्भल, हाल निवासी-एम.-73बी, प्रथम तल, निकट ए.पी.जे.पब्लिक स्कूल, मालवीय नगर, दक्षिणी दिल्ली-110017

युवा आकांशा कार्यक्रम आज

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ज्येष्ठ उप ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी ने कहा कि उनके द्वारा बुधवार को प्रगतिशील सांस्कृतिक परिषद पैठ पड़ाव रामनगर में युवा आकांशा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले युवाओं को भविष्य की राजनीति में आगे बढ़ने के लिए मंथन किया जायेगा। युवा साथी इस मंच पर अपनी राय व सुझाव दे सकते है। साथ ही उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अपना युवा दौर की राजनीति का उल्लेख करते हुए सभी युवाओं से संवाद करेंगें।

कार्यक्रम में आम युवाओं के साथ विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रसंघ पदाधिकारी, पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी, छात्र नेता, राजनीति में सक्रिय युवा नेता और युवा पंचयात प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने सभी युवा नेताओं से अपील की है कि वह इस कार्यक्रम में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनायें जाने की अपील की है।

गर्जिया मंदिर 30 अप्रैल तक के लिए बंद

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। गर्जिया मंदिर के मुख्य पुजारी मनोज पांडे ने बताया कि गर्जिया देवी के मंदिर का टीला काफी जर्जर हाल में था। बताया कि काफी दिनों से टीले की सुरक्षा को लेकर निर्माण काम चल रहा था। बीते दिनों भी मंदिर के सीढ़ियां चढ़ने पर प्रतिबंध लगाया गया था।

बताया कि निरीक्षण के बाद अब 30 अप्रैल तक मंदिर को बंद किया जाएगा। बताया कि मां का डोला मंदिर परिसर में रखा जाएगा। इससे श्रद्धालु परिसर में ही देवी का दर्शन कर सकेंगे।

ग्रीष्मकाल में न हो पेयजल की किल्लतः डीएम

- ग्रीष्मकाल में पेयजल आपूर्ति सुचारू र ने को डीएम ने की समीक्षा बैठक
- पेयजल संकट से निपटने को प्रशासन की तैयारी, टैंकरों से भी होगी जल आपूर्ति

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगाई की अध्यक्षता में ग्रीष्मकाल के दौरान जनपद में पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से कलक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिशासी अभियंता जल संस्थान सुरेश जोशी द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि उत्तराखण्ड जल संस्थान, शाखा पिथौरागढ़ द्वारा ग्रीष्मकाल को देखते हुए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। विभाग द्वारा नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था की वर्तमान स्थिति का आकलन करते हुए संभावित प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

जनपद पिथौरागढ़ में जल संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न पेयजल योजनाओं के माध्यम से लगभग 83 हजार की आबादी को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में कुल 12.89 एमएलडी पेयजल की मांग के सापेक्ष लगभग 10.75 एमएलडी जल उत्पादन किया जा रहा है, जिसके कारण कुछ क्षेत्रों में आंशिक कमी की स्थिति बनी हुई है। विभाग द्वारा इस कमी को दूर करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं लागू की जा रही हैं। जल संस्थान के अनुसार पिथौरागढ़ नगर में जलापूर्ति की मांग एवं आपूर्ति में अंतर होने के कारण कुछ मोहल्लों में एक दिन के अंतराल से जलापूर्ति की जा रही है। इसके साथ ही चिन्हित पेयजल समस्या वाले क्षेत्रों में टैंकर एवं पिकअप वाहनों के माध्यम से जल वितरण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। विभाग द्वारा पिथौरागढ़ नगर के 40 वार्डों में से 39 वार्डों के कुछ मोहल्लों को पेयजल समस्या वाले क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है। इन क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त गंगोलीहाट नगर के 7 वार्डों के 15 प्रभावित क्षेत्रों में भी टैंकरों द्वारा पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने जल निगम एवं जल संस्थान के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में पेयजल लाइनों में हो रहे लीकेज की तत्काल मरम्मत, खराब पड़े हैंडपंपों की शीघ्र मरम्मत, ठुलीगाड़ रिजर्ववायर की नियमित सफाई, तथा ठुलीगाड़ से पेयजल आपूर्ति को सुचारू रखा जाए। जल संस्थान के अधिकारियों ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे पेयजल का उपयोग संतुलित एवं जिम्मेदारीपूर्वक करें, ताकि सभी क्षेत्रों में समान रूप से जल उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही किसी भी प्रकार की पेयजल समस्या होने पर तत्काल विभाग को सूचित करें, जिससे शीघ्र समाधान किया जा सके। बैठक में एसडीएम सदर जितेन्द्र वर्मा, अधिशासी अभियंता पेयजल निगम पीएन चौधरी, अधिशासी अभियंता जल संस्थान डीडीहाट संदीप चतुर्वेदी, अधिशासी अभियंता पेयजल निगम गंगोलीहाट आशुतोष उपाध्याय उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट के आदेश पर मत पेटियां प्रशासन ने ली कस्टडी में

- 19 मार्च को होगी सुनवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। व्यापार मंडल के चुनाव की मतगणना में अनियमिता के आरोप पर उप जिलाधिकारी तुषार सैनी ने मतगणना स्थगित कर अग्रिम सूचना तक मत पेटियां मतगणना स्थल के एक कक्ष में लॉक कर सुरक्षित करा दी थी। इधर इस मामले में एक प्रत्याशी के न्यायालय का दरवाजा खटखटाये जाने पर सुनवाई 19 मार्च को होनी सुनिश्चित हुई है। इस दौरान मत पेटियां चुनाव संचालन समिति की कस्टडी में प्रशासन द्वारा सनातन धर्मशाला के एक कक्ष में सुरक्षित कराई गई थी।

हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में आज मंगलवार 10 मार्च को प्रशासन द्वारा प्रत्याशियों एवं चुनाव संचालन समिति की मौजूदगी में सील सील कक्षी को डबल लॉक कर अपनी कस्टडी में ले लिया गया है कक्षा के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई है।

उप जिलाधिकारी तुषार सैनी ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश पर मत पेटी वाले कक्ष को डबल लॉक कर अपनी कस्टडी में लेकर पुलिस तैनात कर दी है। मामले की सुनवाई 19 मार्च को होनी है। इस दौरान चुनाव संचालन समिति के साथ ही अध्यक्ष , कोषाध्यक्ष एवं मंत्री पद के प्रत्याशी भी मौजूद रहे ।

एक नजर

ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर मौत, परिवार में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। युवक समीर पुत्र सदीक निवासी चारुबेटा तहसील खटीमा पीलीभीत की ओर से खटीमा की ओर आ रही रेलगाड़ी की चपेट में आने से मौके पर ही युवक की मौत हो गई, घटना की सूचना मिलने पर खटीमा कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही है, इस घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है, मृतक के अन्य तीन भाई हैं, पिता मृतक के पिता सदीक मजदूरी कर गुजर बसर करते हैं। मृतक युवक समीर दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था।

पुलिस ने किया एक वारंटी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंह नगर श्री अजय गणपति द्वारा वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक काशीपुर, क्षेत्राधिकारी बाजपुर के नेतृत्व में कोतवाली जसपुर पुलिस टीम द्वारा माननीय न्यायालय से अन्तर्गत धारा -4/25 आर्म्स एक्ट में जारी आदेश/वारंट में वारण्टी साजिद पुत्र साबिर निवासी तकिये वाली मस्जिद के पास थाना जसपुर जिला उधम सिंह नगर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पकड़ने वाली पुलिस टीम में एस.आई. भूपाल राम पौरी,कव कुलदीप सिंह, एचजी दीक्षित आदि शामिल रहे।

बाजपुर में श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया बासड़िया लोक पर्व

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। बाजपुर में लोक पर्व बासड़िया श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने बड़े शिव मंदिर स्थित माता शीतला देवी के पावन स्थल पर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और माता के दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार माता शीतला देवी को बासी भोजन का भोग अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य तथा रोगों से रक्षा की कामना की। दिनभर मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को लोक पर्व बासड़िया की शुभकामनाएं भी दीं।

लोकगायिका रिंकू राणा के निधन से लोहाघाट-चम्पावत में शोक

शाह टाइम्स संवाददाता

कलाकारों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

लोहाघाट। उत्तराखंड की कुमाऊंनी, गढ़वाली, जौनसारी और थारू लोकसंस्कृतियों को अपने गीतों के माध्यम से एक सूत्र में पिरोकर देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ नेपाल तक लोकप्रिय बनाने वाली प्रख्यात लोकगायिका रिंकू राणा के निधन से लोहाघाट-चम्पावत क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। उनके असामयिक निधन की खबर से लोकसंस्कृति से जुड़े कलाकारों, प्रशंसकों और सांस्कृतिक संगठनों में शोक की लहर दौड़ गई है।

स्वर्गीय रिंकू राणा को श्रद्धांजलि देने के लिए स्थानीय रामलीला मैदान में शोक संतप्त कलाकारों और प्रशंसकों द्वारा एक भावपूर्ण शोकसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि लोकसंस्कृति के क्षेत्र में रिंकू राणा का योगदान सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से न केवल थारू जनजाति की लोकसंस्कृति को नई पहचान दिलाई, बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध लो. कपरंपराओं को भी व्यापक मंच प्रदान किया। उनके गीतों ने सीमाओं से परे जाकर नेपाल तक लोकसंस्कृति की खुशबू फैलाने का काम किया। शोकसभा कार्यक्रम की अध्यक्षता कुमाऊँ लोक सांस्कृतिक कला मंच के अध्यक्ष भैरव दत्त राय ने की। इस अवसर पर जीवन मेहता, मुकेश साह, गो. विंद बोरा, जीवन गहतोड़ी, संजीव राणा, नरेश राय, सोनिया आर्या सहित कुमाऊँ लोक सांस्कृतिक कला मंच एवं रामलीला सांस्कृतिक समिति के कई कलाकारों और क्षेत्रीय लोगों ने उपस्थित होकर दिवंगत लोकगायिका को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शादी का झांसा देकर सीएससी केंद्र संचालक ने किया दुष्कर्म

- चार साल तक किया शारीरिक शोषण
- बारात की तैयारी देख कोतवाली पहुंची पीड़िता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर । कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत शादी का झांसा देकर चार वर्षों तक एक युवती का शारीरिक शोषण करने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। आरोपी युवक द्वारा दूसरी जगह शादी करने की तैयारी और घर के बाहर बारात का टेंट लगा देख पीड़िता ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने युवती की तहरीर के आधार पर आरोपी सीएससी केंद्र संचालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली एक युवती की मुलाकात करीब चार वर्ष पूर्व आदर्श कॉलोनी, घासमंडी निवासी रोहित कुमार से हुई थी। रोहित क्षेत्र में एक सीएससी केंद्र चलाता था। युवती का आरोप है कि जान-पहचान बढ़ने के बाद रोहित ने उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया और शादी का वादा कर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

इस दौरान वह उसे शादी का भरोसा देकर बाहर घुमाने भी ले जाता रहा। जब भी युवती ने शादी का दबाव बनाया, आरोपी टालमटोल करता रहा। पीड़िता ने बताया कि नवंबर 2025 में उसे जानकारी मिली कि रोहित कहीं और सगाई या शादी की बात कर रहा है, लेकिन पूछने पर रोहित ने उसे आश्वस्त किया कि वह उसे छोड़कर कहीं नहीं जाएगा। मामला तब और गंभीर हो गया जब सोमवार को पीड़िता ने रोहित के घर के बाहर शादी का टेंट लगा देखा और उसे पता चला कि आज ही उसकी बारात जाने वाली है।

धोखे का अहसास होते ही युवती तत्काल कोतवाली पहुंची और पुलिस से आरोपी की शादी रुकवाने व कार्रवाई की मांग की। सीओ सिटी प्रशांत कुमार ने बताया कि युवती की तहरीर के आधार पर आरोपी रोहित कुमार के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पुलिस फिलहाल पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराने की प्रक्रिया पूरी कर रही है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के तथ्यों के आधार पर जल्द ही अग्रिम वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

मल्लिकार्जुन स्कूल में लगी विज्ञान प्रदर्शनी

- कार्यक्रम में जिलाधिकारी रहे मुख्य अतिथि

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। मल्लिकार्जुन स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम बड़े ही उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या दीप्ति भट्ट ने मुख्य अतिथि जिलाधिकारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। समारोह में नन्हे बच्चों के नाटक एवं लोकनृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार, वैज्ञानिक सोच एवं जिज्ञासा को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही सभी विद्यार्थियों को उनकी शानदार प्रस्तुतियों के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अभिभावकों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों ने कार्यक्रम में भाग लेकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

CISF का 57वां स्थापना दिवस धूमधाम और गरिमामय वातावरण में मनाया गया

- NHPC कॉलोनी बनबसा में भव्य परेड, मुख्य अतिथि GM जावेद अंसारी ने जवानों की सराहना की

शाह टाइम्स संवाददाता

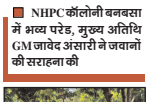

टनकपुर/बनबसा। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का 57वां स्थापना दिवस मंगलवार को पूरे उत्साह, गरिमा और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर एनएचपीसी कॉलोनी बनबसा स्थित सीआईएसएफ परेड ग्राउंड में भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों और जवानों ने शानदार परेड कर अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत परेड निरीक्षण से हुई। परेड के दौरान जवानों की सटीक कदमताल, एकरूपता और अनुशासन ने उपस्थित अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया। पूरा परिसर देशभक्ति के नारों और उत्साह से गूंज उठा। समारोह में एनएचपीसी के महाप्रबंधक (GM) जावेद अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने सीआईएसएफ के अधिकारियों और जवानों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सीआईएसएफ देश की सुरक्षा व्यवस्था का एक अहम स्तंभ है। यह बल देश की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों, हवाई अड्डों, मेट्रो रेल, सरकारी प्रतिष्ठानों और अन्य संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ के जवान अपनी निष्ठा, साहस और कर्तव्यपरायणता से देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं। देश के भीतर महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे सीआईएसएफ पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभा रहा है।

इस अवसर पर सहायक कमांडेंट राजेश कुमार ने बल के इतिहास और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सीआईएसएफ की स्थापना 10 मार्च 1969 को देश की महत्वपूर्ण औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह बल आज देश के सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा बलों में शामिल है और हवाई अड्डों, मेट्रो स्टेशनों, बंदरगाहों, परमाणु संयंत्रों तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का दायित्व निभा रहा है। कार्यक्रम में सीआईएसएफ के अधिकारियों और जवानों के साथ एनएचपीसी के अधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस मौके पर इंस्पेक्टर नीरज शर्मा, सब इंस्पेक्टर मोहम्मद आमिर, सब इंस्पेक्टर प्रभा शर्मा, एएसआई मोनिका, परवीन गर्ग, वी. के. सिंह , अरविंद चेलकर, गौरव कुमार, आर.पी. सिंह, सशस्त्र सीमा बल के एसी जसवंत सेनापति व दिनेश यादव तथा सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल मयंक सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जकी अनवर ने किया।

आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर दी तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के मामले में आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

कार्यकर्ताओं ने पार्टी के जिला सचिव प्रशांत कुमार के नेतृत्व में मंगलवार पुलिस क्षेत्राधिकारी बाजपुर को ज्ञापन सौंपकर ग्राम बरहैनी नई आबादी निवासी खीम सिंह दानू के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि खीम सिंह दानू ने 8 फरवरी को अपनी फेसबुक आईडी पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें भीम आर्मी के संस्थापक एवं आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा नगीना (उत्तर प्रदेश) से सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस टिप्पणी से सांसद चंद्रशेखर आजाद को व्यक्तिगत रूप से आहत करने के साथ-साथ पूरे बहुजन समाज का अपमान किया गया है, जो जातीय मानसिकता को दर्शाता है। कार्यकर्ताओं ने पुलिस से मांग की कि खीम सिंह दानू के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए। इस दौरान, एडवोकेट यतिन सागर, बाबूराम सागर, राहुल, शिवा, दीपक कुमार, रवि कुमार अमित कुमार रंजीत,हैदर,दिनेश कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति घायल, हायर सेंटर रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। मंगलवार शाम बिचपुरी के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों को उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय बाजपुर लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। वार्ड नंबर आठ गदरपुर निवासी 50 वर्षीय बाबू हुसैन पुत्र छोटे अपनी पत्नी 45 वर्षीय आसमा के साथ बाइक से मंगलवार को करीब साढ़े चार बजे गदरपुर से केलाखेड़ा स्थित एक मजार पर जा रहे थे। इसी दौरान बिचपुरी के पास एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से घायलों को उप जिल चिकित्सालय बाजपुर में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं घटना की सूचना पुलिस को भी दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

नहर पर पुलिया बनाने को लेकर दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अजय कुमार जॉन से उनके कार्यालय पर मुलाकात कर किसानों व ग्रामीणों को नहर पर पुलिया बनाने में आ रही परेशानियों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा और शासन से पत्राचार करने का आग्रह किया, तांकि शासन स्तर पर समस्या का समाधान हो सके।

उन्होंने बताया कि पिछले लंबे समय से किसानों और ग्रामीणों को सिंचाई विभाग की नहर पर पुलिया न बनने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आने जाने परेशानी हो रही है। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों और किसानों की परेशानियों को देखते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की मांग की है। वहीं सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अजय कुमार ने जल्द कार्य करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद प्रतिनिधि इंदर सिंह रावत, भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती,भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, पीरुमदारा मंडल अध्यक्ष बलदेव सिंह रावत, भाजपा मालधन अध्यक्ष प्रेम आर्य, सभासद प्रतिनिधि दीपक राणा, पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत, पूर्व नगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा, पूर्व प्रधान कृपाल दत्त जोशी, संजय डोबी आदि मौजूद रहे।

तकमीले ए कुरान का जश्न मनाया गया

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। मोहल्ला खताड़ी स्थित दरगाह अब्दुल्लाह शाह बाबा में तकमीले ए कुरान का जश्न मनाया गया। उसमे दो हाफिज मौहम्मद फैज और मौहम्मद रिहान दोनों ने कुरान ए पाक सुनाया।

10 दिन में हाफिज मोहम्मद रिहान ने कुरआने पाक सुनाया और मोहम्मद फैज ने कुरआने पाक सुना। अगले 10 दिन एक हाफिज ने सुनाया और दूसरे हाफिज ने सुना इस तरह पूरे 20 दिन में तरावीह पढ़ी गयी। जश्ने के मौके पर शहर काजी गुलाम मुस्तफा नईमी ने अमन चैन, देश मे भाईचारा तरक्की और खुशहाली के लिए दुआ की मांगी गई। इस दौरान ईदगाह कमेटी के सदर बाबर खान, सचिव शमीम अहमद , शाहीदुल खान, सामाजिक कार्यकर्ता आफताब आलम, शीतल जल सेवा के संस्थापक यूसुफ, सभासद सलमान सलमानी, मोहम्मद कय्यूम , मेहताब अली आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों ने फिर घेरी कोतवाली

रात 11 बजे दुकान बंदी के आदेश के विरोध में किया धरना प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल में रात 11 बजे बाद दुकान बंद करने के पुलिस फ़रमान पर व्यापारी दूसरे दिन मंगलवार को भी विरोध में नजर आए। व्यापारियों ने एकजुट होकर मल्लीताल कोतवाली का घेराव किया। व्यापारियों ने जमकर नारेबाजी कर पुलिस तानाशाही बंद करने की मांग की।

बता दें मंगलवार को मल्लीताल व्यापार मंडल अध्यक्ष किशन सिंह नेगी के नेतृत्व में तल्लीताल व्यापार मंडल तथा होटल एवं रैस्टोरेंट एसोसिएशन से जुड़े तमाम पदाधिकारी और व्यापारी मल्लीताल कोतवाली के सामने एकत्रित हुए जहां व्यापारियों ने पुलिस की मनमानी पर जमकर नारेबाजी की। व्यापारियों ने कहा कि पूरे प्रदेश में एकमात्र नैनीताल जिले में यह काला कानून लागू किया गया है। पुलिस अपराधों पर तो नियंत्रण नहीं लगा पा रहीं लेकिन रात 11 बजे बाद खुली दुकानों से पुलिस अपराध बढ़ने के दावे कर रही है। पर्यटन से जुड़े शहर में सभी गतिविधियां रात को ही होती है। रात को पर्यटक घूमने पहुंचता है। ऐसे में रात 11 बजे दुकानें बंद करवाकर पुलिस व्यापारियों की रोजी रोटी पर लात मार रही है। धरने के बाद व्यापारियों से सीओ रविकांत सेमवाल ने वार्ता की। उन्होंने उच्चाधिकारियों से वार्ता कर दुकान बंदी के समय मे रियायत देने का आश्वासन दिया तो कारोबारी शांत हुए। इस दौरान होटल एंड रेस्टोरेशन एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट समेत व्यापार मंडल तल्लीताल के सचिव अमनदीप सिंह, चंदन सिंह, राजेश वर्मा, सोनू बिष्ट, अहमद अली तथा रईस अहमद तथा ममता जोशी समेत तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

तिब्बती समुदाय ने जुलूस निकाला

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। तिब्बती समुदाय की ओर से मंगलवार को नैनीताल में 67वें तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह दिवस के विशेष मौके पर नगर में विशाल जुलूस निकाला। इससे पूर्व सभी तिब्बती समुदाय के लोग सुबह 10.30 बजे क्षेत्रीय तिब्बती युवा कांग्रेस नैनीताल के नेतृत्व में तिब्बती बाजार में एकत्र हुए उसके बाद वहां से जुलूस निकाला गया। यह जुलूस तिब्बती मार्केट से शुरू होते हुए बड़ा बाजार मल्लीताल से होते हुए फिर मॉल रोड से होते हुए तल्लीताल और वापस तिब्बती मार्केट में खत्म हुआ। जुलूस मे लगभग 35 से 40 स्थानीय तिब्बतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में स्थानीय तिब्बती युवा कांग्रेस के अध्यक्ष तेनजिन जिनमें, उपाध्यक्ष टाशी तोपग्याल व कुंगा छौडोन समेत तिब्बती समुदाय के वरिष्ठ सदस्य पेमा छौफेल, तिब्बती मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष येशी थुप्तेन, तिबबती संघर्ष समिति के सचिव तेनजिन धोनयो, तेनजिन छिरींग, स्थानीय तिब्बती महिला संगठन के उपाध्यक्ष सोनम छोएडोन, सचिव रिंजिन छोएजोम, तेनजिन ल्हाडोन, छिरींग तोपग्याल, तेनजिन लोडा, तेनजिन सांगमो, छिरींग पेलकी, तेनजिन लौधेन, केलसंग यांगडोन, छिरींग पाल्मो, टाशी डोल्मा, छिरींग यांगजोम तथा सोनम नॉरर्जोम आदि मौजूद रहे।

एक नजर

होटल कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नैनीताल। नगर के माल रोड स्थित एक होटल में कार्यरत कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर पंचनामे की कार्रवाई शुरु कर दी है। प्रथम दृष्टिया मामला हृदयघात का बताया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सतनौली देवीनगर बेरीनाग (पिथौरागढ़) निवासी प्रकाश राम (45) मालरोड स्थित एक होटल में बतौर गाइड कार्य करता था। सोमवार देर रात अचानक उसकी तबियत बिगड़ गई। आनन फानन होटल कर्मी उसे लेकर राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली के एसआई मोहममद युनूस ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना देकर नैनीताल बुला लिया गया है। पंचनामे के बाद बुधवार आज को शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। चिकित्सकों की ओर से प्रथम दृष्टिया मामला हृदयघात बताया जा रहा है हालांकि मौत का स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लग सकेगा।

पर्यावरण मित्रों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

नैनीताल। नगर पालिका परिषद नैनीताल में धात संस्था के सहयोग से मंगलवार को पालिका की स्वास्थ्य समिति की अध्यक्ष गजाला कमाल के नेतृत्व में पर्यावरण मित्रों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उजाला सिग्नस हॉस्पिटल हल्द्वानी के चिकित्सकों की टीम ने करीब 125 पर्यावरण मित्रों समेत पालिका के अधिकारियों व कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा विभिन्न आवश्यक जांचें भी की गयी। धात संस्था के संस्थापक रविकांत राजू ने बताया कि संस्था पिछले 4 वर्षों से उजाला सिग्नस हॉस्पिटल हल्द्वानी के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों एवं राजकीय विद्यालयों में इस प्रकार के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करती आ रही है। बताया कि धात संस्था विगत 11 वर्षों से निर्धन परिवारों के मेधावी बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान कर रही है। इस दौरान पालिका के अधीशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा समेत सभासद गजाला कमाल समेत कई पालिका सभासदों समेत विनोद पंत, विजय पंत, डा. प्रदीप कुमार, अमित कुमार पाल तथा महिमा आर्य तथा अनीता गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों को बांटे 200 पौधे

नैनीताल। राज्य निर्माण सेनानी दिनेश गुरुरानी द्वारा राज्य में चलाया जा रहा अनूठा पौधारोपण 603वें दिन भी जारी रहा। पौधारोपण अभियान के 603वें दिन विद्यालयों को पौधारोपण कार्यक्रम से जोड़ने के तहत मेरा पौधा-मेरा परिवार कार्यक्रम में राजकीय उत्कृष्ट अटल आदर्श इंटर कॉलेज जौरासी में पौधारोपण अभियान से जोड़ते हुए प्रत्येक छात्र-छात्रा को दो-दो पौधे खुमानी व अखरोट के दिए गए। कुल 200 पौधों का वितरण किया गया साथ ही छात्र-छात्राओं को हिमालय बचाओ अभियान के तहत शपथ भी दिलाई गई। अब छात्र-छात्राएं अपने परिवारजनों के साथ अपने घर के परिसर में पौधारोपण करेंगे और वृक्ष बनने तक इसका संरक्षण करेंगे। दिनेश गुरुरानी ने कहा कि पौधों का वितरण उद्यान विभाग डीडीहाट के सौजन्य से किया जा रहा है। उन्होंने पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता विपिन जोशी का आभार प्रकट किया।

रिकॉर्ड बजट से राज्य के समग्र विकास को मिलेगा बल: रवि मोहन अग्रवाल

रानीखेत। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व दर्जा मंत्री रवि मोहन अग्रवाल ने राज्य सरकार के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को विकासोन्मुखी बताते हुए कहा कि यह बजट ग्रामीण क्षेत्रों, युवाओं, महिलाओं, किसानों और रोजगार सृजन को समर्पित है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आधारभूत संरचना, सड़क, बिजली और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने बताया कि पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,11,703.21 करोड़ रुपय का रिकॉर्ड बजट प्रस्तुत किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 10.41 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि बजट में पर्यटन विकास के लिए 100 करोड़ रुपय तथा कुम्भ मेला के आयोजन के लिए 1027 करोड़ रुपय का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा नारी सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगार और आधारभूत ढांचे के विकास पर विशेष जोर दिया गया है।

क्रिकेट लीग की वजह से यातायात डायवर्जन

हल्द्वानी। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स गौलापार में आयोजित होने वाली लीजेंड्स लीग क्रिकेट टी-20 प्रतियोगिता के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष डायवर्जन प्लान और पार्किंग व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था 11 से 14 मार्च तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से मैच समाप्ति तक प्रभावी रहेगी। भारी वाहनों के लिए तीनपानी से गोलापार रोड होते हुए काठगोदाम की ओर जाने वाले सभी भारी माल वाहक वाहन गोलापुल कुंवरपुर कट से डायवर्ट होकर कुंवरपुर तिराहा, खेड़ा चौराहा और महाकाली जनरल स्टोर तिराहा होते हुए काठगोदाम की ओर जाएंगे। इसी प्रकार काठगोदाम से गौलापार रोड होते हुए तीनपानी की ओर जाने वाले भारी वाहन महाकाली जनरल स्टोर तिराहा से डायवर्ट होकर खेड़ा चौराहा और कुंवरपुर तिराहा होते हुए गोला पुल कुंवरपुर कट से तीनपानी की ओर भेजे जाएंगे। वही, वीआईपी अतिथियों के लिए गौलापार स्टेडियम के मुख्य द्वार के पास पार्किंग की व्यवस्था की गई है। आयोजनकर्ता, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों, पत्रकारों तथा खिलाड़ियों को लाने-ले जाने वाली बसों के लिए स्टेडियम गेट नंबर-1 के अंदर दाहिनी ओर पार्किंग निर्धारित की गई है।

जिले में 16 से दो दिनी मॉक अभ्यास

नैनीताल। अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी ने बताया कि आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित किये जाने हेतु 16 व 17 को जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के तत्वावधान में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के मॉक अभ्यासों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 16 मार्च को टेबल टॉप एक्साइज एवं मॉक एक्साइज में जनपद मुख्यालय नैनीताल में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तर आईआरएस प्रणाली अन्तर्गत नामित समस्त अधिकारियों एवं समस्त महत्वपूर्ण विभागों/हितधारकों स्ट्रेक होल्डर्स द्वारा जिला कार्यालय स्थित एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में तथा तहसील स्तर पर संबन्धित परगना मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में तहसील स्तरीय आईआरएस टीम नामित अधिकारियों के साथ अपने तहसील मुख्यालय स्थित वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में उक्त कार्यक्रमों में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करेंगे जबकि आपदा पूर्वाभ्यास अभियानों हेतु जनपद के तहसील श्री कैंचीधाम, खनस्यूं, कालाढुंगी तथा हल्द्वानी तथा नैनीताल में कार्यक्रम आयोजित किये जाएगे। उन्होंने बताया कि पूर्वाभयास अभियान अन्तर्गत चिन्हित स्थानों पर स्टेजिंग एरिया इंसिडेन्ट कामाण्ड केन्द्र, राहत शिविर व चिकित्सा शिविर आदि को चिन्हित करते हुए स्थानीय आईआरटी दलों का गठन व साईट चीफों व टास्क फोर्सो कार्मिक/उपकरण तथा संसाधनों का गठन सुनिश्चित किया जाये। अपर जिलाधिकारी ने समस्त नोडल अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि जनपद एवं तहसील स्तर संबन्धित परगना मजिस्ट्रेट एवं समस्त विभागीय अधिकारी उक्त दिये गये भूकंप पूर्वाभ्यास कार्यक्रम, आपदा टेबल टॉप एकसाइज एवं आपदा मॉक एक्साइज हेतु नियत तिथियों में ससमय प्रतिभाग करें।

हाईकोर्ट से चंदन सिंह को राहत

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने वर्कशाप अनुदेशक पद पर सफल उम्मीदवार चंदन सिंह को राहत देते हुए उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) को उसकी नियुक्ति संबंधी सिफारिश करने के निर्देश दिये हैं। बता दें कि मामला वर्ष 2023 से जुड़ा है। यूकेएसएसएससी की ओर से प्राविधिक शिक्षा के अंतर्गत वर्कशाला अनुदेशक के पांच पदों को भरने के लिये लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। इसके बाद दस्तावेजों के मूल्याकंन के दौरान प्रतिवादी चंदन सिंह समेत पांच उम्मीदवारों का चयन कर लिया गया। असफल उम्मीदवारों में से एक अनिल कुमार की ओर से चंदन के चयन को चुनौती दी गयी। इस मामले उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की पीठ में अंतिम सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि प्रतिवादी का चयन गलत हुआ है जबकि यूकेएसएसएससी की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता इस प्रतियोगिता के लिये अर्ह नहीं पाया गया है। प्रतिवादी की ओर से कहा गया कि उसे परीक्षा में 84.75 प्रतिशत अंक जबकि याचिकाकर्ता को 81.25 प्रतिशत अंक हासिल हुए हैं। यही नहीं याचिकाकर्ता के पास उचित अनुभव प्रमाण पत्र भी नहीं है। अंत में अदालत ने पाया कि आयोग की ओर से प्रतिवादी के चयन में कोई गलत नहीं की गयी है। इसलिये अदालत ने मामले में किसी प्रकार के हस्तक्षेप से इनकार करते हुए याचिका को पूरी तरह से निस्तारित कर दिया और आयोग को प्रतिवादी चंदन सिंह के चयन के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए।

मनोज जोशी का किया भव्य स्वागत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। डीएसए नैनीताल का महासचिव चुने जाने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मंगलवार को मनोज जोशी का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल मालाओं से लादकर शुभकामनाएं दीं। खुशी के इस मौके पर मनोज जोशी को फूलों के बुके भेंट किए। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष दया किशन पोखरिया ने किया जबकि अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष नितिन सिंह कार्की ने की। पूर्व मंडल अध्यक्ष आनंद बिष्ट ने सभी को शुभकामनाएं दीं तथा सांसद प्रतिनिधि गोपाल सिंह रावत ने भी अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर पूर्व मंडल उपाध्यक्ष भूपेन्द्र बिष्ट, मंडल मंत्री प्रदीप कुमार, सभासद मनोज साह जगाती, पूरन सिंह बिष्ट व भगवत रावत समेत कार्यालय मंत्री भारत मेहरा, शैलेंद्र बर्गली, छात्र संघ अध्यक्ष करण सती, कविता गंगोला, अमिता साह, दीपिका बिनवाल, मयंक पंत, रितुल कुमार, निखिल बिष्ट, युवराज करायत, विकास जोशी, प्रेम सागर, रोहित भाटिया, मनोज कुमार, केके शर्मा, गौरव हारपर सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में अपने उद्बोधन में मनोज जोशी ने सभी का आभार व्यक्त किया और अपने पद की गरिमा के अनुरूप कार्य करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि इतनी ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित संस्था का महासचिव चुनने के लिए वे पूरे शहर के नागरिकों के आभारी हैं साथ ही उन्होंने सभी के सहयोग से डीएसए की सभी प्रतियोगिताओं को पहले की तरह सफलतापूर्वक आयोजित कराने का विश्वास दिलाया।

विद्युत विभाग के निजीकरण का विरोध

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तरांचल पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन के अंतर्गत तीनों ऊर्जा निगमों में कार्यरत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने मंगलवार को नैनीताल में विद्युत विभाग कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर विद्युत विभाग के निजीकरण किए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान एसोसिएशन के खंडीय अध्यक्ष कंचन जोशी ने कहा कि उत्तराखण्ड विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के प्रदेश आह्वान पर विद्युत वितरण खंड नैनीताल के समस्त कर्मचारियों की ओर से विद्युत सुधार अधिनियम-2025 के माध्यम से बिजली विभाग के निजीकरण किए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। कहा कि एक तरु जहां कर्मचारियों की महत्वपूर्ण मांगों की अनदेखी की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ केन्द्र सरकार की ओर से इस अधिनियम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबन्ध में समस्त कर्मचारी विरोध कर रहे हैं। कहा कि मांगें नही माने जाने पर समस्त कर्मचारी आंदोलन किए जाने को बाध्य होंगे। जिसकी जिम्मेदारी केन्द्र सरकार एवं शासन प्रशासन की होगी। इस दौरान सहायक अभियन्ता आरएस बिष्ट, सहायक अभियंता (राजस्व) प्रियंक पाण्डे समेत उपखण्ड अधिकारी विक्रम बिष्ट समेत उमेश मेहता, सुरेन्द्र पानू, विनोद शाही, प्रशान्त बंगारी, विक्रम रावत, आशा नेगी, दीपा बिष्ट, विमला भट्ट, ईश्वरी, रमेश बिष्ट, विनीत बिष्ट, योगिता बिष्ट, प्रदीप पाण्डे, रमेश आर्या, सुनीत रावत, रूबीना खान तथा हरीश चन्द्र भट्ट तथा प्रेमा भट्ट आदि मौजूद रहे।

विधायक कैड़ा ने सदन में उठाया बाघ के आतंक का मुद्दा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

धारी। भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने गैरसैण में चल रहे बजट सत्र में सदन की कार्यवाही के दौरान मंगलवार को सदन में सरकार से कहा मेरी विधानसभा क्षेत्र भीमताल के ओखलकांडा, धारी तथा रामगढ़ व भीमताल में बाघ व गुलदार ने 4 बहिनों को अपना निवाला बना दिया है जिस कारण ग्रामीणों में दशहत का माहौल बना है। विधायक कैड़ा ने कहा कि इससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है! बाघ व गुलदार के हमले से मृतकों के परिजनों को नौकरी देने तथा बाघ तथा गुलदार से निजात दिलाने हेतु ठोस नीति बनाने की मांग की। विधायक कैड़ा ने सदन में सरकार से भीमताल विधानसभा के अंतर्गत लंबित मोटर मार्गो के निर्माण करने, मोटर मार्गो पर डामरीकरण करने तथा नए मोटर मार्गो का निर्माण करने एवन पर्यावरण व नोडल में लंबित मोटर मार्गो की वन विभाग से स्वीकृति देने समेत पर्यटन की दृष्टि से भीमताल, नौकुचियाताल, कमलताल, हरीशताल, लोहाखामताल, छोटा कैलाश मंदिर तथा बृहस्पति महाराज मंदिर, विनायक गोल्ज्यू मंदिर व सोमवारी महाराज मंदिरए मुक्तेश्वर धाम को ओर विकसित करने तथा ओखलकांडा, धारी व रामगढ़ व भीमताल की नदियों के किनारे ग्रामीणों की सुरक्षा हेतु सुरक्षात्मक कार्य करने आदि समस्याओं को सदन में सरकार के समुख रखा।

बच्चों ने सीखीं निबंध की बारीकियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। किताब कौतिक के अंतर्गत आयोजित बाल लेखन कार्यशाला के दूसरे दिन बच्चों को निबंध और कविता लेखन की बारीकियां सिखाई गईं। कार्यशाला का आयोजन बच्चों की पत्रिका बाल प्रहरी, भारत ज्ञान विज्ञान समिति नैनीताल और क्रिएटिव उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में नीलांचल कालोनी फेस-2 स्थित क्रिएटिव उत्तराखंड परिसर में किया जा रहा है। कार्यशाला के दौरान बाल कवि बनने के लिए बच्चों का अनोखा साक्षात्कार भी आयोजित किया गया। आयोजकों ने बताया कि बच्चों की झिझक दूर करने के लिए पहले उन्हें एकल नृत्य करने को कहा गया और बाद में सभी बच्चों ने सामूहिक नृत्य किया। इसके बाद इच्छुक सभी बच्चों को बाल कवि सम्मेलन में शामिल किया गया। उदय किरौला ने बच्चों को निबंध लेखन की बारीकियां बताते हुए कहा कि निबंध 'नि' और 'बंध' दो शब्दों से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है बिना बंधन के लेखन। उन्होंने बच्चों को निबंध की संरचना समझाते हुए पृष्ठभूमि, विषय की जानकारी, उपयोगिता और उपसंहार के बारे में बताया। इसके बाद बच्चों ने हल्द्वानी, मेरा स्कूल, मेरी माताजी और मेरे पिताजी जैसे विषयों पर निबंध लिखे। पहले चरण में बच्चों ने दरी, कुर्सी, मेज, बल्ब, दीवार, छत और खिड़की जैसे विषयों पर भी निबंध तैयार किए। कार्यशाला के दौरान कविता लिखो, शब्द लेखन, अंग्रेजी लेखन और गिनती लिखो प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। पूर्व आयकर आयुक्त श्यामपलट पांडेय के सौजन्य से नैतिक पंत, पलक कुड़ाई, मानसी पांडेय, सतीश, राहुल, राकेश, हृदयेश, मान्यता और दीपक सहित कई बच्चों को बाल साहित्य भेंट किया गया। पहाड़ा लिखो प्रतियोगिता में आयुष कश्यप ने दस लाख तक का पहाड़ा लिखकर पहला स्थान प्राप्त किया। कार्यशाला में दिव्यांशी, सतीश, मोहम्मद आहिल और दीपक गंगवार को अध्यक्ष मंडल में शामिल किया गया। इस दौरान राजकीय प्राथमिक विद्यालय हल्दूपोखरा की प्रधानाध्यापक व राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका विमला जोशी विभा, दयाल पांडेय, कहानीकार दीक्षा जोशी, क्रांति जोशी, प्रमोद तिवारी, ललिता कापड़ी, संजू पंत, मंजु पांडे आदि मौजूद रहे।

कुलपति ने समझाई ऑर्गेनिक स्पेट्रोस्कोपी की उपयोगिता

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर नैनीताल के रसायन विज्ञान विभाग में एमएससी रसायन विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए मंगलवार को ऑर्गेनिक स्पेट्रोस्कोपी विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। बता दें यह विशेष व्याख्यान कुमाऊँ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने आधुनिक रसायन विज्ञान में स्पेट्रोस्कोपी की भूमिका और उसके वैज्ञानिक तथा व्यावहारिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस (एनएमआर) स्पेट्रोस्कोपी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि यह एक स्पेट्रोस्कोपिक तकनीक है जिससे अणुओं की संरचना और उनके रासायनिक वातावरण की पहचान की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि इसी सिद्धांत का उपयोग चिकित्सा विज्ञान में मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) तकनीक के रूप में किया जाता है जिसके माध्यम से मानव शरीर के आंतरिक अंगों की बिना शल्यक्रिया के सटीक जांच संभव होती है। इस प्रकार प्रो.रावत ने विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के सिद्धांतों के मानव जीवन और स्वास्थ्य सेवाओं में महत्व से भी अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रसिद्ध रसायन वैज्ञानिक प्रो. ओमर एम. यागी के जीवन का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रो. यागी रेटिकुलर केमिस्ट्री के अग्रणी वैज्ञानिकों में से एक हैं और उन्होंने अपने जीवन के प्रारंभिक वर्षों में शरणार्थी के रूप में कठिन परिस्थितियों का सामना किया। इसके बावजूद अपने परिश्रम व लगन और वैज्ञानिक दृष्टि के बल पर उन्होंने विश्व वैज्ञानिक समुदाय में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया। उनके जीवन से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से किसी भी चुनौती को सफलता में बदला जा सकता है। अंत में विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक चर्चा भी हुई जिसमें उन्होंने स्पेट्रोस्कोपी और उसके विभिन्न वैज्ञानिक तथा चिकित्सीय अनुप्रयोगों से संबंधित प्रश्न पूछे।

गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य के परिप्रेक्ष्य में जनपद नैनीताल अन्तर्गत घरेलू गैस की कीमतों में वृद्धि तथा कतिपय स्थानों पर गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी दशा में एलपीजी गैस की मुहैया सुनिश्चित करने के लिए गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी की रोकथाम एवं वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाये रखना बेहद जरूरी है। मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी रयाल ने अपर जिलाधिकारी समेत नगर मजिस्ट्रेट हल्द्वानी तथा समस्त उप जिला अधिकारियों सहित जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिये हैं कि एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी एवं जमाखोरी को रोकने के दृष्टिगत लगातार छापेमारी की कार्यवाही करते हुए जनपद अर्न्तगत गैस वितरण एजेन्सियों पर प्रभावी पर्यवेक्षण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश जारी करते हुए गैस एजेन्सियों से संबन्धित गोदाम में स्टॉक की स्थिति, एलपीजी सिलेन्डर वितरण की स्थिति तथा सिलेंडरों के वितरण व्यवस्था में एक के पश्चात् दूसरे सिलेंडर में अन्तराल से संबन्धित नियमों का पालन की स्थिति, एलपीजी सिलेंडरों के अवैध रिफिलिंग पर कार्यवाही तथा उपभोक्ता को निर्गत गैस वितरण पासबुक में वितरण से संबन्धित विवरण का अंकन करने को कहा है।उन्होंने कहा कि छापेमारी की कार्यवाही के दौरान विशेष निगरानी रखते हुए अनियमितता पाये जाने की स्थिति में प्रभावी कार्यवाही करना भी सुनिश्चित करें।

गैस की कालाबाजारी पर सख्ती

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उच्चाधिकारियों से प्राप्त निर्देशों के क्रम में नैनीताल जिले के क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट ने पूर्ति निरीक्षक रवि डालाकोटी के साथ नैनीताल क्षेत्रान्तर्गत गैस की कालाबाजारी तथा अवैध भंडारण व रिफिलिंग को रोके जाने हेतु मंगलवार को विशेष अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने मैसर्स पर्वत गैस सर्विस नैनीताल गैस एजेंसी के नारायण नगर स्थित गैस गोदाम का भी औचक निरीक्षण प्रबंधक अंकिता पाण्डे की उपस्थिति में किया।

मौके पर कई सिलेंडर की तौल करने पर उनमें मानक के अनुसार गैस पाई गई। निरीक्षण के दौरान एआरओ बिष्ट को 13 डिफेक्टिव सिलेंडर भी गोदाम में मिले जिसे प्रबंधक को तत्काल कंपनी को वापस कर इनके स्थान पर सही सिलेंडर मंगवाने की हिदायत दी गई। इस दौरान उन्होंने सूखाताल नैनीताल स्थित पर्वत फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पंप का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय पंप में 11 हजार 200 लीटर पेट्रोल सामान्य तथा एस्ट्रा प्रीमियम पेट्रोल 18500 लीटर और डीज़ल 15980 लीटर उपलब्ध पाया गया। ईधन की आपूर्ति सामान्य पाई गई।

एआरओ बिष्ट ने जानकारी देते हुए कहा कि गैस की कालाबाजारी तथा अवैध भंडारण व रिफीलिंग को रोकने के लिये विभाग द्वारा निरन्तर प्रवर्तन कार्य किए जा रहे हैं। यदि कोई भी व्यक्ति/संस्था/व्यापारी द्वारा गैस की कालाबाजारी तथा अवैध भंडारण व रिफीलिंग करते हुए पाया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की सुसंगत धाराओं में प्रविधानांतर्गत नियमानुसार कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। कहा कि क्षेत्रान्तर्गत घरेलू गैस सिलेंडर के आपूर्ति की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, (वि./ यॉ.) ग्रामीण निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड तपोवन मार्ग, रायपुर रोड, देहरादून

पत्रांक 1067/ ग्रा.नि.वि./निविदा /2025-26 दिनांक 10.03.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या- 54

उत्तराखण्ड राज्यपाल महोदय की ओर से कालम-08 के अनुसार अधिकृत श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न कार्यों की निविदायें दिनांक 23.03.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक कैम्प कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (वि०/ यॉ०), ग्रामीण निर्माण विभाग, भीमताल नैनीताल में आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 23.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। जिनका विक्रय दिनांक 20.03.2026 को अपराह्न 4:00 बजे तक कैम्प कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (वि०/ यॉ०), ग्रामीण निर्माण विभाग, भीमताल नैनीताल से किया जायेगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. रहित (रू. लाख में)	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदार हेतु श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	धारचूला तहसील आपदा कंट्रोल रूम, आपदा मीटिंग में मीटिंग हॉल का मरम्मत कार्य (आन्तरिक विद्युतीकरण)।	5.00	15,000.00	500.00 +18% GST	03 माह	45 दिन	मूल निर्माता/ अधिकृत विक्रेता

निविदा की शर्तें:-

नोट:- 1. उक्त कार्य की जानकारी अधिशासी अभियन्ता (वि०/यॉ०) ग्रामीण निर्माण विभाग उत्तराखण्ड देहरादून के कार्यालय में दिनांक 23.03.2026 से पूर्व किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

(इं. तहसीम अहमद)
अधिशासी अभियन्ता, (वि./ यॉ.)
ग्रामीण निर्माण विभाग उत्तराखण्ड देहरादून

संक्षिप्त खेल समाचार

मैथ्यू हेडन बने जीटी के बल्लेबाजी कोच

अहमदाबाद, वार्ता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए गुजरात टाइटंस ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। हेडन टीम के सपोर्ट स्टाफ में मुख्य कोच आशीष नेहरा, क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी और सहायक कोच पार्थिव पटेल के साथ काम करेंगे। वह इससे पहले पाकिस्तान पुरुष टीम के साथ बल्लेबाजी सलाहक. ार के रूप में भी काम कर चुके हैं। नियुक्ति के बाद हेडन ने कहा कि अच्छी बल्लेबाजी विपक्ष पर दबाव बनाती है, जबकि बेहतरीन बल्लेबाजी मैच पर नियंत्रण स्थापित कर लेती है, और यही मानक टीम स्थापित करना चाहती है। विक्रम सोलंकी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हेडन का अनुभव और युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की क्षमता टीम की बल्लेबाजी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

वनडे सीरीज में नंबर-5 पर बैटिंग करेंगे लिटन दास

ढाका, वार्ता। बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एक दिवसीय शृंखला में लिटन दास पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। लिटन ने 2019 क्रिकेट विश्व कप के बाद से वनडे में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी नहीं की है। सिमंस को उम्मीद है कि मध्यक्रम में उतरने से वह 50 ओवर के प्रारूप में अपनी खोई हुई लय वापस पा सकेंगे। लिटन पिछली आठ वनडे पारियों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सके हैं। सिमंस का मानना है कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव से टीम के मध्यक्रम को मजबूती मिलेगी, जो लंबे समय से कमजोर कड़ी रहा है। उन्होंने कहा कि विकेट कीपिग करने के बाद सीधे पारी की शुरुआत करना मुश्किल होता है, इसलिए मध्यक्रम में बल्लेबाजी करना लिटन के लिए अधिक अनुकूल हो सकता है।

अर्शदीप पर लगा मैच फीस का 15% जुर्माना

- **अनुचित और खतरनाक ढंग से गेंद फेंकने से संबंधित व अर्शदीप के अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा**

दुबई, वार्ता। भारतीय तेज गें. दबाज अर्शदीप सिंह पर टी-20 विश्व कप फाइनल के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि अर्शदीप को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ की आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2-9 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

यह अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान एक गेंद (या कोई अन्य क्रिकेट उपकरण) किसी खिलाड़ी पर या उसकी दिशा में अनुचित और खतरनाक ढंग से फेंकने से संबंधित है। इसके अलावा अर्शदीप के अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है, क्योंकि यह बीते 24 माह में अर्शदीप की पहली गलती है। यह घटना टी-20 विश्व कप के फाइनल में हुई जब अर्शदीप ने अपने ही ओवर में डैरिल मिचेल के शॉट को रोका। जब उन्होंने गेंद पकड़ी तो मिचेल रन लेने के लिए क्रीज से दो कदम आगे आ चुके थे, इसलिए अर्शदीप ने गेंद विकेट की ओर फेंकी। इसी समय गेंद मिचेल के पैड पर जा लगी। उल्लेखनीय है कि अर्शदीप ने मिचेल को गेंद लगने के बाद फौरन माफी मांगी थी। उन्होंने मैच खत्म होने के बाद बताया कि उन्होंने एक बार फिर मिचेल से मिलकर माफी मांगी थी और कहा था कि गेंद गलती से लगी थी। अर्शदीप पर आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप फील्ड अंपायर रिचर्ड इलिगवर्थ और एलेक्स वार्फ, थर्ड अंपायर अल्लाहुद्दीन पालेकर और फोर्त अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने लगाए थे। अर्शदीप ने आईसीसी मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, इसलिए आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। लेवल-1 के उल्लंघनों के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो अवमूल्यन अंक हैं। जब कोई खिलाड़ी 24 महीनों के भीतर चार या अधिक अवमूल्यन अंक प्राप्त कर लेता है, तो उन्हें निलंबन अंकों में परिवर्तित कर दिया जाता है और खिलाड़ी पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। दो निल. 'बन अंक एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों से प्रतिबंध के बराबर हैं, जो भी खिलाड़ी के लिए पहले पूरा हो। अवमूल्यन अंक खिलाड़ी या खिलाड़ी सहायक कर्मियों के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में उनके लागू होने की तारीख से 24 महीनों तक बने रहते हैं, जिसके बाद उन्हें हटा दिया जाता है।

पश्चिम एशिया के संकट के कारण आईसीसी की बैठक रद्द

कुछ विशेष बैठकें अगले कुछ सप्ताह में ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी

दुबई, वार्ता। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के कारण इस महीने के अंत में दोहा में होने वाली आईसीसी बोर्ड और कमेटी की बैठकों को रद्द कर दिया गया है। ईएसपीएन क्रिकइंफो को मिली जानकारी के अनुसार फाइनेंस कमेटी से जुड़ी कुछ विशेष बैठकें अगले कुछ सप्ताह में ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। अप्रैल में आमने-सामने बैठकों की संभावना अभी भी खुली है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या हवाई क्षेत्र इतना खुल गया है कि बोर्ड और कमेटी सदस्य सुरक्षित रूप से उड़ान भर सकें। ए बैठकें मूल रूप से 25 से 27 मार्च के बीच तय थीं और इनमें आईसीसी बोर्ड डायरेक्टर्स, चीफ एग्जीक्यूटिव्स, कमेटी सदस्य और आईसीसी के सीनियर लीडरशिप के शामिल होने की योजना थी। चर्चा के लिए तीन मुख्य मुद्दे थे- ग्लोबल ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, क्योंकि आईसीसी और जियोस्टार के बीच मौजूदा समझौता 2027 में खत्म होने वाला है, अगला एफटीपी और लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन। इनमें से दूसरे मुद्दे पर अनौपचारिक बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है, जहां कई सदस्य क्रिकेट के अगले चार साल के कैलेंडर की योजना बनाने के लिए आपस में पहले से चर्चा कर रहे हैं। यह पहली बार था, जब आईसीसी की बैठक दोहा, क़तर में होने वाली थी।

रिंकू सिंह ने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट लिख कर पिता को किया याद

- **रिंकू सिंह के पिता का शुक्रवार सुबह ग्रेटन नोएडा के अस्पताल में चौथे चरण के कैंसर से निधन हुआ था**

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद अपने दिवंगत पिता खानचंद सिंह को सोशल मीडिया के माध्यम से भावुक श्रद्धांजलि दी है। रिंकू के पिताजी का शुक्रवार सुबह ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में चौथे चरण के कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद निधन हो गया था।

बाद में उनका अंतिम संस्कार अलीगढ़ में किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। रिंकू ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि वह अपने पिता से बात किए बिना कभी इतने दिन नहीं रहे और उनके बिना जीवन की कल्पना करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि पिता ने उन्हें सिखाया था कि कर्तव्य सबसे पहले होता है, इसलिए मैदान पर वह हमेशा उनके सपने को पूरा करने की को. शिश करते रहे। रिंकू ने लिखा कि आपसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं निकले। मुझे नहीं पता आगे कि जदिगी आपके बिना कैसे चलेगी, पर मुझे हर कदम पर आपकी जरूरत पड़ेगी। आपने सिखाया था कि फर्ज सबसे आगे है, तो मैदान पर बस आपका सपना पूरा करने की कोशिश कर रहा था। अब आपका सपना पूरा हो गया है तो बस यही लगता है कि काश आप मेरे पास होते।

हर छोटी बड़ी खुशी में आपकी कमी खलेगी। बहुत याद करूंगा आपको पापा, बहुत ज्यादा। टी-20 विश्व कप 2026 के दौरान पिता जी की तबीयत बिगड़ने पर रिंकू टीम से अलग होकर कुछ समय के लिए घर लौटे थे और बाद में टीम से दोबारा जुड़ गए। टूर्नामेंट में उन्हें सीमित मौके मिले और उन्होंने पांच पारियों में 24 रन बनाए।

विश्व कप 2026 में भारत ने कई रिकॉर्ड बनाए

- **भारत टी-20 के इतिहास में तीन बार टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बनी**
- **दो बार लगातार खिताब जीतने वाली और घरेलू मैदान पर टी-20 विश्व कप जीतने वाली टीम भी बनी**

नई दिल्ली, वार्ता। भारत ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब तो अपने नाम किया ही, साथ ही रिकॉर्ड बुक में दर्ज कई रिकॉर्ड तोड़कर उन्हें अपने नाम किए।

भारत टी-20 के इतिहास में तीन बार यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बन गया और इस दौरान भारतीय टीम ने कई रिकॉर्ड भी बनाए। भारत ने इससे पहले 2007 और 2024 में टी-20 विश्व कप जीता था। मौजूदा चैंपियन बनने के साथ ही भारत लगातार दो बार खिताब जीतने वाली और घरेलू मैदान पर टी-20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम भी बन गई। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, भारत और श्रीलंका में आयोजित एक महीने लंबे इस टूर्नामेंट के दौरान कई शानदार व्यक्तिगत और टीम प्रदर्शन देखने को मिले, जिनसे प्रतियोगिता रोमांचक बनी और कई नए रिकॉर्ड भी बने। फाइनल में भारत का 255/5 का स्कोर टी-20 विश्व कप फाइनल का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 253/7 बनाने के बाद टीम लगातार दो मैचों में 250 से अधिक रन बनाने वाली पहली टीम भी बनी। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 256/4 का स्कोर बनाया था, जो इस विश्व. कप का सबसे बड़ा टीम स्कोर है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के साहिब. जादा फरहान ने 383 रन बनाकर एक संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं भारत के संजू सैमसन ने फाइनल में 89 रन बनाकर टी-20 विश्व कप फाइनल की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेली और पूरे टूर्नामेंट में 24 छक्के लगाए। भारत के अभिषेक शर्मा ने फाइनल में 18 गेंदों में अर्द्धशतक लगाकर टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्द्धशतक बनाया। वहीं न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 33 गेंदों में शतक लगाकर टी-20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा। भारत और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल में कुल 499 रन बने, जो टी-20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा रन वाला मैच रहा।

महिलाओं के 10 मी. एयर पिस्टल फाइनल में मनु भाकर ने मारी बाजी

- **ओलंपियन मनु ने नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स टी3 के 10 मी. एयर पिस्टल महिला वर्ग के फाइनल में पहला स्थान हासिल किया**

नई दिल्ली, वार्ता। ओलंपियन मनु भाकर ने डा. कर्णी सिंह शूटिग रेंज में आज समाप्त हुए नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स टी3 (ग्रुप ए) के 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग के फाइनल में पहला स्थान हासिल किया। ट्रायल-2 की विजेता सैन्यम दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने आठ शूटरों के फाइनल में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मनु भाकर फाइनल में आखिरी क्वालिफायर के रूप में पहुंची थीं, लेकिन दूसरे सीरीज के बाद उन्होंने बढ़त बना ली और अंत तक उसे बरकरार रखते हुए 246-1 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। यह स्कोर वर्ल्ड कप फाइनल की रजत पदक विजेता सैन्यम(241-9) से 4-2 अंक अधिक था। एशियन चैंपियनशिप की स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता ईशा सिंह 220-6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। एशियन गेम्स चैंपियन पलक गुलिया 200-2 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं। उनके बाद अंजलि चौधरी (179-8) पांचवें स्थान पर रहीं। सुरभि राव 158-2 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं, जबकि प्रांजलि प्रशांत धुमाल और मुस्कान ने क्रमशः 138-7 और 117-0 के स्कोर के साथ शीर्ष आठ में अपनी जगह बनाई। क्वालिफिकेशन में ईशा सिंह ने 580-21x के स्कोर के साथ पहले स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उनके बाद सुरभि राव ने 578-12x का स्कोर किया। मुस्कान 577-15x के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, जबकि अंजलि चौधरी (575-19x), सैन्यम (575-16x), पलक गुलिया (574-14x) और मनु भाकर (574-11x) ने भी फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

इंडियन वेल्स के चौथे दौर में पहुंचे नोवाक

- **नोवाक जोकोविच ने इंडियन वेल्स में अमेरिका के एलेक्जेंडर कोवासेविक को तीन सेट मुकाबले में हराया**

इंडियन वेल्स, वार्ता। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सोमवार को इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में अमेरिका के एलेक्जेंडर कोवासेविक को तीन सेट के मुक. ाबले में हराकर बीएनपी परिबास ओपन के चौथे राउंड में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने सोमवार को एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में कोवासेविक को 6-4, 1-6, 6-4 से मात दी।

यह 2017 के बाद इंडियन वेल्स में चौथे राउंड में उनकी पहली मौजूदगी होगी। इस आयोजन में पांच बार के चैंपियन जोकोविच इस हफ्ते की शुरुआत में कामिल माजक्रजाक के खिलाफ अपने शुरुआती मैच में भी तीन सेट तक खेलना पड़ा था। जोकोविच ने मैच के बाद कहा कि एलेक्स का प्रदर्शन बहुत अच्छा था। हम एक-दूसरे को जानते हैं। हम एक ही भाषा बोलते हैं। उनका पूरा परिवार सर्बियाई है। मुझे मैच में आते ही पता था कि अगर वह अच्छी सर्विस करते हैं और अपनी जगह चुनते हैं, तो उनकी सर्विस को तोड़ना मुश्किल होगा। रोजर फेडरर के साथ सबसे ज्यादा इंडियन वेल्स टाइटल जीतने का रिकॉर्ड साझा करने वाले जोको. विच हाल के सालों में टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दे सके हैं। उन्हें 2025 में बोटिक वैन डे जैंड्सचुल्प से पहले ही राउंड में चौंकाने वाली हार का स्वाद चखना पड़ा था।

चुनौतियों के बावजूद, जोको. विच ने टूर्नामेंट में अपनी 17वीं बार मौजूदगी के दौरान एक और मुश्किल मुकाबला किया और अब उनका सामना गत चैंपियन जैक ड्रेपर से होगा, जिन्होंने फांसिस्को सेरुंडोलो को 6-1, 7-5 से हराकर चौथे चरण में जगह बनाई है। जोकोविच ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, मैं हर समय सच में खेल का आनंद नहीं ले पा रहा हूं। आप इन हालात में अच्छा खेलने की कोशिश कर रहे होते हैं जब विरोधी जबरदस्त टेनिस खेल रहा हो लेकिन किसी भी तरह जीतना ही मायने रखता है और मुझे खुशी है कि मैं आज इस चुनौती को पार करने में सफल रहा।

इस जीत के साथ ही जोको. विच 1990 में सीरीज शुरू होने के बाद से एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता के चौथे राउंड में पहुं. चने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उनसे आगे सिर्फ इवो कार्लोविक हैं, जिन्होंने 2019 में इंडियन वेल्स में 40 साल की उम्र में यह कामयाबी हासिल की थी। इस बीच, स्पेन की युवा प्रतिभा अल्काराज ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फांस के आर्थर रिडरकनेच को 6-7(6), 6-3, 6-2 से हराकर बीएनपी परिबास ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया।

गोल्डन बुलेट्स और सिल्वर बैंडिट्स के बीच होगा फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली, वार्ता। दिल्ली गोल्फ क्लब में आज इतिहास दो. हराया गया, जब टीम गोल्डन बुलेट्स और सिल्वर बैंडिट्स दिल्ली गोल्फ क्लब गोल्डन मेंबर्स लीग के लगातार दूसरे सीजन के फाइनल में पहुंच गईं। 2025 में लीग के पहले एडिशन में, गोल्डन बुलेट्स ने सिल्वर बैंडिट्स को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी। रविवार, 15 मार्च, 2026 को दोनों टीमें अपनी तरह के पहले फाइनल में फिर से भिड़ेंगी। दिन के आखिरी गेम में, अनुज चंद्रा ने सिल्वर बैंडिट्स के लिए पिन से एक फुट की दूरी पर 40-यार्ड का चिप शॉट मारकर सबका ध्यान खींचा, जिससे उनकी टीम फाइनल में पहुंच गई। सेमीफाइनल फोर बॉल बेटर बॉल फॉर्मेट में खेला गया, जहां हर जोड़ी का बेहतर स्कोर होल के हिंसाब से गिना गया। चारों टीमों में से हर एक ने 12 खिलाड़ी मैदान में उतारे थे, जो 6 ग्रुप में खेल रहे थे।

विंडीज के खिलाफ संजू की पारी टर्निंग पॉइंट थी : गंभीर

अहमदाबाद, वार्ता। भारत ने अहमदाबाद में फाइनल में न्यूजीलैंड को आसानी से हराकर अपना तीसरा आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप टाइटल जीता। जियोस्टार के 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने टीम की टाइटल जीत, खिलाड़ियों के अग्रेसिव अप्रोच और टीम के कैंपेन के टर्निंग पॉइंट पर अपने विचार शेयर किए। गंभीर ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह कहना बहुत मुश्किल है, लेकिन मेरा अब भी मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ संजू की 97 रन की पारी इस कैंपेन का टर्निंग पॉइंट थी क्योंकि फिर से, यह एक वर्चुअल क्वार्टर-फाइनल था और कोई ऐसा खिलाड़ी वापसी कर रहा था जिसने जिम्बाब्वे गेम से पहले चार या पांच मैच नहीं खेले थे।

वर्ल्ड कप गेम में, चाहे ग्राउंड कोई भी हो, वर्चुअल क्वार्टर-फाइनल में 195 रन का पीछा करना कभी आसान नहीं होता। जिस आसानी और शांति से उन्होंने बैटिंग की, मुझे लगता है कि इससे हमें ग्रुप में बहुत कॉन्फिडेंस मिला कि अब, शायद, हम सही रास्ते पर हैं। उससे पहले, बहुत बातें होती थीं कि हम बाइलेटरल मैचों में बहुत एग्रे. सिव खेलते हैं लेकिन आईसीसी टूर्नामेंट में नहीं। वेस्टइंडीज गेम के बाद, जब संजू ने अच्छा खेला और ईशान किशन ने नंबर तीन पर बैटिंग की, तो मुझे लगा कि बहुत सी चीजें असल में शेप लेने लगी हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक कोच के तौर पर वर्ल्ड कप जीतूंगा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इंडियन टीम का हेड कोच बनने का मौका या खास मौका मिलेगा क्योंकि इंडिया की जर्सी फिर से पहनना या देश के लिए कुछ खास करना बहुत बड़ी बात है।

मेलबर्न, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अपनी महिला टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें ऑलराउंडर सोफी मोलिनेक्स की चोट के बाद वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 19 मार्च से शुरू होने वाले इस दौरे पर तीन टी-20 और तीन वनडे मैच खेलेगी।

उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम) कॉरपोरेट आईडेन्टीटी नं0 U40109UR2001SGCO25867/2358
विक्टोरिया क्रॉस विजेता गबर सिंह ऊर्जा भवन, कांवली रोड़, देहरादून
फोनः 91-135-2763672-76 फैक्सः 91-135-2760289

पत्रांक : 175/EE(CM)/UPCL/A-2 दिनांक : 10.03.2026

ई-निविदा विस्तार सूचना

इस कार्यालय द्वारा पूर्व में प्रकाशित ई-निविदा विशिष्टीकरण संख्या सी.सी.पी. -II/23/2025 -2026 के अन्तर्गत आर०डी०एस०एस० योजना के तहत टर्नकी आधार पर ऋषिकेश में 33/11 के.वी. इन्डोर टाइप जी.आई.एस उपस्थान (i) रामझूला -2x10एम.वी.ए. (ii) बैराज-2/ गुमानीवाला-2x12.5 एम.वी.ए. एवं सम्बन्धित 11 के.वी. एवं 33 के.वी. विद्युत लाइन का निर्माण का कार्य की तिथि को अपरिहार्य कारणों से विस्तारित किया जाता है। ई-निविदा क्रय एवं जमा दिनांक 17.03.2026 को 17:00 बजे तक की जा सकती है। ई-निविदा का भाग-एक दिनांक 18.03.2026 को 15:30 बजे खोला जायेगा।

अन्य नियम व शर्ते मूल ई-निविदा के अनुसार रहेंगी। अन्य विवरण के लिए कृपया वेबसाईट www.uktenders.gov.in. को देखें।

अधीक्षण अभियन्ता कारपोरेट (अनुबन्ध एवं क्रय-द्वितीय)

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें।
(टोल फ्री नं0 1912) विद्युत बिलों के 24X7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएँ
(विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं0 18001804185/फैक्स नं0 0135-2760911 पर दें)

कार्यालय जिला पंचायत, ऊधम सिंह नगर

पत्रांकः 3567/सम्पत्ति-जि0पं0ऊ0सिं0न0/2025-26 दिनांक 10.03.2026

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत, ऊधम सिह नगर के क्षेत्रान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 से तीन वर्ष हेतु अर्थात दिनॉक 01.04.2026 से दिनॉक 31.03.2029 तक के लिए कृषि भूखण्डों का ठेके हेतु दिनॉक 19.03.2026 को 12:00 मध्यान्ह तक निविदायें आमन्त्रित की जाती है, तथा दिनॉक 19.03.2026 को अपरान्ह 1:00 बजे से कृषि भूखण्डों की निविदायें उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष जिला पंचायत के सभागार में खोली जायेगी।

क0सं0	कृषि भूखण्ड का नाम	विकास खण्ड का नाम	जमानत धनराशि	वर्ष 2026-27 से तीन वर्ष के निर्धारित न्यूनतम धनराशि
1	ऐंजनिया	सितारगंज	75,000.00	3,68,000.00
2	बिचपुरी	सितारगंज	1,00,000.00	4,24,700.00
3	मानपुर	कशीपुर	10,000.00	49,000.00
4	ढकिया नं01	कशीपुर	50,000.00	2,47,500.00
5	हल्दुवाशाहू	जसपुर	50,000.00	2,16,700.00
6	कुण्डा	जसपुर	1,00,000.00	4,45,700.00
7	गढीहुसैन	जसपुर	50,000,000	2,75,600.00
8	करनुपर	जसपुर	10,000.00	29,200.00
9	तुर्कातिसौर	सितारगंज	100000.00	4,01,500.00

शर्तें

कृषि भूखण्डों के उच्चतमन निविदादाता को ठेके की सम्पूर्ण धनरराशि उसी दिवस ठेका स्वीकृति की प्रत्याशा में जमा करनी होगी। उच्चतमन निविदादाता द्वारा निविदा की सम्पूर्ण धनराशि जमा न करने की दशा में उसकी जमानत/धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। जिला पंचायत, ऊधम सिंह नगर के किसी भी बकायेदार को निविदा में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा, मौके पर उपलब्ध कृषि भूखण्ड के अनुसार ही निविदादाता अपनी निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा स्वीकृति के उपरान्त किसी भी कृषि भूखण्ड के ठेके की धनराशि कम नहीं की जायेगी।

नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्तियों को आधार कार्ड, पहचान पत्र, राशन कार्ड पत्र प्रस्तुत करना होगा जमानत की धनराशि का बैंक ड्राफ्ट अथवा सावधी जमा रसीद(एफ0डी0आर0) जो कि अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, ऊधम सिंह नगर के पदनाम से बन्धक हो, निविदा के साथ संलग्न करना होगा।

उच्चतम निविदा की धनराशि सम्बन्धित ठेके के कार्यालय मानकों के अनुरूप न होने की दशा में पुनः निविदा आमन्त्रित करने का अधिकार मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत, ऊधम सिंह नगर के पास सुरक्षित होगा। अन्य शर्तें किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय में देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र का मुल्य 350 रू0 पर 18प्रतिशत जी0एस0टी0 अतिरिक्त देय होगी।

पुनः निविदा फार्म दिनॉक 11.03.2026 से दिनॉक 18.03.2026 तक कार्यालय दिवस में कार्यालय से निविदा शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, ऊधम सिंह नगर

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान, चम्पावत।
फैक्सः 05965-230485
दूरभाष(का0) 05965-230485
E-mail - eechp-ujs- uk@nic.in

पत्रांक 366 /निविदा/20 दिनांक 10/03/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

एतदद्वारा मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून की ओर से विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से मुहरबन्द निविदायें दिनांक 25.03.2026 के अपरान्ह 12:00 बजे तक टैंडर बॉक्स के माध्यम से आमंत्रित किये जाते है, जो उसी दिन अपरान्ह 3:00 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष निविदायें खोली जायेंगी। एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास निहित होगा।

क0 सं0	योजना का नाम	विकास खण्ड	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 सहित)	धरोहर धनराशि	ठेकेदार की श्रेणी
1	लोहाघाट नगर चौड़ी पम्पिंग पेयजल योजना अन्तर्गत पुलिया निर्माण कार्य।	लोहाघाट	1770.00	22000.00	D' एवं उच्चतर
2	सुखीढांग पेयजल योजना मरम्मत कार्य।	चम्पावत	1180.00	12000.00	D' एवं उच्चतर

नियम एवं शर्ते :-

1. निविदा प्रपत्र दिनांक **17.03.2026 से दिनांक 24.03.2026 अपरान्ह 2.00 बजे** तक अवकाश को छोड़कर किसी भी कार्य दिवस में शाखा कार्यालय, उत्तराखण्ड जल संस्थान चम्पावत से निविदा प्रपत्र का मूल्य नगद अथवा डाक द्वारा जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। डाक द्वारा निविदा प्रपत्र मागने पर रू0 50.00 अतिरिक्त देय होगा।
2. धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्रों (एन0एस0सी0)/एफ0डी0आर0 जो कि अधोहस्ताक्षरी के पद नाम से बन्धक हों के रूप में ही स्वीकार की जाएगी, बिना धरोहर धनराशि के कोई भी निविदा निर्गत नही की जायेगी।
3. निविदा के साथ रू0 100.00 (एक सौ रूपये) का नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प एक रूपये के हस्ताक्षर युक्त रसीद टिकट के साथ लगाना अनिवार्य होगा।
4. निविदा आमंत्रित तिथि को अवकाश होने पर निविदाएं अगले कार्यदिवस में खोली जायेगी।
5. टैण्डर डालने से पूर्व ठेकेदार कार्य स्थल का निरीक्षण करके ही दरें डालें।
6. निविदा प्रपत्र में प्रत्येक कार्य हेतु प्रथक--प्रथक दरें अंकित की जानी अनिवार्य है। प्रतिशत पर दी गई दरें मान्य नहीं होंगी जिस कारण निविदा निरस्त कर दिये जायेंगे।
7. शेष शर्तें निविदा प्रपत्र के अनुसार मान्य होंगी।

(आर0पी0डोबवाल)
अधिशासी अभियन्ता।

लक्सर के नगला खिताब में आधी रात को अज्ञात युवकों ने फैलायी दहशत

अंधाधुंध फायरिंग, मांगी 10 लाख की रंगदारी

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नगला खिताब में बीती रात बदमाशों ने सरेआम कानून को चुनौती दी।

जानकारी के अनुसार रात करीब 12:10 बजे बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने एक घर को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिससे पूरे गांव में दहशत का माहौल है। पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर देकर जान-माल की सुरक्षा और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। **रंगदारी और लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम**-पीड़ित चौधरी गौरव कुमार ने बताया कि घटना से पहले उन्हें जान से मारने की धमकियां दी जा रही थीं। हमलावरों ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए गौरव और उनके एक मित्र से 5-5 लाख रुपये (कुल 10 लाख) की रंगदारी मांगी थी। गौरव ने बताया कि वह शाम को पुलिस थाने में तहरीर लिख ही रहे थे कि उन्हें लगातार फोन और व्हाट्सएप कॉल आ रहे थे, जिसे उन्होंने रिसीव नहीं किया। **फायरिंग की पूरी घटना**-गौरव के मुताबिक, जैसे ही वह थाने से तहरीर देकर घर पहुंचे, तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए बदमाशों ने घर के बाहर मोर्चा संभाल लिया और अलग-अलग मौजर (हथियारों) से धड़ाधड़ फायरिंग शुरू कर दी। **चश्मदीद का बयान:** गौरव के चाचा ने बताया, ष्मैं घर पर ही था, रात करीब 12:10 बजे अचानक पटाखों जैसी आवाज आई। बाद में पता चला कि वे गोलियां थीं, जो दरवाजे को चीरती हुई पार निकल गईं। हमलावर वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस की कार्रवाईघटना की सूचना मिलते ही लक्सर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और वहां हुई फायरिंग के निशानों की वीडियोग्राफी की।

> ❖ लॉरेंस बिश्नोई के नाम से दी जा रही है पीड़ित को धमकी
>
> ❖पीड़ित ने मुंडा खेड़ा खुर्द के कुछ युवकों व साथियों पर शक जताते हुए दी तहरीर
>
> ❖पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोलियों के निशानों की वीडियोग्राफी करने के साथ आप की तलाश में जुटी

पीड़ित ने मुंडा खेड़ा खुर्द के कुछ युवकों और उनके साथियों पर शक जताते हुए नामजद तहरीर दी है। दहशत में परिवारगौरव कुमार ने पुलिस प्रशासन से इंसाफ की गुहार लगाते हुए कहा कि वह अपने बच्चों और परिवार की सुरक्षा को लेकर बेहद डरे हुए हैं। उन्हें डर है कि बाजार या स्कूल जाते वक्त ये लोग किसी बड़ी अप्रिय घटना को अंजाम न दे।

एक नशा तस्कर दबोचा 18.20 ग्राम स्मैक बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाना पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से 18.20 ग्राम अवैध स्मैक बरामद करते हुए आरोपी खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उतराखण्ड के "ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान" के अन्तर्गत उनके मिशन को साकार करने हेतु ँच हरिद्वार द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अभियुक्तो के विरूद्ध कडी कार्यवाही किये जाने हेतु आदेशित किया गया है। उपरोक्त क्रम में प्रभारी निरीक्षक भगवानपुर के नेतृत्व में थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए को दौराने चैकिंग खेलपुर रोड भगवानपुर से आरोपित अफजाल पुत्र छोटन निवासी-ग्राम खेलपुर थाना भगवानपुर जिला हरिद्वार को 18.20 ग्राम अवैध स्मैक के साथ पकडा गया। आरोपित के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस टीम में अ०उ०नि० प्रदीप चौहान, कानि० राहुल0, कानि० रविन्द्र राणा आदि शामिल रहे।

गोकशी करते एक आरोपी मांस सहित गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। जनपद में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत लक्सर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। ग्राम रणसूरा में गोकशी की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, जबकि उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।

क्या है पूरामामला-लक्सर पुलिस को मुखबिर के जरिए ग्राम रणसूरा में गोकशी होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। खेतों की ओर जाने वाली सड़क पर कुछ संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया, जिसमें पुलिस ने घेराबंदी कर एक युवक को दबोच लिया।बरामदगी और गिरफ्तारीपकड़े गए आरोपी के पास से भारी मात्रा में गोमांस और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले धारदार उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार:गिरफ्तार अभियुक्त: अमीर (22 वर्ष) पुत्र समीम, निवासी ग्राम रणसूरा, कोतवाली लक्सर हरिद्वार।फरार आरोपी: अन्य अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए क्षेत्र में दबिश दी जा रही है। आरोपी को आज न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

सीएफओ ने फायर स्टेशन रुड़की व भगवानपुर का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। मुख्य अग्निशमन अधिकारी वंश बहादुर यादव ने फायर स्टेशन रुड़की एवं फायर स्टेशन भगवानपुर का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम अग्निशमन अधिकारी रुड़की वंश नारायण यादव एवं प्रभारी अग्निशमन अधिकारी भगवानपुर केशवदत्त तिवारी द्वारा मुख्य अग्निशमन अधिकारी को सलामी दी गई। इसके पश्चात मुख्य अग्निशमन अधिकारी यादव ने फायर स्टेशन प्रांगण में फॉलीन परेड का निरीक्षण कर सभी कर्मचारियों के टर्न-आउट की जांच की। निरीक्षण में सभी कर्मचारी निर्धारित एवं साफ-सुथरी वर्दी में पाए गए। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों से उनकी व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याओं के बारे

में भी जानकारी ली, जिस पर किसी कर्मचारी द्वारा कोई समस्या नहीं बताई गई। परेड निरीक्षण के उपरांत दोनों फायर स्टेशनों में उपलब्ध टर्न-आउट वाहनों का निरीक्षण किया गया। चालकों द्वारा सभी वाहनों को स्टार्ट कर उनकी कार्यशीलता प्रदर्शित की गई। इसके बाद मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने एफएसओ कार्यालय, स्टोर तथा एमटी स्टोर के अभिलेखों का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी वाहनों को सदैव उच्च कोटि की कार्यशील स्थिति में रखा जाए तथा समय-समय पर मोबिल ऑयल सहित अन्य आवश्यक तकनीकी जांच नियमित रूप से की जाती रहे। निरीक्षण के दौरान वॉचरूम ड्यूटी की भी जांच की गई, जहां ड्यूटी पर तैनात फायरमैन वर्दी में सतर्क एवं सजग पाए गए तथा संचार व्यवस्था भी पूर्णत: कार्यशील पाई गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने निर्देशित किया कि वॉचरूम संचार का मुख्य केंद्र होता है, इसलिए यहां तैनात कर्मियों को सदैव अपडेट एवं सतर्क रहना चाहिए। साथ ही सभी कर्मचारियों को एमडीटी प्रणाली का ज्ञान होना भी आवश्यक बताया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने फायर स्टेशन की बैरकों और भोजनालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बैरक एवं भोजनालय का रखरखाव संतोषजनक एवं उत्तम पाया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि अग्निकांड के दौरान टर्न-आउट करते समय निर्धारित वर्दी एवं पीपीई किट का अनिवार्य रूप से प्रयोग किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी कर्मचारियों को अनुशासन में रहकर अपनी ड्यूटी का निर्वहन करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने अग्निशमन अधिकारी रुड़की एवं प्रभारी अग्निशमन अधिकारी भगवानपुर को कर्मचारियों की शारीरिक फिटनेस के लिए नियमित पीटी एवं व्यायाम कराने के निर्देश दिए। साथ ही अग्निशमन एवं आपात सेवा मुख्यालय तथा उच्च अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन ही स्वस्थ राष्ट्र की नींव है, इसलिए सभी कर्मचारियों को सदैव फिट रहने, नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को समय-समय पर प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत करने की भी आवश्यकता है। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन अधिकारी रुड़की श्री वंश नारायण यादव, प्रभारी अग्निशमन अधिकारी भगवानपुर श्री केशवदत्त तिवारी, लीडिंग फायरमैन अतर सिंह राणा, लीडिंग फायरमैन भगवती प्रसाद, लीडिंग फायरमैन राजेश कुमार, चालक विपिन सिंह तोमर, चालक मोहन सिंह नेगी सहित समस्त अंडर ऑफिसर एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

दो अलग-अलग पिकअप वाहन से 6 गोवंशीय पशु बरामद, दो गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाना कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो अलग-अलग वाहनों में छ : गोवंशीय पशु को बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है वहीं एक युवक भागने में कामयाब रहा।

जानकारी के अनुसार एसएसपी हरिद्वार द्वारा गोवंशीय पशुओं को वाहनो में क्रूरता पूर्वक परिवहन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्द 'पशु क्रूरता अधिनियम' में कार्रवाई किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उपरोक्त क्रम में कोतवाली भगवानपुर पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए दौराने चौकिंग गागलहेडी अंडरपास के पास पिकअप को चौक किया गया तो चालक के साथ बैठा व्यक्ति खिडकी खोलकर मौके से फरार हो गया। चालक से नाम पता पूछने पर चालक द्वारा अपना नाम 'शोयब पुत्र हमीद' निवासी-सिकरोडा कोतवाली भगवानपुर जिला हरिद्वार बताया गया। पिकअप के डाले को चौक करने पर डाले में 04 गोवंशीय पशुओं को क्रूरता पूर्वक परिवहन किया जा रहा था। पशु चिकित्सा अधिकारी को मौके पर बुलाकर गोवंश का मैडिकल करवाया गया है। व साथी फरार अभियुक्त 'शेहरफ पुत्र मकसूद' निवासी-ग्राम सिकरोडा कोतवाली भगवानपुर जिला हरिद्वार की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। उपरोक्त प्रकरण में अभियुक्तगण के विरूद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। वही अलावलपुर के पास चेकिंग के दौरान एक और पिकअप वाहन से दो गोवंशीय पशु को बरामद करते हुएसलीम पुत्र मौ० इखलाक ग्राम गन्देवडा थाना फतेहपुर जिला सहारनपुर उ०प्र० गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम-उ०नि० सुनील रमोला, कानि० दीपक मंमगाई, कानि० रविन्द्र राणा शामिल रहे।

सीबीआरआई में फ्लावर शो का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सीएसआईआर केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई), रुड़की में मंगलवार को 51वां वार्षिक फ्लावर शो उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष की थीम ष्पर्यावास और प्रकृति का सामंजस्यष रही, जो आधुनिक मानव आवास और प्राकृतिक संतुलन के बीच एक सेतु का कार्य करती दिखी। रंग-बिरंगे फूलों और दुर्लभ पौधों की खुशबू से पूरा संस्थान परिसर सराबोर रहा।

प्रकृति और विकास का संतुलन-संस्थान के निदेशक प्रो. आर. प्रदीप कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि फूल न केवल सुंदरता के प्रतीक

हैं, बल्कि वे हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सतत विकास तभी संभव है जब हम अपने प्राकृतिक संसाधनों और हरियाली के संरक्षण को प्राथमिकता दें। डॉ. चंदन स्वरूप मीना ने अपने स्वागत उद्बोधन में आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने सामूहिक रूप से इस बात को दोहराया कि यह प्रदर्शनी केवल फूलों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि प्रतिभागियों की कड़ी मेहनत और प्रकृति के प्रति अटूट प्रेम का जीवंत उदाहरण है। पुष्प प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं ने दर्शकों का मन मोह लिया। इनमें पुष्प सज्जा: फूलों को कलात्मक रूप देकर पर्यावरण का संदेश दिया गया। गमला प्रदर्शनी: विभिन्न सजावटी और दुर्लभ पौधों की प्रजातियों का प्रदर्शन। बागवानी श्रेणियाँ: विशेषज्ञों और शौकिया बागवानों की रचनात्मकता की सराहना की गई। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण अस्वथी, दीप्ति कर्माकर और मिस दीक्षा गुप्ता द्वारा आयोजित फैशन शो रहा। इस शो ने पारंपरिक पुष्प प्रदर्शनी में आधुनिकता और उत्साह का एक नया रंग भर दिया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजिका डॉ. लीना चौरसिया और सह-संयोजक डॉ. सोजू एलेक्जेंडर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. लीना चौरसिया ने अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रकृति के प्रति जागरूकता पैदा करना है। प्रदर्शनी ने न केवल रुड़की के निवासियों को मंत्रमुग्ध किया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सशक्त प्रेरणा भी दी।

विधानसभा सत्र के दौरान पुलिस उपाधीक्षक अखिलेश ने संभाली गार्ड ऑफ ऑनर की कमान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सोमवार को घर्षण में विधानसभा बजट सत्र से पूर्व महामहिम राज्यपाल जनरल गुरमीत सिंह सेवानिवृत्ति को विधान सभा परिसर में पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया इस गार्ड ऑफ ऑनर की कमान पुलिस उपाधीक्षक अखिलेश कुमार ने संभाली। सोमवार को राज्य की गैरसैण में विधनसभा बजट सत्र का शुभारंभ हुआ इस दौरान महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह सेवानिवृत्ति व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा विधनसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी आदि जब विधानसभा पहुंचे तो इस दौरान जवानों द्वारा विधानसभा परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कमान नरेंद्र नगर पीटीसी के डिप्टी एसपी अखिलेश कुमार ने संभाली।

लाइनमैन की तैनाती की मांग

रुड़की। भारापुर के प्रधान अजय कुमार, हलवाहेड़ी के प्रधान शौकत अली, नगला खुर्द के प्रधान, बीडीसी सदस्य दीपक राम और मुबारिक अली ने ऊर्जा निगम के अधीक्षण अभियंता विवेक राजपूत से मिलकर रहमतपुर बिजलीघर से जुड़े एक लाइनमैन पर कई आरोप लगाए।

संबंध विच्छेद सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र पुलकित व उसकी पत्नी हिमानी का आचरण मेरे व मेरे परिवार के प्रति ठीक न होने के कारण मैंने पुलकित व हिमानी को अपनी तमाम चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। आज के बाद उक्त दोनों के किसी भी अनैतिक कृत्व व लेनदेन की मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। **प्रमिला पत्नी मेघराज नि. पुरूषोत्तम नगर पथरी फोरेस्ट रेंज हरिद्वार अम्बुवाला।**

नाबालिग को अपहरण कर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

बुग्गावाला। थाना बुग्गावाला क्षेत्र में नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सक्रिय हुई पुलिस टीम ने डिजिटल साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को उसके गांव से दबोच लिया।

कोतवाली बुग्गावाला क्षेत्र की एक महिला ने 5 मार्च 2026 को थाने में लिखित तहरीर देकर बताया कि परमजीत पुत्र रामचन्द्र निवासी ग्राम बड़ी लाम, थाना भगवानपुर, जनपद हरिद्वार उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। शिकायत के आधार पर कोतवाली बुग्गावाला में मुकदमा संख्या 16/2026 सुसंगत धाराओं में दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई। मामले की विवेचना महिला उप निरीक्षक प्रीति तोमर को सौंपी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक बुग्गावाला के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन कर आरोपी की तलाश तेज कर दी गई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया और पुलिस ने आरोपी परमजीत को उसके गांव लाम से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में महिला उप निरीक्षक प्रीति तोमर, अपर उप निरीक्षक अरविंद भट्ट, हेड कांस्टेबल गोपाल कुमार और कांस्टेबल विक्रम शामिल रहे।

उच्च न्यायालय नैनीताल की मुहिम से लक्सर में

गांव के आखिरी छोर तक पहुंचेगा न्याय

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। न्याय की पहुँच अब केवल कचहरी की चहारदीवारी तक सीमित नहीं रहेगी। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (नैनीताल) के निर्देशानुसार और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरिद्वार के सहयोग से लक्सर के ग्रामीण क्षेत्रों में आखिरी छोर तक न्याय पहुँचाने के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े गरीब नागरिकों और वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क कानूनी सहायता प्रदान करना है। आपसी समझौते से सुलझेंगे विवाद- अभियान की टीम में शामिल पंकज एडवोकेट (हरिद्वार) ने बताया कि उच्च न्यायालय नैनीताल के आदेश पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया किगाँवों में विधिक जानकारी देकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा हैछोटे-बड़े विवादों को आपसी समझौते के जरिए निपटाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि कोर्ट-कचहरी के चक्कर कम हों और समाज में भाईचारा बना रहे।न्यायालय की मंशा है कि ष्न्याय सबके लिएष का सपना सच हो

मिलेगा पूरी तरह नि:शुल्क इंसाफ-सेवानिवृत्त अधिवक्ता अनीता भारद्वाज ने इस मुहिम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जहाँ गरीब व्यक्ति न्याय की उम्मीद छोड़ देता है, वहाँ सरकार और प्राधिकरण मशाल बनकर पहुँच रहे हैं। उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा: किसी भी गरीब नागरिक को अपना केस लड़ने के लिए एक रुपया भी खर्च नहीं

करना पड़ेगा। वकील पूरी तरह नि:शुल्क केस लड़ेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जन-कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि हर नागरिक को उसके घर के पास ही सुलभ और सस्ता न्याय मिलेमुहिम की मुख्य बातेंसेवा विवरण लक्ष्य, समाज के अंतिम व्यक्ति तक कानूनी मदद पहुँचाना खर्च, पात्र गरीब नागरिकों के लिए पूरी तरह मुफ्त तरीका, विधिक शिविर, परामर्श और लोक अदालत के माध्यम से समझौता, क्षेत्र लक्सर के दूरस्थ ग्रामीण इलाके।

अवैध सीवर कनेक्शन पर राजस्व अभियंता का छापा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। शहर में सीवर अवैध कनेक्शन पर उत्तराखंड जल संस्थान गंगा के राजस्व अभियंता मोहित राणा का छापा अवैध सीवर कनेक्शन की जांच के लिए देहरादून से विजिलेंस कारवाई करेगी गौरतलाब है कि जल संस्थान में शासन द्वारा विजिलेंस गठित कर दी गई है रुड़की शहर में लगातार हों रहे निर्माण कमर्शियल कॉम्प्लेक्स प्रतिष्ठानों का निमार्ण युद्ध स्तर पर चल रहा है जिनके सीवर कनेक्शन भी किए जाने मैंडेटरी है आर बड़े प्रतिष्ठानों को नियमानुसार एटीपी एसटीपी पीसीबी के पैरामीटर अनुसार जरूरी है परंतु कुछ प्रतिष्ठान नियमों का पालन ना कर अवैध सीवर हेतु टीम का गठन भी कर लिया गया है जो अवैध कनेक्शंस की जांच कर नोटीस ओर जुर्माने की कारवाई करेगी।

आज टीम ने सिविल लाइंस और हरिद्वार रोड़ पर दो बड़े कॉम्प्लेक्स की माप की है और नॉटिस की तैयारी की जा रही है मलकपुर चुंगी पर एक कॉम्प्लेक्स की रिपोर्ट तयार कर एचआरडीए को भी रिपोर्ट प्रेषित की जाएगी उक्त कॉम्प्लेक्स द्वारा खुले आम रोड़ पर गंदा पानी बहाया जा रहा है जिसकी शिकायत लोगो द्वारा उपखंड अधिकारी जुनैद गौड से की गई थी।रुड़की नगर अनेक सरकारी गैर सरकारी बड़े कार्यल्य है जिनमे सीवर संचालन अनुरक्षण शाखा गंगा विभाग द्वारा किया जाता है रुड़की नगर में घेरलू अघेरलु कनेक्शंस की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम मोहल्लावार जांच करेगी और अवैध कनेक्शंस पाए जाने पर नोटिस और जुर्माने की कारवाई की जाएगी। आज सिविल लाइंस मार्केट में राजस्व अभियंता मोहित राणा ने छापा मारा और अनेक प्रतिष्ठानों और मिठाई की दुकानों पर अवैध कनेक्शन के नोटिस चस्पा किए इसके अतिरिक्त हरिद्वार रोड पर बार पर भी अवैध कनेक्शन पर नोटिस चस्पा कर दिए गए है राजस्व जे ई मोहित राणा ने कहा कार्यवाही अनवरत चलती रहेगी अवैध कनेक्शन धारको पर एफ आई आर की कार्यवाही की जा रही है अगले सप्ताह विजिलेंस भी रुड़की नगर में जांच करेगी। अवैध कनेक्शन पकड़े जाने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 11 मार्च 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

पद की गरिमा

गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नौवें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में भाग लेने के दौरान कथित लापरवाही के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। यह कथित लापरवाही प्रोटोकॉल, मार्ग सुरक्षा और कार्यक्रम स्थल प्रबंधन से संबंधित हैं। पश्चिम बंगाल में आयोजित इंटरनेशनल संथाल कॉन्क्लेव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे से जुड़ा विवाद केवल कार्यक्रम में व्यवस्था तक सीमित नहीं। यह मामला अब संवैधानिक गरिमा, प्रशासनिक जवाबदेही और चुनावी राजनीति का बन चुका है। राष्ट्रपति का खुद सार्वजनिक रूप से खामियों की ओर इशारा करना भी सामान्य बात नहीं है। विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब कार्यक्रम स्थल आखिरी समय में बदल दिया गया। स्थानीय प्रशासन का तर्क था कि मूल स्थान भीड़भाड़ वाला था, लेकिन राष्ट्रपति ने खुद उस स्थान का दौरा किया और कहा कि जगह पर्याप्त थी। इसके अलावा प्रोटोकॉल के उल्लंघन और दूसरी लाप. रवाही की बात भी कही जा रही है। भारत में राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर माना जाता है। केंद्र और राज्यों में सरकार चाहे किसी की भी हो, लेकिन राष्ट्रपति का कार्यक्रम कभी किसी राजनीतिक विवाद में नहीं पड़ता। यह पद किसी व्यक्ति की नहीं, देश की गरिमा और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। ऐसे में अगर राष्ट्रपति खुद यह महसूस करती हैं कि उनके सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया, तो कई सवाल खड़े होते हैं। राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल को लेकर सख्त नियम है, जिनका पालन हर हाल में करना होता है। राष्ट्रपति को आमतौर पर राज्य के मुख्यमंत्री रिसीव करते हैं या उनकी तरफ से नॉमिनेट उनका कोई मिनिस्टर। बताया जा रहा है कि बंगाल में ऐसा नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने इस चुक पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है, लेकिन इस घटना से जुड़ा एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और वह है पश्चिम बंगाल की राजनीति। राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मुख्य टक्कर बीजेपी टीएमसी के बीच मानी जा रही। चुनावी मैदान की यही तल्खी अब संवैधानिक परंपराओं में दिख रही है। टीएमसी ने केंद्र पर राष्ट्रपति पद के राजनी. तिक इस्तेमाल का आरोप लगाया है। सीएम ममता बनर्जी कह रही हैं कि कोई प्रोटोकॉल नहीं टूटा। यह कार्यक्रम संथाल आदिवासियों से जुड़ा था। राष्ट्रपति खुद इस समुदाय से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन, अब ध्यान मुख्य मुद्दे से हटकर इस विवाद की ओर चला गया। इस मामले से यह भी पता चलता है कि देश में कई बार बड़े आयोजनों तक की तैयारी आखिरी वक्त तक चलती रहती है। अगर राष्ट्रपति के दौरे से जुड़े सारे इंतजाम पहले ही पूरे होते, तो शायद यह विवाद खड़ा ही नहीं होता।

देश की जनता सच्चाई जान ही जाएगी

मोदी सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष नाम की संस्था की आजादी खत्म कर दी है, लेकिन विपक्ष उसे बचाने में लगा है, इसी मसले पर व्यापक चर्चा के मकसद से अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, ये लोग हर संस्था को खत्म करने की कोशिश करते हैं, हम हर उस संस्था को बचाने के लिए लड़ रहे हैं, जिनके ऊपर भारत का लोकतंत्र टिका हुआ है, भाजपा के लोगों को यही बातें पचती नहीं हैं, मेरी दादी इंदिरा जी कहती थीं कि कोई नकली बनने की कोशिश करे या झूठी इमेज दिखाए, देश की जनता उसकी सच्चाई जान ही जाएगी, मेरे भाई राहुल गांधी हमेशा सच बोलते हैं, वो देश में एक ही व्यक्ति हैं, जो मोदी सरकार के आगे झुके नहीं हैं, भाजपा ने उन्हें रोकने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर दिए, सोशल मीडिया कैंपेन चलाए, लेकिन सच्चाई सबके सामने है। **-प्रियंका गांधी, महासचिव कांग्रेस**

परिसीमन 2026 : लोकतंत्र का संतुलन या राजनीति की नई जंग

रश्मि चौधरी

परिसीमन (डेलिमिटेशन) लोकतंत्र की वह महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जिसके माध्यम से जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं और प्रतिनिधियों की संख्या तय की जाती है। भारत को 1947 में स्वतंत्रता मिली और 1950 में संविधान लागू हुआ, लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक शुरुआत 1952 के पहले आम चुनावों से हुई। इन चुनावों की आधारभूमि 1951 की जनगणना और उसके आधार पर किए गए परिस. ीमन ने तैयार की थी। परिसीमन यह सुनिश्चित करता है कि बदलती जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व संतुलित और न्यायसंगत बना रहे। इसलिए यह केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की संरचना को आकार देने वाली केंद्रीय व्यवस्था है। इस दृष्टि से कहा जा सकता है कि स्वतंत्रता ने राजनीतिक आजादी दी, संविधान ने शासन की रूपरेखा दी, जबकि परिसीमन और 1952 के चुनावों ने भारत में लोकतंत्र को वास्तविक रूप में स्थापित किया।

परिसीमन की प्रक्रिया: कैसे होता है सीटों का निर्धारण और कौन करता है फैसला

परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसकी शुरुआत नई जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों से होती है। जनगणना के बाद केंद्र सरकार एक स्वतंत्रप रिसीमन आयोगका गठन करती है, जिसमें आमतौर पर सर्वोच्च न्यायालय के सेवा. निवृत्त न्यायाधीश यानि अध्यक्ष, चुनाव आयोग के प्रतिनिधि और संबंधित राज्यों के चुनाव आयुक्त सदस्य होते हैं। यह आयोग जनसंख्या के अनुपात के आधार पर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाएं तथा सीटों की संख्या निर्धारित करता है, ताकि प्रत्येक प्रतिनिधि लगभग समान जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करे। आयोग सार्वजनिक सुझावों और आपत्तियों पर विचार करने के बाद अपनी अंतिम रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपता है। परिसीमन आयोग के निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होते हैं तथा उन्हें अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। इसलिए यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को संतुलित और निष्पक्ष बनाए रखने की एक महत्वपूर्ण संवैधानिक व्यवस्था मानी जाती है।

परिसीमन आयोग के फैसलेरू क्यों नहीं दी गई चुनौती की अनुमति?

परिसीमन आयोग की रिपोर्ट को अदालत में चुनौती न देने का प्रावधान इसलिए बनाया गया है ताकि निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण की प्रक्रिया न्यायिक विवादों में उलझकर वर्षों तक न अटके और चुनाव प्रक्रिया बाधित न हो। संविधान निर्माताओं ने गहन विचार के बाद परिसीमन आयोग को एक स्वतंत्र और अंतिम प्राधिकरण का दर्जा दिया, जिसकी अधिसूचित रिपोर्ट बाध्यकारी होती है और उस पर न्यायिक हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।

परिसीमन का आधार जनगणना के आंकड़े होते हैं, ताकि जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व संतुलित और न्यायसंगत बना रहे। स्वतंत्रता के बाद यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक था कि लो. कतंत्र केवल कुछ प्रभावशाली वर्गों तक सीमित न रह जाए। इसलिए जनसंख्या बढ़ने के साथ प्रति. निधियों की संख्या और निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण किया जाता है, जिससे नए सामाजिक वर्ग, क्षेत्र और आवाजें राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल हो सकें। इस प्रकार, परिसीमन आयोग के निर्णयों को अंतिम रखने का उद्देश्य लोकतंत्र को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसे स्थिर, निरंतर और अधिक प्रतिनिधिक बनाना है।

परिसीमन का आम जनता पर प्रभाव: प्रतिनिधित्व, संवाद और लोकतंत्र की सेहत

परिसीमन का सीधा प्रभाव आम जनता और उनके जनप्रतिनिधियों के संबंध पर पड़ता है। लो. कतंत्र में सांसद और विधायक जनता की आवाज होते हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि एक प्रति. निधि कितनी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व कर रहा है। 1970 के दशक में लगभग10 लाख लोगों पर एक सांसदऔरलगभग 1।37 लाख लोगों पर एक विधायकका प्रतिनिधित्व निर्धारित था, ताकि जनता और प्रतिनिधि के बीच संवाद बना रहे, लेकिन दशकों तक सीटों की संख्या स्थिर रहने से आज एक प्रतिनिधि पर पहले की तुलना में कहीं अधिक जनसंख्या का भार है। इससे जनप्रतिनिधि के लिए हर नागरिक या समुदाय तक पहुंचना कठिन हो जाता है और जनता व प्रतिनिधि के बीच दूरी बढ़ जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जहां प्रति. निधियों और नागरिकों के बीच सीधा संवाद अधिक होता है, वहां लोकतंत्र अधिक मजबूत और जवाबदेह होता है। इसलिए परिसीमन की प्रक्रिया आवश्यक है, ताकि जनसंख्या के अनुसार सीटों का पुनर्निर्धारण हो सके और लोकतंत्र में संतुलित, प्रभावी और उत्तरदाई प्रतिनिधित्व बना रहे।

परिसीमन और राजनीतिक शक्ति: क्या बदलता है संतुलन?

परिसीमन को लेकर अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या इससे किसी क्षेत्र की राजनीतिक ताकत बढ़ती या घटती है। विशेषज्ञों के अनुसार लोकतंत्र में मूल मुद्दा राजनीतिक ताकत नहीं, बल्किजनता के प्रतिनिधित्व का संतुलनहै। परिसीमन संविधान केअनुच्छेद 82 और 172के तहत निर्धारित एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य बदलती जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व को संतुलित बनाए रखना है। जिस प्रकार जनसंख्या बढ़ने पर देश में हवाई अड्डे, सड़कें, अस्पताल और अन्य बुनियादी ढांचे बढ़ाए जाते हैं, उसी प्रकार राजनी. तिक प्रतिनिधित्व का विस्तार भी आवश्यक माना जाता है। परिसीमन इसी सिद्धांत पर आधारित है कि बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप प्रतिनिधियों की संख्या और निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण हो।इसलिए परिसीमन किसी क्षेत्र की राजनीतिक ताकत बढ़ाने या घटाने का साधन नहीं, बल्कि लो. कतंत्र को अधिक संतुलित, उत्तरदाई और प्रभावी बनाने की एक महत्वपूर्ण संवैधानिक व्यवस्था है।

परिसीमन पर रोक: राजनीतिक कारण या लोकतांत्रिक चिंता?

स्वतंत्रता के बाद 1952, 1962 और 1972 में परिसीमन की प्रक्रिया नियमित रूप से हुई, जिसका उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों और प्रतिनिधित्व को संतुलित बनाए रखना था। परिसीमन केवल सीटों की संख्या ही नहीं, बल्कि निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं भी बदलता है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों में परिवर्तन आता है और नए नेताओं व वर्गों के लिए राजनीति में प्रवेश की संभावना बनी रहती है, लेकिन 1970 के दशक में आपातकाल (1975-77) के दौरान परिसीमन पर रोक लगा दी गई और संविधान संशोधन के माध्यम से लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या पहले 2001 तक तथा बाद में 2026 तक स्थिर कर दी गई। इसका आधिकारिक कारण यह बताया गया कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन किया है, उन्हें प्रतिनिधित्व में नुकसान न हो। हालांकि, आलोचकों का मानना है कि सीटों और क्षेत्रों के लंबे समय तक स्थिर रहने से राजनीतिक संरचना में बदलाव कम हुआ। इसलिए परिसीमन पर लगी रोक प्रशासनिक, जनसंख्या-संतुलन और राजनीतिक तीनों कारणों से जुड़ी बहस का विषय बनी हुई है, क्योंकि इसका सीधा प्रभाव लोकतंत्र की गतिशीलता और प्रतिनिधित्व की समानता पर पड़ता है।

परिसीमन, जनसंख्या और राजनीतिक प्रतिनिधित्वरू आरक्षण, युवा और महिलाओं पर संभावित प्रभाव

परिसीमन का मुख्य आधारजनसंख्या के आंकड़ेहोते हैं, जिनके आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तथा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं तय की जाती हैं। यदि किसी राज्य में सीटों की संख्या बढ़ती है, तो उसी भौगोलिक क्षेत्र को अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है, जिससे सीमाओं का पुनर्गठन होता है। परिसीमन का प्रभावअनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति ST के आरक्षण पर भी पड़ता है। वर्तमान में लोकसभा में 131 सीटें एससी/एसटी के लिए आरक्षित हैं और उनका निर्धारण जनसंख्या अनुपात के आधार पर किया गया है। नई जनगणना के बाद परिसीमन होने पर आरक्षित सीटों की संख्या भी बदल सकती है। इसके अलावा परिसीमनयुवाओं की राजनीतिक भागीदारीको भी प्रभावित कर सकता है। शुरुआती चुनावों में 40 वर्ष से कम आयु के सांसदों की संख्या 30 प्रतिशत से अधिक थी, जो अब घटकर लगभग 12.13 प्रतिशत रह गई है। नए निर्वाचन क्षेत्रों और सीटों के बढ़ने से युवा नेतृत्व के लिए अवसर बढ़ सकते हैं। महिला आरक्षण कानूनके क्रियान्वयन से भी परिसीमन जुड़ा हुआ है, क्योंकि नए निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण के बाद ही महिला आरक्षण लागू किया जा सकेगा। इसलिए परिस. ीमन केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि आरक्षण, युवाओं और महिलाओं के प्रतिनिधित्व सहित लोकतंत्र के व्यापक ढांचे को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण व्यवस्था है।

परिसीमन पर रोक: लोकतंत्र पर असर या राजनीतिक आशंका?

परिसीमन पर संभावित रोक को लेकर देश में बहस जारी है। परिसीमन का उद्देश्य जनसंख्या के अनुपात में निर्वाचन क्षेत्रों और प्रतिनिधियों की संख्या तय करना है, ताकि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व संतुलित बना रहे। आलोचकों का तर्क है कि यदि इस प्रक्रिया को लंबे समय तक टाला जाता है, तो जनसंख्या और प्रतिनिधित्व के बीच असंतुलन बढ़ सकता है और कुछ क्षेत्रों में राजनी. तिक शक्ति अधिक केंद्रित हो सकती है। भारत में स्वतंत्रता के बाद कई बार परिसीमन हुआ, लेकिन 1970 के दशक में सीटों की संख्या पर रोक लगा दी गई, जिसे बाद में 2026 तक बढ़ाया गया। इसका आधिकारिक कारण यह बताया गया कि जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों को प्रतिनिधित्व में नुकसान न हो। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को समयानुसार अद्यतन रखना आवश्यक है, अन्यथा राजनीतिक असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। इसलिए परिसीमन पर बहस केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती और संतुलित प्रतिनिधित्व से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

क्या परिसीमन में सुधार की आवश्यकता है?

देश में विभिन्न मुद्दों पर समय-समय पर बहस और विरोध होते रहते हैं। परिसीमन के संदर्भ में भी यह प्रश्न उठता है कि क्या मौजूदा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। इस पर मतभेद हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जनसहभागिता आधारित बनाया जा सकता है, जबकि अन्य का कहना है कि मौजूदा संवैधानिक ढांचा पर्याप्त है और उसका समय पर क्रियान्वयन ही सबसे महत्वपूर्ण है।

2026 और उत्तर प्रदेश: क्या होगा संभावित प्रभाव?

2026 के बाद संभावित परिसीमन को लेकर सबसे अधिक चर्चाउत्तर प्रदेशपर हो रही है, क्योंकि यह देश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है और वर्तमान में इसके पास 80 लोकसभा सीटें हैं। जनसंख्या के अनुपात के आधार पर भविष्य में इसकी सीटों की संख्या बढ़ने की संभावना पर राजनीतिक और अकाद. मिक स्तर पर विचार हो रहा है।यदि सीटों की संख्या बढ़ती है, तो राज्य का भौगोलिक क्षेत्र वही रहेगा, लेकिन उसे अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय सीमाएं और राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। हालांकि, परिसीमन के आधार पर किसी राज्य कास्वत: विभाजन नहीं होता राज्य पुनर्गठन एक अलग संवैधानिक प्रक्रिया है, जो संसद के निर्णय पर निर्भर करती है। फिर भी, यदि बड़े राज्यों में विधानसभा सीटों की संख्या बहुत बढ़ती है, तो प्रशासनिक सुविधा और सुशासन के लिए राज्य पुनर्गठन की बहस तेज हो सकती है। इसलिए परिसीमन का मुद्दा केवल सीटों तक सीमित नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व, प्रशासनिक संतुलन और लो. कतंत्र की भविष्य की संरचना से भी जुड़ा हुआ है।

परिसीमन पर मांग, संभावित विधाई प्रक्रिया और जनता के लिए संदेश

परिसीमन को लेकर पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा कीसरकार सेमुख्य मांग यह है किइस पर लगी रोक को आगे न बढ़ाया जाए। परिसीमन एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसे समाप्त नहीं किया जा सकता, केवल अस्थाई रूप से स्थगित किया जा सकता है।यदि परिसीमन पर लगी समय-सीमा को आगे बढ़ाना हो, तो इसके लिएसंसद में विधेयक लाकर उसे पारित करना आवश्यक होगा। वहीं यदि रोक की अवधि समाप्त हो जाती है और उसे आगे नहीं बढ़ाया जाता, तो परिसीमन की प्रक्रिया स्वत: आगे बढ़ सकती है।इसी कारण इस मुद्दे पर पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा कीनजर संभावित विधाई कदमों पर है। हमारा उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि परिसीमन की प्रक्रिया को और आगे न टाला जाए, और यदि रोक बढ़ाने के लिए विधेयक लाया जाता है तो पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा द्वाराउसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाएगा।

पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा का आम जनता के लिए संदेश

परिसीमन को लोकतांत्रिक ढांचे का एक महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। इसका उद्देश्य नागरिकों को उनके जनप्रतिनिधियों से जोड़ना और प्रतिनिधित्व को जनसंख्या के अनुपात में संतु. लित रखना है।लोकतंत्र की मजबूती उसके निरंतर अद्यतन और संस्थागत प्रक्रियाओं के पालन पर निर्भर करती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में यदि प्रक्रियाएं लंबे समय तक स्थगित रहती हैं, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई देता है।पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा कामानना है कि यदि भारत को वैश्विक स्तर पर एक सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होना है, तो उसके लोकतांत्रिक ढांचे को भी मजबूत और प्रतिनिधिक बनाना होगा। अधिक व्यापक और संतुलित प्रतिनिधित्व से शासन प्रणाली में विविधता और उत्तरदायित्व दोनों बढ़ते हैं। इस प्रकार, परिसीमन पर चल रही बहस केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता, प्रतिनिधित्व की समानता और भविष्य की राजनीतिक दिशा से जुड़ा व्यापक विमर्श है।

(लेखक पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा, राष्ट्रीय सर्वखाप कोऑर्डिनेटर, राष्ट्रीय बालियान खाप प्रधान हैं, व्यक्त विचार निजी हैं)

एक दिन का संकल्प: उम्रभर का स्वस्थ भविष्य

योगेश कुमार गोयल

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबा. कू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रति. बंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है। धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है। बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरुआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे भाग के दौरान आलू की कीमतों को लेकर विरोध प्रदर्शन करती समाजवादी पार्टी।

तेहरान में इजरायली हमले में कई ऐतिहासिक स्थलों को हुआ नुकसान

तेहरान। इजरायली हवाई हमलों में ईरान के इस्फहान में चहेल सोतून पैलेस सहित विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों को नुकसान पहुंचा है। उल्लेखनीय है कि सफाविद काल का यह महल इस्फाहान के गवर्नर कार्यालय के पास स्थित है। रिपोर्टों के अनुसार, पास ही हुए बम धमाके के कारण महल परिसर के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। यह महल अपने भित्ति चित्रों, तालाबों और 17वीं शताब्दी के ऐतिहासिक हॉल के लिए जाना जाता है। इस्फाहान के एक निवासी ने बताया कि चहेल सोतून इमारत और गवर्नर कार्यालय के बीच केवल कुछ ही पेड़ हैं, और स्पष्ट रूप से उन्हें भी नुकसान पहुंचा है।

ईरान जंग: 9 एशियाई देशों में तेल संकट गहराया

बांग्लादेश में यूनिवर्सिटीज बंद, थाइलैंड में लिफ्ट इस्तेमाल पर रोक, पाक में मंत्रियों की सैलरी-विदेश यात्रा रोकी

इस्लामाबाद/ढाका/बैंकाक। ईरान जंग का असर अब एशिया के कई देशों में दिखाई देने लगा है। तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित होने के कारण कम से कम 9 एशियाई देशों में ऊर्जा संकट गहराने लगा है।

हालात ऐसे हैं कि अलग-अलग देशों को ईंधन बचाने और ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने पड़े हैं। बांग्लादेश में सभी यूनिवर्सिटीज बंद कर दी गई हैं, ताकि बिजली और ईंधन की खपत कम की जा सके। वहीं थाइलैंड में सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट के इस्तेमाल पर रोक लगाकर कर्मचारियों को सीढ़ियों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं और वर्क फ्रॉम होम लागू किया गया है। दूसरी ओर पाकिस्तान में खर्च कम करने के लिए मंत्रियों की सैलरी और विदेश यात्राओं पर रोक लगा दी गई है, साथ ही सरकारी खर्च और ईंधन उपयोग में कटौती के फैसले लिए गए हैं। दरअसल ईरान और अमेरिका-इजरालय के बीच जंग की वजह से होर्मुज स्ट्रेट बंद है, इसके चलते तेल की सप्लाई ठप्प हो गई है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का बहुत अहम समुद्री रास्ता है। हर साल दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। थाईलैंड में सरकार ने ऊर्जा बचाने के लिए सरकारी कर्मचारियों को वर्क फ्राम होम करने और दफ्तरों में लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक जिन अधिकारियों को सीधे जनता की सेवा देनी होती है, उन्हें इस नियम से छूट दी गई है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल ने सरकारी कर्मचारियों को ऊर्जा बचाने के लिए जरूरी कदम लागू करने को कहा है। सरकार ने विदेश यात्राओं को अस्थायी रूप से रोक दिया है। ऊर्जा बचत के लिए एयर कंडीशनर का तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने का निर्देश दिया गया है। अधिका. रियों को सूट-टाई जैसे औपचारिक कपड़ों की जगह शार्ट स्लीव शर्ट पहनने की सलाह दी गई है। ऊर्जा मंत्री के अनुसार देश के पास फिलहाल करीब 95 दिन का ऊर्जा भंडार बचा है। सरकार अमेरिका, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से अतिरिक्त एलएनजी खरीदने की कोशिश कर रही है। सरकार ने चेतावनी दी है कि अगर संकट और गहरा हुआ, तो दुकानों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के विज्ञापन बोर्ड की रोशनी कम करने और पेट्रोल पंपों को रात 10 बजे तक बंद करने जैसे कड़े कदम भी उठाए जा सकते हैं। बैंकाक समेत पूरे थाईलैंड में पेट्रोल और डीजल लेने के लिए लाइनें लग रही हैं। चीन ने संभावित ऊर्जा संकट को देखते हुए कच्चे तेल की खरीद बढ़ाकर अपने रणनीतिक भंडार मजबूत करना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन ने साल के शुरुआती महीनों में अतिरिक्त कच्चा तेल खरीदा है और इसे रणनीतिक तथा वाणिज्यिक भंडार में रखा जा रहा है। इसके साथ ही सरकार ने रिफाइनरियों को नए फ्यूल एक्सपोर्ट कान्ट्रैक्ट साइन न करने और कुछ तय शिपमेंट को रोकने के निर्देश दिए हैं। सरकार का मकसद घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर मिडिल-ईस्ट में संघर्ष लंबा चला और वैश्विक सप्लाई और प्रभावित हुई, तो चीन अपने रणनीतिक तेल भंडार का उपयोग कर सकता है।

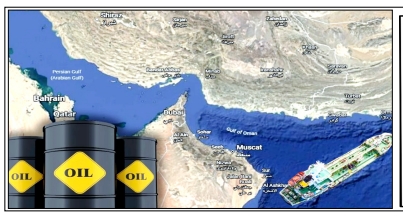

■ थाइलैंड में सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट के इस्तेमाल पर रोक लगाकर कर्मचारियों को सीढ़ियों का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं और वर्क फ्रॉम होम लागू किया गया है

संक्षिप्त समाचार

यूएई ने इराक में अपने दूतावास पर हमले की कड़ी निंदा की

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में अपने महावाणिज्य दूतावास को निशाना बनाकर किए गए एक आतंकी ड्रोन हमले की कड़ी निंदा की है। इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में इस हमले को 'बिना उकसावे वाला आतंकवादी कृत्य' बताया और जोर दिया कि राजनयिक मिशनों को निशाना बनाना अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों एवं कानूनों का गंभीर उल्लंघन है।

ईंधन बचाने के लिए वियतनाम में 'वर्क फ्रॉम होम'

हनोई। पश्चिम एशिया बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में आई अस्थिरता को देखते हुए वियतनाम सरकार ने देश में ईंधन की खपत कम करने के लिए कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। वियतनाम के उद्योग और व्यापार मंत्रालय ने मंगलवार को नागरिकों से जहां संभव हो वहां 'रिमोट वर्क' (घर से काम) करने का आग्रह किया है ताकि यात्रा और परिवहन की मांग को कम किया जा सके। वियतनाम समाचार एजेंसी के अनुसार, मंत्रालय ने एक आधिकारिक अपील जारी कर नागरिकों से ईंधन बचाने के विभिन्न उपाय अपनाने को कहा है।

केन्या में भीषण सड़क हादसा: भीड़ पर चढ़ा ट्रक, 14 की मौत

वेबुए (केन्या)। केन्या के वेबुए-किटाले राजमार्ग पर सोमवार रात भीषण सड़क हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को इस दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस हादसे में दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई, जिसमें दोनों सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद जब आसपास के लोग और राहगीर घायलों की मदद के लिए वहां जमा हुए, तभी एक अनियंत्रित ट्रक भीड़ को कुचलता हुआ निकल गया।

तेल मुद्दे पर ट्रम्प की ईरान को चेतावनी

कहा: अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को रोकता है, तो उस पर बीस गुना अधिक भयानक हमला होगा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को ईरान को चेतावनी दी कि यदि उसकी सेनाएं होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से होने वाले तेल के परिवहन को रोकती हैं, तो उन पर 'बीस गुना अधिक भयानक' हमला किया जाएगा। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि अगर ईरान ऐसा कुछ भी करता है जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य के भीतर तेल का प्रवाह रुकता है, तो अमेरिका उन पर अब तक हुए हमलों की तुलना में बीस गुना अधिक जोर से हमला करेगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, अमेरिका आसानी से नष्ट होने वाले लक्ष्यों को खत्म कर देगा, जिससे ईरान के लिए एक राष्ट्र के रूप में फिर से खड़ा होना लगभग असंभव हो जाएगा।

ट्रम्प ने इस चेतावनी को 'अमेरिका की ओर से चीन और उन सभी देशों के लिए एक उपहार' बताया जो होर्मुज जलडमरूमध्य का काफी उपयोग करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस 'पहल' की काफी सराहना की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 10 मार्च तक होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग में वाणिज्यिक यातायात लगभग पूरी तरह से ठप हो गया है। हालांकि औपचारिक रूप से इसे बंद करने की कोई घोषणा नहीं की गई है, लेकिन अत्यधिक जोखिमों के कारण बीमा कंपनियों द्वारा बीमा रद्द करने के कारण इस मार्ग पर यातायात प्रभावी रूप से बंद हो गया है। मार्सक, सीएमए सीजीएम और हैपग-लॉयड जैसी प्रमुख परिवहन कंपनियों ने इस मार्ग से आवाजाही को स्थगित कर दिया है और जहाजों को 'केप ऑफ गुड होप' के रास्ते भेज रहे हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से ही ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम आठ नाविक मारे गए हैं और कई टैंकर क्षतिग्रस्त हुए हैं। छह मार्च को, संयुक्त अरब अमीरात के ध्वज वाली नौका मुसाफा-2 एक विस्फोट के बाद डूब गई, जिससे चालक दल के तीन सदस्य लापता हो गए। सात मार्च को, माल्टा के ध्वज वाले टैंकर 'प्रिमा' पर कथित तौर पर एक ईरानी ड्रोन द्वारा हमला किया गया था। भारत वर्तमान में इस क्षेत्र में फंसे 36 भारतीय ध्वज वाले जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। फ्रांस ने भी युद्ध की तीव्रता कम होने के बाद जहाजों को सुरक्षित एस्कॉर्ट करने के लिए एक मिशन की तैयारी की घोषणा की है। नाकाबंदी के परिणामस्वरूप, कच्चे तेल की कीमतें 9 मार्च को 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ गईं, जो बाद में घटकर लगभग 88-90 डॉलर पर आ गईं। कुवैत और कतर ने कुछ ऊर्जा अनुबंधों पर 'फोर्स मेज्योर' घोषित कर दिया है क्योंकि टैंकर सुरक्षित रूप से फारस की खाड़ी से बाहर निकलने में असमर्थ हैं। 'फोर्स मेज्योर' एक सामान्य क्लॉज है जो अनिवार्य रूप से दोनों पक्षों को दायित्व या बाध्यता से मुक्त करता है जब पार्टियों के नियंत्रण से बाहर कोई असाधारण घटना या परिस्थिति आ जाती है।

■ ट्रम्प ने इस चेतावनी को 'अमेरिका की ओर से चीन और उन सभी देशों के लिए एक उपहार' बताया

एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देंगे: ईरान

तेहरान। अमेरिका-इजरायल और ईरान जंग का 11वां दिन हैं। इस बीच ईरान ने कहा है कि वह एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जाने देगा। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों के गुजरने को लेकर एक नई शर्त रखी है। इजरायली मीडिया वाइनेट की रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की सेना इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि कुछ देशों के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने दिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए उन देशों को पहले इजरायल और अमेरिका के राजदूतों को अपने देश से निकालना होगा। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का बहुत अहम समुद्री रास्ता है। हर साल दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। हालांकि अमेरिकी चैनल सीएनएन ने कहा है कि ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर सिक्योरिटी टैक्स यानी सुरक्षा शुल्क लगाने की योजना बना रहा है, खासकर उन जहाजों पर जो अमेरिका के सहयोगी देशों के हैं।

■ कहा: जो देश इजरायल-अमेरिका के राजदूतों को निकालेंगे, उनके जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने देंगे

होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसेना का हमें इंतजार: ईरानी सेना

तेहरान। ईरान की सेना के प्रवक्ता ने मंगलवार तड़के कहा कि उनके फौजी होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसैनिक बेड़े का इंतजार कर रहे हैं और युद्ध का अंत ईरान के हाथों में है। सरकारी मीडिया में आई जानकारी के अनुसार इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रवक्ता मेजर जनरल अली मोहम्मद नैनी ने यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक संवादादाता सम्मेलन और होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को लेकर दिए गए हालिया बयानों के जवाब में की है। नैनी ने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिक बेड़े और विमान वाहक पोत जेराल्ड फोर्ड का इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिका से अब वार्ता संभव नहीं: अराघची

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका के साथ बातचीत का अनुभव 'कड़वा' रहा है और अब उसके साथ नए सिरे से कूटनीतिक वार्ता की संभावना नहीं है। अराघची ने पीबीएस को दिए एक साक्षात्कार में अमेरिका पर बार-बार विश्वासघात और सैन्य आक्रामकता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अमेरिकियों से बातचीत या उनके साथ बातचीत करने का सवाल अब एजेंडे में होगा।

हमारे लिए यह अनुभव बहुत कड़वा रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने पिछले वर्ष जून में अमे. रिका के साथ अच्छे इरादे से बात. चीत शुरू की थी, लेकिन बातचीत के दौरान ही उस पर हमला कर दिया गया। अराघची के अनुसार इस वर्ष भी अमेरिका ने यह भरोसा दिलाया था कि वह हमला नहीं करेगा और ईरान के परमाणु मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है। विद. श मंत्री ने कहा कि तीन दौर की बातचीत में प्रगति के बावजूद हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ गए। उन्होंने कहा कि अमे. रिकी वार्ता दल ने भी प्रगति को स्वीकार किया था, लेकिन इसके बावजूद हमला किया गया। अराघची ने फारस की खाड़ी के देशों को संदेश देते हुए कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान के हमले आत्मरक्षा के अधिकार के तहत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि अन्य देश अपनी सुविधाओं की सुरक्षा के लिए कदम उठा सकते हैं तो ईरान को भी अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध ईरान ने नहीं चुना बल्कि उस पर थोपा गया है और देश केवल अपनी रक्षा कर रहा है। अराघची ने यह भी कहा कि ईरान जरूरत पड़ने तक मिसाइल हमले जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने क्षेत्रीय देशों के साथ संबंधों को लेकर उठ रही चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि ईरानी जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बीच पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल कीमतों में तेजी और ऊर्जा आपूर्ति में बाधा की आशंका बढ़ गई है।

■ इस वर्ष भी अमेरिका ने यह भरोसा दिलाया था कि वह हमला नहीं करेगा: अराघची

लेबनान में उत्पन्न हुआ भीषण मानवीय संकट

बेरुत/जिनेवा। लेबनान पर इजरायल के लगातार बढ़ते हमलों के कारण पिछले 24 घंटों में यहां एक लाख से अधिक लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने को मजबूर हुए हैं।

इससे एक गंभीर मानवीय त्रासदी का संकेत मिलता है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) की प्रतिनिधि कैरोलिना लिडहोम बिलिंग ने जिनेवा में पत्रकारों को बताया कि अब तक लेबनान सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर कुल 667000 से अधिक विस्थापित लोग पंजीकृत हो चुके हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि पंजीकृत विस्थापितों की संख्या में मात्र एक दिन में एक लाख का इजाफा हुआ है, जो बेहद डरावना है। यूएन प्रतिनिधि ने चेतावनी दी कि वर्तमान में विस्थापन की गति 2024 में इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच हुए पिछले युद्ध की तुलना में कहीं अधिक तेज है। इजरायली बमबारी के डर से दक्षिण लेबनान और बेरुत के उपनगरीय इलाकों से लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में उत्तर की ओर पलायन कर रहे हैं। विस्थापितों की भारी संख्या के कारण राहत शिविरों और आश्रय स्थलों पर अत्यधिक दबाव बढ़ गया है। लेबनान सरकार और अंतर्राष्ट्रीय सहायता एजेंसियां भोजन, दवा और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए संघर्ष कर रही हैं। मानवीय संगठनों ने तत्काल युद्धविराम की अपील की है ताकि विस्थापितों को आवश्यक सहायता पहुंचाई जा सके। संयुक्त राष्ट्र ने यह भी जानकारी दी है कि लेबनान में रहने वाले सीरियाई शरणार्थी अब वापस अपने देश लौटने को मजबूर हैं। गत दो मार्च से अब तक 80000 से अधिक सीरियाई नागरिक इजरायली हमलों से बचने के लिए लेबनान की सीमा पार कर सीरिया जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विस्थापन की स्थिति इतनी आपातकालीन है कि कई परिवार बिना अपना सामान लिए ही जल्दबाजी में लेबनान छोड़कर निकल गए।

■ एक दिन में एक लाख लोग विस्थापित, कुल संख्या 6.67 लाख के पार पहुंची

भारत ने की अफगान पर हुए हवाई हमलों की निंदा

हमलों को अंतर्राष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर व राज्य संप्रभुता के सिद्धांत का 'घोर उल्लंघन' करार दिया

नई दिल्ली/संयुक्त राष्ट्र। भारत ने अफगानिस्तान पर हाल ही में हुए हवाई हमलों की संयुक्त राष्ट्र में कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच बढ़ते सीमा पार संघर्षों के बीच भारत ने इन हमलों को अंतर्राष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और राज्य संप्रभुता के सिद्धांत का 'घोर उल्लंघन' करार दिया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने महासचिव की रिपोर्ट में उजागर की गई उन चिंताओं का उल्लेख किया, जो सीमा पार हिंसा के कारण हताहत होने वाले नागरिकों से जुड़ी हैं। हरीश ने कहा कि महासचिव की रिपोर्ट में सीमा पार सशस्त्र हिंसा के कारण नागरिकों के प्रभावित होने पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। हम महासचिव के उस आह्वान का समर्थन करते हैं, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत दायित्वों का पालन करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के क्षेत्र पर हुए हवाई हमलों की भारत कड़ी निंदा करता है, जो अंतर्राष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और राज्य संप्रभुता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन हैं। भारतीय दूत ने इस भू-आबद्ध देश पर आर्थिक दबाव के संबंध में भी चिंता जताई। हरीश ने गंभीर चिंता जताते हुए व्यापार के लिए रास्ता रोकने और चारों तरफ जमीन से घिरे देश की पहुंच को जानबूझकर बंद कर व्यापार और पारगमन आतंकवाद के अभ्यास का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाइयों के सामने भू-आबद्ध विकासशील देशों पर संयुक्त राष्ट्र की घोषणाएं खोखली लगती हैं। इन देशों की व्यापारिक और पारगमन संबंधी मजबूरियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। भारत के रुख की पुष्टि करते हुए हरीश ने कहा कि हम इन कृत्यों की निंदा करते हैं और अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए अपने समर्थन की भी पुष्टि करते हैं। उन्होंने आतंकवाद के निरंतर खतरे का भी जिक्र किया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वित अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का आह्वान किया कि आईएसआईएस और अल-कायदा जैसे संगठन अब सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा न दे सकें।

■ भारतीय दूत ने इस भू-आबद्ध देश पर आर्थिक दबाव के संबंध में भी चिंता जताई

ऑस्ट्रेलिया ने पांच ईरानी महिला फुटबॉलरों को दी शरण

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने ईरानी महिला फुटबॉल टीम की उन पांच सदस्यों को मानवीय वीजा प्रदान किया है, जिन्होंने एक मैच से पहले राष्ट्रगान गाने से इनकार करने के बाद यहां शरण मांगी थी।

ईरान ने इन महिला खिलाड़ियों को युद्धकालीन गद्दार करार दे दिया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने कैनबरा में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ऑस्ट्रेलियाई नागरिक इन बहादुर महिलाओं की स्थिति से बहुत मायूस हैं। उन्होंने कहा कि वे यहां सुरक्षित हैं और उन्हें यहां अपने घर जैसा महसूस करना चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई गृह मंत्रालय ने इन पांच टीम सदस्यों के नाम कप्तान जहरा घंबारी, मिडफील्डर फातेमेह पसंदीदेह, जहरा सरबाली अलीशाह, मोना हमौदी और डिफेंडर अतेफेह रमजानीजादेह बताए हैं। ऑस्ट्रेलियाई गृह मंत्री टोनी बर्क ने कहा कि ईरानी टीम की शेष खिलाड़ी, गोल्ड कोस्ट के एक होटल में हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने टीम की अन्य सदस्यों को भी ऑस्ट्रेलिया में रुकने का अवसर दिया है। ईरान की महिला फुटबॉल टीम क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 'एएफसी महिला एशियाई कप 2026' में भाग लेने आई थी। टूर्नामेंट के पहले मैच में दक्षिण कोरिया के खिलाफ टीम की खिलाड़ियों ने ईरान का राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया और मौन खड़ी रहीं। इस कदम को ईरान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के रूप में देखा गया। इसके बाद ईरानी सरक. ारी मीडिया ने खिलाड़ियों को 'युद्धकालीन गद्दार' करार दिया और उनके इस कृत्य को 'अपमान की पराकाष्ठा' बताया। रविवार को टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद खिलाड़ियों को वापस ईरान लौटना था, लेकिन उनकी सुरक्षा को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं जताई जाने लगीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऑस्ट्रेलिया के इनको मानवीय वीजा देने के फैसले का स्वागत करते हुए इसे एक सही कदम बताया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जानकारी दी कि उन्होंने इस बारे में अल्बनीस से सीधी बात की है और वे इस संवेदनशील स्थिति को बेहतर ढंग से संभाल रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने चेता. वनी दी थी कि अगर इन खिलाड़ियों को वापस ईरान भेजा गया तो उनके साथ बुरा बर्ताव हो सकता है या उन्हें मारा भी जा सकता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को आगाह किया था कि खिलाड़ियों को वापस भेजना एक 'भयानक मानवीय भूल' होगी।

■ ईरान की महिला फुटबॉल टीम क्वींसलैंड ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 'एएफसी महिला एशियाई कप 2026' में भाग लेने आई थी

तुर्की में अमेरिकी 'पैट्रियट' मिसाइल सिस्टम तैनात

अंकारा। ईरान के साथ बढ़ते क्षेत्रीय तनाव और हालिया मिसाइल उल्लंघन की घटनाओं के बीच, तुर्की ने मंगलवार को कहा कि उसके प्रांत मालत्या में अमेरिका निर्मित 'पैट्रियट' हवाई रक्षा प्रणाली तैनात कर दी गई है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह कदम उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के 'उन्नत वायु और मिसा. इल रक्षा' उपायों के तहत उठाया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, अपनी सीमाओं और हवाई क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए नाटो सहयोगियों के साथ परामर्श कर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मालत्या में तैनात पैट्रियट सिस्टम को परिचालन के लिए तैयार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मालत्या में नाटो का महत्वपूर्ण 'कुसे. रिक रडार स्टेशन' भी स्थित है। यह तैनाती तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप अर्दोगन के ईरान को दी गई कड़ी चेतावनी के बाद हुई है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल तुर्की के हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गई थी, जिसे पूर्वी भूमध्य सागर में तैनात नाटो रक्षा प्रणालियों ने नष्ट कर दिया। मिसाइल का मलबा गाजियानटेप इलाके की खाली जमीन पर गिरा। यह पांच दिनों के भीतर इस तरह की दूसरी घटना है। राष्ट्रपति अर्दोगन ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि ईरान द्वारा उकसावे वाले कदम उठाना जारी है, जो हमारे सदियों पुराने पड़ोसी संबंधों पर छाया डाल सकते हैं। हमने उसे आवश्यक चेता. वनी दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तुर्की अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

■ तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने उठाया ईरान से बढ़ते तनाव के बीच नाटो का बड़ा कदम